THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 267 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.4 2080 शनिवार, 16 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शीतकालीन सत्र के 10वें दिन काम नहीं सोमवार तक स्थगित

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर सत्र के 10वें दिन (15 दिसंबर) दोनों सदनों में कामकाज ठप रहा। विपक्षी दलों ने लगातार दूसरे दिन लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा किया।

विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह के सदन में बयान और इस्तीफे की मांग की। दोनों सदनों की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई। स्पीकर ओम बिड़ला जैसे ही कुर्सी पर बैठे, हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष के सांसद वेल तक पहुंच गए। हंगामे के चलते लोकसभा 11.02 बजे और राज्यसभा 11.09 मिनट पर 2 बजे तक के लिए स्थगित हो गई। जब 2 बजे दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई तो फिर हंगामा हुआ। इसके बाद कार्यवाही सोमवार 18 दिसंबर तक स्थगित कर दी गई। इससे पहले, शुक्रवार को सदन के बाहर गांधी प्रतिमा के सामने विपक्ष के 14 निलंबित सांसदों (13 लोकसभा और 1 राज्यसभा) ने प्रदर्शन किया। इनका कहना था कि दोनों सदनों में विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है।

'दस साल के दमन से आजादी के लिए लोगों ने दिया फैसला'

संयुक्त सत्र के संबोधन में बोलीं राज्यपाल

हैदराबाद, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। शुक्रवार को तेलंगाना विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल तमिलसाई सुंदरराजन ने कहा कि 10 साल के दमनकारी शासन से आजादी के लिए तेलंगाना के लोगों ने हालिया विधानसभा चुनाव में अपना फैसला दिया। राज्यपाल ने कहा कि सरकार अपने हर वादे को पूरा करेगी। बता दें कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद पहला विधानसभा सत्र आयोजित हो रहा है।

'निरंकुश शासन से आजाद हुआ तेलंगाना'

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि 'साल 2023 इतिहास में तेलंगाना में नई शुरुआत के लिए याद किया जाएगा। लोग बदलाव

महसूस भी कर रहे हैं। तेलंगाना आजादी की ताजी हवा में सांस ले रहा है और अब राज्य निरंकुश शासन और तानाशाही प्रवृति से आजाद हो गया है। तेलंगाना के चार करोड़ लोगों की तरफ से तेलंगाना सरकार श्रीमति सोनिया गांधी को धन्यवाद देती है क्योंकि यूपीए की अध्यक्ष रहते हुए सोनिया गांधी ने तेलंगाना के गठन में अहम भूमिका निभाई थी।' राज्यपाल ने कहा कि मौजूदा सरकार उन सभी पार्टियों, नेताओं, तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह को धन्यवाद देती है, जिन्होंने 2014 में नया राज्य तेलंगाना बनाया और लोगों की लंबे समय से अधूरी इच्छा को पूरा किया।

श्वेत पत्र लाएगी सरकार

विधानसभा सत्र के दौरान तेलंगाना के गठन के दौरान बलिदान देने वाले शहीदों को भी श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल ने अपने संबोधन में पूर्व की सरकार पर वित्तीय अनियमिताएं बरतने और खराब प्रशासन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'हम हर विभाग की वित्तीय स्थिति को लोगों के सामने रखेंगे और इसे लेकर श्वेत पत्र जारी करेंगे ताकि सरकार के कामकाज में पूरी पारदर्शिता रहे। राज्यपाल ने कहा कि सत्ताधारी कांग्रेस की छह गारंटियों को कानूनी दर्जा दिया जाएगा। >14

मथुरा ईदगाह सर्वे रोकने से एससी का इनकार

मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज, हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह के सर्वे का आदेश दिया था

मथुरा, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह के कमिश्नर सर्वे पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज करते हुए कहा कि अगर सर्वे से दिक्कत है तो प्रॉपर तरीका अपनाएं। इसके बाद सुनवाई पर विचार किया जाएगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को विवादित स्थल का कमिश्नर सर्वे का आदेश दिया था। शाही ईदगाह मस्जिद और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने वर्चुअली इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसमें कमिश्नर सर्वे और हाईकोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार करते हुए कहा कि कार्रवाई को चलने दें।

शुक्रवार को शाही ईदगाह विवाद मामले के सभी केस की ट्रांसफर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई थी। हिंदू पक्ष के एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक, शाही ईदगाह कमेटी ने हाईकोर्ट में ट्रांसफर किए गए सभी केस को मथुरा कोर्ट में सुनवाई करने की मांग की है। उसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। इसी बीच, मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के आदेश को मेंशन करते हुए सर्वे पर रोक लगाने की मांग की थी।

9 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करने पर वकील विष्णु शंकर

जैन ने कहा, 'शाही ईदगाह मामले में कल जो इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आदेश पारित किया था उस आदेश को आज वर्चुअली शाही ईदगाह मस्जिद ने और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने मांग की थी कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगा दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इसे इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यह केस 9 जनवरी के लिए निर्धारित है, हम उसी दिन उसको सुनेंगे।'

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह की 13.37 एकड़ विवादित जमीन

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को हिंदू पक्ष की याचिका स्वीकार करते हुए ईदगाह सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश दिया था। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने यह फैसला सुनाया। 16 नवंबर को इस अर्जी पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह के 13.37 एकड़ विवादित जमीन का कोर्ट कमिश्नर सर्वे करेंगे। यह सर्वे वाराणसी की ज्ञानवापी में मई 2021 में हुए कमिश्नर सर्वे की तरह होगा। इसमें कोर्ट कमिश्नर की टीम वहां जाकर सबूत जुटाएगी और कोर्ट को रिपोर्ट देगी। सर्वे का तरीका क्या होगा? टीम में कौन-कौन होंगे? कब सर्वे करेंगे? ये सब 18 दिसंबर को हाईकोर्ट में होने वाली अगली सुनवाई में तय होगा।

लोकसभा घुसपैठ केस : मास्टरमाइंड 7 दिन की रिमांड पर

ललित ने कल रात सरेंडर किया था; सबूत मिटाने के लिए चारों साथियों के फोन जलाए थे

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में घुसपैठ केस के मास्टरमाइंड ललित मोहन झा को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने शुक्रवार को 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। ललित ने गुरुवार देर रात दिल्ली पुलिस थाने में सरेंडर किया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वह महेश नाम के एक व्यक्ति के साथ दिल्ली के कर्तव्य पथ पुलिस स्टेशन पहुंचा था। ललित ने संसद में घुसपैठ का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर डाला और कोलकाता के एक एनजीओ को भेजा, ताकि ये मीडिया तक पहुंच सके। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया था।

वह अपने सभी साथियों के मोबाइल फोन भी ले गया था, जिसे उसने जला दिया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। मोबाइल जलाने के बाद ललित बस से राजस्थान के नागौर पहुंचा। वहां वह अपने दो दोस्तों से मिला और एक होटल में रात बिताई। जब उसे एहसास हुआ कि पुलिस उसकी तलाश कर रही है तो वह एक दोस्त के साथ बस से वापस दिल्ली आ गया। यहां उसने सरेंडर कर दिया। फिलहाल वह पुलिस की स्पेशल सेल की कस्टडी में है। वहीं, दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम शनिवार या रविवार को संसद में सुरक्षा चूक के सीन को रीक्रिएट करेगी। सूत्रों के मुताबिक, इसके लिए सभी आरोपियों को संसद परिसर ले जाया जाएगा। इससे दिल्ली पुलिस ये पता लगाएगी कि आरोपी कैसे संसद भवन में दाखिल हुए और कैसे अपने प्लान को अंजाम दिया। संसद में घुसपैठ कर स्मोक कैन चलाने वाले सभी आरोपी भगत सिंह फैंस क्लब में शामिल थे। सोशल मीडिया ग्रुप पर ये लोग अपनी विचारधारा वाली पोस्ट डालते थे और वर्चुअली मिले। कई राज्यों के लोग इस क्लब से जुड़े हुए हैं। >14

महुआ मामले में एससी में सुनवाई 3 जनवरी को

लोकसभा से निष्कासन के खिलाफ पिटीशन लगाई थी, कैश फॉर क्वेरी केस में सांसदी गई थी

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में सवाल पूछने के बदले पैसे लेने (कैश फॉर क्वेरी) के केस में टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा की 8 दिसंबर को सांसदी चली गई थी। महुआ ने निष्कासन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई फिलहाल टाल दी है। अब सुनवाई 3 जनवरी 2024 को होगी।

शुक्रवार 15 दिसंबर को मामले की सुनवाई जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच में हुई थी। महुआ की ओर से वकील अभिषेक मनु सिंघवी कोर्ट में पेश हुए। सिंघवी ने जस्टिस एसके कौल से केस पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। इस पर जस्टिस कौल ने कहा था-इस याचिका पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ फैसला लेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीजेआई चंद्रचूड़ ने 13 दिसंबर (बुधवार) को मामले को जल्द लिस्ट करने पर विचार करने की बात कही थी। इसके बाद मामले की सुनवाई के लिए 15 दिसंबर का दिन तय हुआ।

रुंगटा को धमकी देने के मामले में मुख्तार दोषी करार

पांच साल छह माह की सजा

वाराणसी, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। कोयला व्यवसायी नंद किशोर रुंगटा के भाई महावीर प्रसाद रुंगटा को धमकाने के मामले में आरोपी मुख्तार अंसारी को कोर्ट ने दोषी करार दिया है। कोर्ट ने मुख्तार को पांच साल छह माह की सजा सुनाई है। साथ ही 10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न देने पर दो माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होंगी। फैसला अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन प्रथम/एमपी एमएलए अदालत के प्रभारी उज्वल उपाध्याय की अदालत ने सुनाया। सुनवाई के दौरान संयुक्त निदेशक अभियोजन हरकिशोर सिंह और वादी के अधिवक्ता विधानचंद यादव और ओपी सिंह ने अभियोजन का पक्ष रखा। बांदा जेल में बंद मुख्तार के हस्ताक्षर के बाद फैसला बाहर आएगा। बता दें कि रुंगटा को धमकी देने के मामले में गुरुवार को आरोपी मुख्तार अंसारी का बयान अदालत में दर्ज किया गया। बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश हुआ। विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एमपी-एमएलए) उज्वल उपाध्याय की अदालत में विचाराधीन इस मामले में अदालत द्वारा जो सवाल पूछा गया, मुख्तार अंसारी ने उसका जवाब दिया। अदालत ने अगली सुनवाई और आरोपी का लिखित कथन दाखिल करने के लिए 17 अगस्त की तिथि नियत की है।

संसद में धुआं : पत्रकार हो या कोई और, गलियारे में कुछ मिनटों से ज्यादा नहीं रुक सकते

बाहर भी मीडिया को किया गया 'दूर'

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की सुरक्षा में सेंधमारी की घटना ने सबको चकित किया है। संसद की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घटना के अगले दिन से ही कई तरह के बदलाव अमल में लाए गए हैं। अब सांसदों के आने-जाने के लिए दरवाजा अलग होगा, मीडियाकर्मियों के लिए जगह और संसद भवन के बीच की दूरी बढ़ा दी गई है, गलियारे में पत्रकारों समेत कोई भी कुछ मिनट से ज्यादा खड़ा नहीं हो सकेगा, आदि।

क्या-क्या बदल गया?

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हुई बैठकों में तय किया गया है कि नई इमारत के प्रवेश और निकास द्वारों में से एक अब विशेष रूप से सांसदों के लिए आरक्षित रहेगा। सांसदों के लिए आरक्षित दरवाजा उन्हें बाकी भीड़ से अलग करेगा। इसके अलावा मीडिया और संसद भवन के बीच दूरी बढ़ा दी गई है। द हिंदू की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षाकर्मियों ने पत्रकारों को पुरानी इमारत के करीब धकेल दिया है। सांसदों के प्रवेश द्वार पर सावधानीपूर्वक बैरिकेडिंग कर दी गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी उनके रास्ते में न आए। जो सांसद पत्रकारों से बात करना चाहेंगे, उन्हें अब कई बैरिकेड्स पार करने होंगे। मीडियाकर्मियों सहित किसी को भी गलियारे में कुछ मिनटों से अधिक खड़े होने की अनुमति नहीं है। सांसदों को भी धीमी गति से चलने के लिए कहा गया है। साथ ही गेट के अंदर और बाहर तेजी से दौड़ने की अनुमति नहीं दी गई है।

घटना के कुछ घंटों बाद बुधवार रात को प्रकाशित एक संसदीय बुलेटिन में, सांसदों से कहा गया कि वे क्रैश बैरियर के पास धीरे-धीरे जाएं और तब तक इंतजार करें जब तक कि उनका चेहरा फेशियल रिकॉग्निशन डिवाइस कैप्चर न कर ले। पूर्व सांसदों को भी संसद में प्रवेश से रोक दिया गया है। संसद कर्मचारियों के लिए प्रवेश और निकास द्वार भी बदल दिए गए हैं। अक्सर देखा जा रहा था कि कई कर्मचारी नई इमारत में भटक जा रहे थे, भूलभुलैया जैसे गलियारों में रास्ता भूल जा रहे थे और रास्ता पूछते चल रहे थे। >14

'शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर 10 जनवरी तक करें फैसला'

सुप्रीम कोर्ट का स्पीकर को निर्देश

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत के लिए एक बार फिर बड़ी खबर सामने आ रही है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के शिवसेना विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिका पर फैसला लेने के लिए थोड़ा और समय दे दिया है। पहले 31 दिसंबर तक का समय दिया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 10 जनवरी कर दिया है। बता दें, सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्तूबर को नार्वेकर को पार्टी में विभाजन के बाद एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए समय सीमा देने का मौका दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द से जल्द फैसला आना चाहिए। जिसके बाद सुनवाई को 30 अक्तूबर तक के लिए टाल दिया गया था। इसके बाद 30 अक्तूबर को सुनवाई हुई और इसमें विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लेने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को 31 दिसंबर तक का समय दिया गया था।

17 अक्तूबर को सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा था कि हम समय सारिणी से संतुष्ट नहीं हैं। बता दें शीर्ष अदालत ने इससे पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके समर्थित विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर याचिकाओं पर फैसला करने में देरी पर विधानसभा अध्यक्ष को कड़ी फटकार लगाई थी और कहा था कि स्पीकर शीर्ष अदालत के आदेशों को खारिज नहीं कर सकते। >14

'चंद्रयान-3 बस एक शुरुआत, 2040 तक इंसान को चांद पर भेजेगा भारत', केंद्रीय मंत्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को अपने एक बयान में कहा कि 'चंद्रयान-3 सिर्फ एक शुरुआत है और भारत ने वादा किया है कि वह 2040 तक इंसान को चांद पर भेजेगा।'

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'आज हम इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्थन दिया जाएगा। साथ ही 2047 तक देश के विकसित बनने की परिकल्पना की गई है।'

क्या है भारत का गगनयान मिशन

बता दें कि इसरो के गगनयान मिशन में तीन सदस्यों वाले क्रू को अंतरिक्ष में भेजने की परिकल्पना की गई है। क्रू को पृथ्वी की कक्षा में 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर भेजा जाएगा। यह मिशन तीन दिन का होगा और उसके बाद क्रू के सदस्यों को सुरक्षित धरती पर वापस लाया जाएगा और उनकी समुद्र में सुरक्षित लैंडिंग कराई जाएगी। ऐसा करते ही भारत दुनिया का चौथा ऐसा देश बन जाएगा, जिसने अंतरिक्ष में इंसानों को भेजा हो। भारत से पहले अमेरिका, रूस और चीन यह कारनामा कर चुके हैं। भारत का लक्ष्य है कि 2040 तक गगनयान मिशन को अंतरिक्ष में लॉन्च कर दिया जाए।

इसरो को मिली बड़ी सफलता

गगनयान मिशन के तहत कुल तीन अंतरिक्ष मिशन भेजे जाएंगे। इनमें से दो मिशन मानवरहित होंगे और एक मिशन मानव युक्त होगा। बता दें कि हाल ही में चंद्रयान-3 के प्रोपेल्शन मॉड्यूल को चंद्रमा की कक्षा से वापस पृथ्वी की कक्षा में वापस लाया गया। मानव मिशन के लिए यह परीक्षण बेहद अहम था। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसके लिए इसरो को बधाई दी। बता दें कि चंद्रयान-3 मिशन को 14 जुलाई 2023 को लॉन्च किया गया था और 23 अगस्त 2023 को इसके विक्रम लैंडर ने चांद की सतह पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की थी। भारत का चंद्रयान-3 मिशन सफल रहा।

कोर्ट कैंपस में छोटे सरकार की गोली मारकर हत्या

पटना, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना के दानापुर कोर्ट कैंपस में दो बदमाशों ने पेशी पर आए कुख्यात अपराधी अभिषेक उर्फ छोटे सरकार की गोली मारकर हत्या कर दी। जिस समय हत्या हुई, उस समय पांच पुलिसकर्मी साथ में थे। दोनों बदमाशों ने 6 राउंड गोली चलाई। गोली चलने से कोर्ट कैंपस में दहशत फैल गई। बदमाश मौका देखकर भागने लगे, लेकिन वकीलों की मदद से पुलिस ने दोनों को दौड़ाकर पकड़ लिया। अपराधियों के पास से दो पिस्टल बरामद की गई है। एक बदमाश के पैर में फायरिंग के दौरान गोली लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कैदी का नाम अभिषेक उर्फ छोटे सरकार था। वह बिहटा का रहने वाला था। उसे सुपारी किलर भी कहा जाता था। छोटे सरकार का पटना के पश्चिमी इलाके नौबतपुर, बिहटा, रानी तालाब थाना क्षेत्रों में आतंक था। वह कई हाईप्रोफाइल मर्डर के मामलों का आरोपी था।

रेपिस्ट बीजेपी विधायक को 25 साल की सजा

सजा कम करने के लिए गिड़गिड़ाया, नाबालिग से की थी दरिंदगी-जुर्माने के 10 लाख पीड़ित को मिलेंगे

सोनभद्र, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। सोनभद्र से बीजेपी विधायक रामदुलार गोंड को नाबालिग से रेप में 25 साल की सजा सुनाई है। एमपी/एमएलए कोर्ट ने विधायक पर 10 लाख का जुर्माना लगाया है। यह रकम पीड़ित को दी जाएगी। दुद्धी विधानसभा सीट से विधायक रामदुलार सजा कम करने के लिए कोर्ट के सामने गिड़गिड़ाया। कहा कि बच्चों की पढ़ाई चल रही है, इसलिए कम सजा दी जाए।

मंगलवार को 9 साल पुराने नाबालिग से रेप में कोर्ट ने विधायक को दोषी करार दिया था। विधायक को पॉक्सो, 376 और 201 धारा के तहत दोषी माना था। सजा के बाद अब बीजेपी विधायक की विधायकी जाना तय है। सरकारी वकील सत्यप्रकाश तिवारी ने सजा और जुर्माने की पुष्टि की है। इससे पहले शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा में विधायक को जेल से कोर्ट लाया गया। नाबालिग से रेप की यह एफआईआर 4 नवंबर 2014 को दर्ज हुई थी। रासपहरी थाने के म्योरपुर गांव में नाबालिग लड़की से रामदुलार गोंड ने रेप किया था। पीड़ित पक्ष के वकील विकास शाक्य के मुताबिक, पीड़ित ने अपने बयान में बताया था कि रामदुलार उसके साथ करीब एक साल से रेप कर रहा था। उसने 6 बार उसके साथ जबरदस्ती की। 4 नवंबर को भी जब पीड़ित अपने खेत जा रही थी। उस वक्त रामदुलार ने उसके साथ दरिंदगी करनी चाही। लेकिन पीड़ित ने हिम्मत दिखाई और उसके चंगुल से छूट कर अपने भाई के पास पहुंच गई। भाई को पूरा मामला बताया। भाई ने म्योरपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। पीड़ित ने अपने स्टेटमेंट में बताया कि वह (रामदुलार) पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देता था। इसलिए वह दरिंदगी सहती रही। पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट में उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई थी। पीड़िता की एक बच्ची है, यह बच्ची रेप के बाद गर्भवती होने से हुई है। पुलिस ने रामदुलार पर पॉक्सो और रेप का केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस को पर्याप्त सबूत मिल गए। इसी आधार पर पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल हुई थी।

त्रिपुरा में प्रतिबंधित एनएलएफटी के दो नेता गिरफ्तार

पश्चिमी त्रिपुरा, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रतिबंधित नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) के दो नेताओं को पश्चिम त्रिपुरा जिले में गिरफ्तार किया गया है. दोनों नेताओं को उस वक्त पकड़ा गया जब वो पड़ोसी देश बांग्लादेश से भारत में दाखिल हो रहे थे। प्रतिबंधित संगठन के पूर्व सेनाध्यक्ष सचिन देबबर्मा और उनके राजनीतिक सचिव उत्पल देबबर्मा भारतीय सीमा में प्रवेश की कोशिश कर रहे थे. इन दोनों ही नेताओं पर हत्या, अपहरण, जबरन वसूली और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने जैसे संगीन आरोप हैं. एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि दोनों को गुरुवार की रात को सिमना इलाके में पकड़ा गया है।

विशेष शाखा के डीआइजी कृष्णेंदु चक्रवर्ती ने बताया, 'हमारे पास विशेष जानकारी थी कि सचिन और उत्पल गुरुवार रात बांग्लादेश से राज्य की सीमा में प्रवेश करेंगे. जब वे बांग्लादेश से सीमा पार कर गए तो हमने जाल बिछाया और उन्हें पकड़ लिया।'

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने चर्च विस्फोट मामले के दोषी को पैरोल दी

बेंगलुरु, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने गिरजाघर विस्फोट मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे एक दोषी को दो सप्ताह की पैरोल दी है। मोहम्मद अखिल जुलाई 2000 के बेंगलुरु गिरजाघर विस्फोट मामले के दोषियों में से एक है। दीनदार अंजुमन संप्रदाय से जुड़े 24 आरोपियों को कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गोवा में हुए विस्फोटों का दोषी पाया गया था। अखिल, उम्रकैद की सजा पाने वाले 13 दोषियों में से एक है। अखिल की पत्नी मुबीन उन्नीसा बेगम ने एक याचिका दायर की थी, जिस पर न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने सुनवाई की। अदालत ने अपने हालिया आदेश में कहा, दोषी, आज तक बिना किसी छूट के 23 साल की कैद काट चुका है और पूरे 23 वर्षों में उसे पैरोल नहीं मिली है। दोषी की पत्नी अब इस अदालत में अपने पति के लिए पैरोल की मांग कर रही है, वह बीमार है और इसलिए अनुरोध करती है कि परिवार में उसके पति की उपस्थिति आवश्यक है क्योंकि परिवार के अन्य सदस्य भी वृद्ध हैं और विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि जुलाई 2023 में मामले के एक अन्य दोषी को समन्वय पीठ ने पैरोल दी थी क्योंकि दोषी की मां बीमार थी। समन्वय पीठ ने 1974 के एक मामले के आधार पर अपना फैसला सुनाया था, जिसमें कहा गया था कि 'अदालत को समान मामलों में एक जैसा व्यवहार करना चाहिए और यदि किसी वादी को राहत दी जाती है, तो इसे समान परिस्थिति वाले वादियों तक भी बढ़ाया जाना चाहिए।' उच्च न्यायालय ने अखिल को सात दिसंबर से 20 दिसंबर 2023 की शाम तक दो सप्ताह के लिए पैरोल पर रिहा करने की अनुमति दी। अखिल को राजद्रोह के लिए भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ ही विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया था।

साल 2024 में पाकिस्तान सीमा के पास तैनात हो जाएगा तेजस मार्क 1 ए

पुराने विमानों को गुजरात में शिफ्ट करने की योजना

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना देश की हवाई सुरक्षा को और मजबूत करने और सीमा पार से होने वाली किसी भी हिमाकत का जवाब चंद मिनटों में देने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। भारतीय वायु सेना रणनीतिक रूप से अहम पाकिस्तान सीमा के पास स्थित राजस्थान के बीकानेर में नाल एयर बेस पर स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क 1 ए लड़ाकू जेट के अपने पहले स्क्वाड्रन को तैनात करने की तैयारी कर रही है। तेजस मार्क 1 ए लड़ाकू विमानों की पाक सीमा के पास तैनाती अगले साल अप्रैल-मई तक हो जाएगी। इतना ही नहीं पश्चिमी क्षेत्र में रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए पुराने तेजस एमके1 लड़ाकू विमानों को संभवतः गुजरात में आगे के एयरबेस पर स्थानांतरित करने की योजना बनाई गई है। फिलहाल भारतीय

वायुसेना तेजस एमके1 जेट के दो स्क्वाड्रन संचालित कर रही है। इन्हें भी अपग्रेड करके भारत में निर्मित रडार और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर प्रणाली से लैस करने की योजना है। साल 2026 तक एक व्यापक उन्नयन कार्यक्रम की योजना बनाई गई है जिसमें शुरुआती तेजस एमके-1के एवियोनिक्स सिस्टम को पूरी तरह से बदल दिया जाएगा। आने वाले समय में भारतीय वायुसेना में लगभग 300 तेजस लड़ाकू विमान शामिल किए जाएंगे। इसमें तेजस मार्क 1 ए के अलावा उन्नत तेजस मार्क- 2 भी शामिल होंगे। भारतीय वायुसेना की जरूरतों को देखते हुए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) लड़ाकू विमानों का उत्पादन बढ़ाने जा रहा है। साल 2027 से लड़ाकू विमानों की उत्पादन क्षमता में तीनगुना वृद्धि करते हुए एचएएल हर साल 24 तेजस लड़ाकू विमानों का निर्माण अपनी फैक्ट्रीयों में करेगा। भारतीय वायुसेना ने 83 तेजस मार्क 1-ए विमानों का ऑर्डर दिया है, जिनकी डिलीवरी अगले साल फरवरी में शुरू होने वाली है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के दो स्क्वाड्रन - 45 स्क्वाड्रन और 18 स्क्वाड्रन - तेजस जेट के साथ पूरी तरह से परिचालन में हैं। हाल ही में 97 तेजस हल्के लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी भी मिली है। हाल के दिनों में भारतीय वायुसेना ने कई अहम फैसले लिए हैं।

इसी क्रम में देश की अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान सुखोई 30 एमकेआई को भी अपग्रेड किया जा रहा है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) अपने सुखोई विमानों के बेडे. को स्वदेशी हथियार प्रणालियों और विरुपाक्ष नामक रडार से लैस करने जा रही है। भारत के पास फिलहाल 250 से ज्यादा सुखोई विमान हैं। विरुपाक्ष रडार को विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय वायुसेना की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है और यह दुनिया भर में उड़ाए जा रहे सभी सुखोई-30 वेरिएंट में से सबसे उन्नत होगा।

संसद सुरक्षा चूक पर संजय राउत ने अमित शाह से पूछे सवाल

मुंबई, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद सुरक्षा चूक की घटना पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को देश को बताना चाहिए की इसमें क्या राजनीति है। लोकसभा और राज्यसभा में सांसद इस बारे में चर्चा चाहते हैं। आपने अपने विरोधी सांसदों को निलंबित कर दिया लेकिन आपकी पार्टी के सांसद जिनकी सिफारिश से ये लोग अंदर आए, उसपर कोई कार्रवाई नहीं की गई। राजनीति हम नहीं कर रहे, राजनीति आपकी तरफ से हो रही है। विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने गुरुवार को मांग की कि गृह मंत्री अमित शाह संसद सुरक्षा उल्लंघन के मुद्दे पर बयान दें और उसके बाद दोनों सदनों में इस मामले पर चर्चा हो। नेता प्रतिपक्ष के कक्ष में आयोजित विपक्षी नेताओं की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। लोक सभा से गुरुवार को पूरे सत्र के लिए निलंबित किए गए सांसदों ने नए संसद भवन के मेन गेट पर प्रदर्शन किया। सोनिया गांधी ने भी मेन गेट पर बैठे निलंबित सांसदों से जाकर मुलाकात की। इसके बाद निलंबित सांसदों के साथ-साथ विपक्षी दलों के तमाम सांसदों ने प्लेकार्ड लहराते हुए संसद भवन परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के पास जाकर प्रदर्शन किया। आपको बता दें कि, विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण शुक्रवार को भी लोक सभा की कार्यवाही नहीं चल पाई। शुक्रवार को जैसे ही सुबह 11 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसद प्लेकार्ड लहराते हुए और नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए। सदन के हालात देखकर पीठासीन सभापति राजेन्द्र अग्रवाल ने कुछ ही सेकंडों के भीतर लोक सभा की कार्यवाही को दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

मक्का के इमाम रखेंगे अयोध्या में मस्जिद की नींव

ताजमहल से खूबसूरत होगा डिजाइन

अयोध्या, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में जहां एक ओर भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो गया है तो वहीं दूसरी तरफ अब मस्जिद के निर्माण की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। अयोध्या में प्रस्तावित भूमि पर बनने वाली 'मोहम्मद बिन अब्दुल्ला' मस्जिद की आधारशिला मक्का के बड़े इमाम के हाथों रखी जाएगी। खबर के मुताबिक 'मोहम्मद बिन अब्दुल्ला' की नींव मक्का स्थित पाक मस्जिद के इमाम ए हरम में नमाज पढ़ाने वाले इमाम रखेंगे। अयोध्या में राम मंदिर केस में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार मुस्लिम पक्ष को मस्जिद बनाने के लिए दूसरी जगह दी गई है। जिसके बाद अयोध्या से

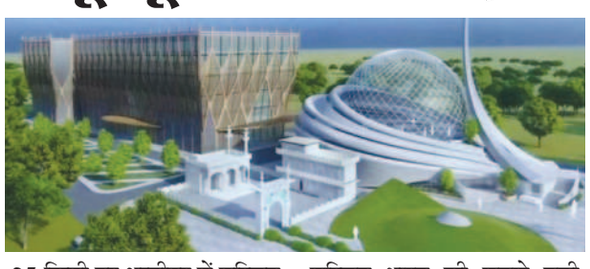

25 किमी दूर धन्नीपुर में मस्जिद निर्माण के लिए भूखंड दिया गया है। जिस पर मस्जिद की आधारशिला रखी जाएगी।

मस्जिद में होगी दुनिया की सबसे बड़ी कुरान

मुंबई के बीजेपी नेता हाजी अराफात शेख को मस्जिद मुहम्मद बिन अब्दुल्ला विकास समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। बीजेपी नेता के मुताबिक अयोध्या में बनने वाले नई मस्जिद भारत की सबसे बड़ी मस्जिद होगी, इसमें दुनिया की सबसे बड़ी कुरान भी होगी। इस कुरान की ऊंचाई 21 फीट और चौड़ाई 36 फीट की होगी। इसी साल अक्टूबर में मुंबई में मौलवियों और फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष जुफर अहमद फारुकी की मौजूदगी में समारोह हुआ था, जिसमें मस्जिद का नाम 'मुहम्मद बिन अब्दुल्ला' रखने का फैसला किया गया था।

ताजमहल से भी ज्यादा खूबसूरत होगी

इस बैठक में मस्जिद का नया डिजाइन भी जारी किया गया है। मस्जिद की चार मीनारें होंगी, जो इस्लाम के पांच स्तंभों कलिंग, नमाज, रोजा, हज की प्रतीक होगी। इस मस्जिद में की जमीन पर 2,000 नमाजियों के लिए सभागार, 300 बेड का चैरिटेबल हॉस्पिटल, 1000 की क्षमता वाला शाकाहारी सामुदायिक भोजनालय और मौलवी अहमद उल्ला शाह के नाम से एक रिसर्च सेंटर का निर्माण होना है। इसके चारों तरफ छायादार वृक्ष भी लगाए जाएंगे। जानकारी के मुताबिक ये मस्जिद ताजमहल से भी ज्यादा खूबसूरत होगी और देश की सबसे बड़ी मस्जिद होगी।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, विधायक फंड 4 करोड़ से बढ़ाकर किया 7 करोड़

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के प्रत्येक विधायक के लिए विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास (एमएलएएलएडी) निधि को चार करोड़ रुपये से बढ़ाकर सात करोड़ रुपये कर दिया गया है। दिल्ली विधानसभा का दो-दिवसीय शीतकालीन सत्र शुक्रवार को सुबह शुरू हुआ। दिल्ली के मंत्री ने सत्र के दौरान यह भी कहा कि बजट 2023-24 के संशोधित अनुमान में 100 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि शेष राशि अगले वित्तीय वर्ष के बजट में आवंटित की जायेगी। एमएलएएलएडी निधि विधायकों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आवंटित की जाती है।

अदालत ने धोनी द्वारा दायर अवमानना मामले में

आईपीएस अधिकारी को सजा सुनाई

चेन्नई, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मद्रास उच्च न्यायालय ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी जी संपत कुमार को पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी द्वारा दायर अदालत की अवमानना के एक मामले में शुक्रवार को 15 दिन के कारावास की सजा सुनाई। हालांकि, न्यायमूर्ति एस एस सुंदर और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की खंडपीठ ने सजा को 30 दिन के लिए निलंबित कर दिया ताकि संपत कुमार को सजा के खिलाफ अपील दायर करने का मौका मिल सके। धोनी ने उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के खिलाफ कथित रूप से अवमानना वाले बयान देने के लिए आईपीएस अधिकारी के खिलाफ अदालत की अवमानना का मामला दर्ज कराया था। धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सट्टेबाजी में अपना

नाम लिए जाने को लेकर 2014 में मानहानि का मुकदमा दायर किया था और 100 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति की मांग की थी। इस मुकदमे पर दायर संपत कुमार के जवाबी हलफनामे में न्यायपालिका के खिलाफ की गई टिप्पणियों के लिए उन्हें दंडित करने की मांग की गई थी।

पब में बेहोश होने के बाद अजनबी के घर खुली नींद, पड़ोसियों से मांगी मदद

बेबस महिला के साथ हुआ सामूहिक दुष्कर्म

बेंगलुरु, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। शुक्रवार को बेंगलुरु से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। दरअसल, यहां एक महिला सॉफ्टवेयर इंजिनियर एक पब में पार्टी करने गई थी, लेकिन जब सुबह उनकी नींद खुली, तो उन्होंने खुद को एक अजनबी के घर पर पाया। इसके बाद उस महिला ने पुलिस में सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह घटना मंगलवार को हुई, जब पीड़िता शहर के कोरमंगला इलाके में पब में गई थी। सूत्रों ने बताया कि उसे बस इतना याद है कि वह बेहोश हो गई थी और अगली सुबह उसकी नींद एक अजनबी के घर पर खुली थी। महिला का दावा है कि उसे अदुगोडी के पास देवगोड़ा लेआउट में ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि जब महिला की नींद खुली तो उसने आसपास के घरों का दरवाजा खटखटा कर मदद मांगी। इसके बाद उन्हीं में से एक पड़ोसी ने पुलिस हेल्पलाइन पर फोन करके पूरी घटना बताई।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

इसके बाद औडुगोडी पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित को बचाया। बाद में, उसे कोरमंगला पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उसने अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, इस घटना में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अंतरिम कुलपतियों के अधिकार के मुद्दे पर बंगाल सरकार व राजभवन के बीच खींचतान

कोलकाता, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में राजभवन और राज्य सचिवालय के बीच ताजा खींचतान बढ़ती दिख रही है, क्योंकि राज्य शिक्षा विभाग राज्य विश्वविद्यालयों में राज्यपाल द्वारा नियुक्त अंतरिम कुलपतियों को सिंडिकेट की कार्य समिति की महत्वपूर्ण बैठकें बुलाने से बार-बार इनकार कर रहा है। राजभवन के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि इस संबंध में राज्य शिक्षा विभाग से बार-बार अनुमति देने से इनकार के बीच, सभी राज्य विश्वविद्यालयों को एक विज्ञप्ति भेज दी गई है, इसमें राज्य सरकार के विभाग के इस तर्क को खारिज कर दिया गया है कि अंतरिम कुलपतियों के पास ऐसी बैठकें बुलाने का अधिकार नहीं है। विज्ञप्ति में, राजभवन के अंदरूनी सूत्रों ने कहा, यह बताया

गया है कि मामले में संबंधित राज्य अधिनियम किसी भी अंतरिम कुलपति को किसी भी राज्य विश्वविद्यालय की नीति-निर्धारण समिति की बैठक बुलाने और संचालित करने के लिए अधिकृत करता है, चाहे वह कार्य समिति हो या सिंडिकेट या सीनेट। राज्य सरकार के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि इस मामले में राज्य सचिवालय और राजभवन के बीच इस बात को लेकर खींचतान सामने आई है कि वास्तव में राज्य विश्वविद्यालयों की नीति-निर्धारण समिति की बैठकें कौन बुला सकता है। एक ओर, उन्होंने बताया, राज्य शिक्षा विभाग का तर्क यह है कि केवल स्थायी कुलपति, अंतरिम नहीं, ऐसी बैठकें बुलाने के लिए अधिकृत हैं। लेकिन गवर्नर हाउस का तर्क यह है कि चूंकि स्थायी और अंतरिम दोनों कुलपतियों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है, राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में, उसे ऐसी बैठकें बुलाने का अधिकार है। इस मामले पर विवाद हाल ही में तब सामने आया जब राज्य के शिक्षा विभाग ने पहले जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) के अंतरिम कुलपति बुद्धदेव साव को कार्य समिति की बैठक बुलाने से इनकार कर दिया और फिर कलकत्ता विश्वविद्यालय में साव की समकक्ष शांता दत्ता को विश्वविद्यालय की सिंडिकेट बैठक बुलाने से मना कर दिया। । सिंडिकेट की बैठक विशेष रूप से महत्वपूर्ण थी क्योंकि इसमें कलकत्ता विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र के तहत 169 कॉलेजों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नई शिक्षा नीति के आलोक में नई परीक्षा प्रणाली की शुरुआत पर कुछ निर्णय लेने थे।

आर्मी स्टेशन के पास हुआ विस्फोट, 1 महीने में सैन्य कैंप के पास तीसरे धमाके से मचा हड़कंप

जोरहाट, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के जोरहाट से एक बड़ी खबर सामने आ रही है यहाँ आर्मी स्टेशन के पास बृहस्पतिवार रात को ब्लास्ट हो गया। हालांकि, विस्फोट हल्की तीव्रता का था। घटना में जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। पुलिस ने बताया, बृहस्पतिवार रात लगभग 8 बजे ये ब्लास्ट हुआ। जोरहाट के लिचुबारी क्षेत्र में सैन्य स्टेशन के गेट के पास ये ब्लास्ट हुआ। इस विस्फोट के पश्चात डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर पुलक महंत और वरिष्ठ पुलिस अफसर मौके पर पहुंच गए और तहकीकात आरम्भ कर दी गई है। क्षेत्र में सुरक्षा को भी बढ़ा दिया गया है। पुलिस आस पास के क्षेत्रों में भी तहकीकात में जुट गई है। वही इससे पहले असम के तिनसुकिया और शिवसागर में ब्लास्ट हुए थे। यूएलएफए(आई) ने रविवार को इन हमलों की जिम्मेदारी ली। 22 नवंबर को तिनसुकिया के डिराक में आर्मी कैंप के पास ग्रेनेड विस्फोट मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले 9 दिसंबर को सीआरपीएफ कैंप के पास ब्लास्ट की आवाज सुनी गई थी। यूएलएफए(आई) के दावे के पश्चात असम डीजीपी ने ट्वीट किया था कि असम पुलिस, सेना एवं सीआरपीएफ के प्रत्येक कर्मी देश की अखंडता तथा संप्रभुता की रक्षा के लिए राष्ट्रीय ध्वज के नीचे शपथ लेते हैं। उन्होंने कहा था, हम अपने प्रदेश के विकास में बाधा डालने वाले आतंकवाद के अवशेषों को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। और इसके लिए, यदि हमें अपना जीवन बलिदान करना पड़े, तो हम संकोच नहीं करेंगे, न ही हम उन लोगों के खिलाफ कानून की पूरी ताकत का उपयोग करने के अपने दृढ़ संकल्प से पीछे हटेंगे।

लोकसभा चुनाव लड़ने के मूड में लालू यादव की लाडली?

रोहिणी आचार्य इस सीट से ठोक सकती हैं दांव!

औरंगाबाद, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की लाडली रोहिणी आचार्य औरंगाबाद के दाउदनगर पहुंचीं। रोहिणी के आते ही राजनीतिक सरगर्मियां एक बार फिर तेज हो गई हैं। उनके द्वारा काराकाट लोकसभा से चुनाव लड़ने की चर्चा भी जोर शोर से होने लगी है। दाउदनगर में उनके कदम पड़ते ही समर्थक जोर-जोर से नारा लगाने लगे। दरअसल, रोहिणी आचार्य की दाउदनगर के हिच्छन बिगहा में ससुराल है। वे अपने ससुर की दसवीं पुण्यतिथि में यहां आईं थीं। इस पुण्यतिथि समारोह में उनके बड़े भाई और मंत्री तेज प्रताप यादव भी शामिल हुए थे। मीडिया के सवाल पर कि चुनाव लड़ेंगी इस पर रोहिणी ने जवाब देने से मना कर दिया, हालांकि दोबारा पूछने पर कहा कि जनता की इच्छा होगी तो लड़ेंगी।

2002 में आयकर अधिकारी के बेटे से हुई थी शादी

बता दें कि वर्ष 2002 में रोहिणी की शादी यहां के निवासी मुंबई के आयकर अधिकारी रहे राव रणविजय के पुत्र समरेश सिंह से हुई थी।

यह गांव उस वर्ष भी चर्चा में रहा था क्योंकि अभी के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने उस वक्त अपने फंड से इनकी ससुराल तक रोहिणी समरेश पथ का निर्माण कर डाला था। बिजली विभाग के अधिकारियों ने भी गांव में बिजली के कई खंभे गाड़ कर मीडिया में सुर्खियां बटोरी थीं। देश-विदेश में इसकी खूब चर्चा हुई थी।

अभी हाल में भी रोहिणी आचार्य ने लालू को अपनी किडनी दान कर बिहार में बेटियों की न सिर्फ आइकन बनीं बल्कि एक पिता के लिए बेटी के महत्व को देश को समझाया। इधर उनके लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना पर जेडीयू में भी हलचल पैदा हो गई है क्योंकि अभी काराकाट के सांसद जेडीयू के महाबली सिंह हैं।

दादा-दादी की घिनौनी करतूत

23 दिन की पोती को 30 हजार रुपए में बेचा, पुलिस ने बिहार से किया गिरफ्तार

कोलकाता, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में शिशु तस्करी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक दंपत्ति ने अपनी 23 दिन की पोती को 30 हजार रुपए में बेच दिया। हालांकि पुलिस ने बच्ची को रेस्क्यू कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि बच्ची को बेचने के बाद दंपति बिहार भाग गए थे। दोनों आरोपियों को बिहार के गया से गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने बच्ची को खरीदने वाली महिला को भी गिरफ्तार किया है। बुधवार को आनंदपुर पुलिस स्टेशन में एक महिला ने अपनी नवजात बच्ची के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि दादा-दादी ने बच्ची को तीस हजार रुपए में बेच दिया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पाकिस्तानी लड़कियों के हनीट्रैप में फंसा था गौरव पाटिल

नौसेना से जुड़ी ढेरों गुप्त जानकारियां की थी साझा

मुंबई, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। हनीट्रैप मामले की जांच के दौरान महाराष्ट्र एटीएस को पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) और गिरफ़्तार आरोपी गौरव अर्जुन पाटिल के बीच 900 चैट मिले हैं। एजेंसी को इन चैट को देखने पर पता चला कि नेवल डॉकयार्ड पर ट्रेनी सिविल अप्रेंटिस का काम करने वाले गौरव पाटिल ने कई संवेदनशील जानकारी साझा की थीं। सूत्रों ने बताया की गौरव पाटिल एक पीआईओ एजेंट के हनी ट्रैप में फंस गया। जिसने फेसबुक पर खुद का नाम पायल एंजेल बताया था।

गौरव को निशाना बनाने के लिए पीआईओ एजेंट ने उसके बारे में जानकारी इकट्ठा की थी। गौरव ने अपने आपको नेवल शिपयार्ड का कर्मचारी बताया था। पीआईओ एजेंट ने उससे नौसेना, जहाजों और युद्धपोतों के संदर्भ में जानकारी इकट्ठा करनी शुरू की थी। सूत्रों ने बताया कि अपनी

बातचीत के दौरान, एंजेल ने डॉकयार्ड जेट्टी पर खड़े युद्धपोतों और पनडुब्बियों के बारे में पूछताछ की। डबल चेक करने के किए एंजेल ने पाटिल को उन युद्धपोतों और पनडुब्बियों की तस्वीरें भेजी और फिर पूछा की क्या ये वही युद्धपोत या पनडुब्बी खड़ी हैं। इसके साथ ही उनके आगमन और शिपयार्ड पर उनके रहने की अवधि के बारे में पूछताछ की। इसके साथ ही गौरव को एक और पीआईओ एजेंट आरती शर्मा ने भी हनी ट्रैप में फंसाया। आरती ने खुद को दुबई की रहने वाली बताया। उसने भी पाटिल से फेसबुक के माध्यम से संपर्क किया और बाद में व्हाट्सएप पर बातें करने लगे। सूत्रों के मुताबिक, गौरव का मानना था कि वह दोनों महिलाओं को डेट कर रहा है और जल्द ही उनसे मिलने की उम्मीद कर रहा था। वह इस बात से अनजान था कि दोनों पीआईओ एजेंट थीं। एटीएस ने जांच में यह भी पाया की ये महिलाएं उसे उपकरणों की तस्वीरें भेजती थीं और क्या वो उपकरण वहां खड़े जहाजों या पनडुब्बियों में लगाया गया है या नहीं इसकी पुष्टि करने को कहा करती थीं। सूत्रों का दावा है कि उन्होंने जेट्टी पर खड़े युद्धपोतों और पनडुब्बियों, उनकी उपस्थिति के पीछे के कारणों, कौन से जहाजों का परीक्षण चल रहा था, और उनके उपकरणों के अपग्रेड से जुड़ी जानकारी भी मांगी। दोनों महिला एजेंटों ने पाटिल की लंबी बातचीत होती थी।

इसके साथ ही पाटिल जो जानकारी दे रहा है वो सही है इसकी पुष्टि करने के लिए दोनों महिलाएं मिलकर काम करती थीं। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करती थीं कि कहीं गौरव किसी एजेंसी के लिए काम करते हुए उन्हें ही (पाकिस्तानी महिला एजेंट) गुमराह तो नहीं कर रहा है। इसलिए एंजेल द्वारा मांगी गई जानकारी कुछ दिनों बाद शर्मा भी मांगती थी।

सूत्रों के मुताबिक, गौरव को नवंबर 2022 में नौसेना डॉकयार्ड में ट्रेनी अप्रेंटिस के रूप में नियुक्त किया गया था और वह मई 2023 से अक्टूबर 2023 के बीच एंजेल और शर्मा के संपर्क में था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 16 दिसंबर, 2023 3

युविचार

मेहनत वो सुनहरी चाबी है,
जो बंद भविष्य के दरवाजे,
भी खोल देती है !

जन शिकायतों को हल करने को प्राथमिकता दें : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को लोगों के सामने आने वाली समस्याओं को तुरंत हल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि वे डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना में आने वाले लोगों को मंत्रियों के कक्षों में अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए विशिष्ट समय और विशेष अनुमति आवंटित करने के लिए एक अध्ययन करें। मुख्यमंत्री ने आज (शुक्रवार) सचिवालय में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मुख्य सचिव शांति कुमारी, डीजीपी रवि गुप्ता, वित्त सचिव टीके श्रीदेवी, स्वास्थ्य सचिव रिजवी, मेडिकल भर्ती बोर्ड सचिव गोपीकांत, हैदराबाद पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी, पुलिस भर्ती सचिव वीवी श्रीनिवास राव, अतिरिक्त सीपी विक्रम सिंह और अन्य ने समीक्षा में भाग लिया। सीएम ने कहा कि हर महीने के पहले सप्ताह में एक या दो दिन गांवों और कस्बों में स्थानीय बैठकों से लोगों की शिकायतों का तुरंत समाधान करने में मदद मिलेगी और फिर लोगों का हैदराबाद आना कम हो जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को हर महीने दो दिन कस्बों और गांवों में बैठकें आयोजित करने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उचित कदम उठाने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि अधिकारियों को ईमानदारी से लोगों की शिकायतों को हल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए और उन्हें हल करने का समय निर्धारित करना चाहिए। सीएम रेवंत ने कहा कि बैठकों से सरकार और जनता के बीच अच्छे संबंध स्थापित करने में मदद मिलेगी। सरकार को सौहार्दपूर्ण माहौल में काम करने का मौका मिलेगा। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि सभी अपीलों और शिकायतों को डिजिटल किया जाए और समय-समय पर लोगों को स्थिति की जानकारी दी जाए।

सीएम के काफिले के वाहन घटे

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को अपने काफिले के व्यस्त सड़कों से गुजरने के दौरान आम लोगों को किसी भी परेशानी से बचने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि काफिले में वाहनों की संख्या पहले ही 15 से घटाकर नौ कर दी गई है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से ट्रैफिक जाम को रोकने और उनके यात्रा मार्गों पर वाहनों के आवागमन को रोकने के लिए वैकल्पिक उपाय करने को कहा है।

'प्रजा वाणी'

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम ने कहा कि प्रजा वाणी को उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने शिकायतें प्राप्त करने के लिए टेबलों की संख्या बढ़ाने और आगंतुकों को सुरक्षित पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने का सुझाव दिया। सीएम ने अधिकारियों को यह भी आदेश दिया कि प्रजा वाणी में लोगों का पूरी सावधानी से स्वागत किया जाए और उन्हें कोई परेशानी न हो। सीएम ने सुझाव दिया कि प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों की सेवाओं का भी उपयोग किया जाना चाहिए।

फ्रांसीसी टीम ने मंत्री श्रीधर बाबू से मुलाकात की

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर स्थित एचसी रोबोटिक्स फ्रांसीसी कंपनी मेरियो के सहयोग से भारतीय सशस्त्र बलों के लिए उन्नत गिंबल्स बनाएगी। फ्रांसीसी कंपनी मेरियो के सीईओ रेमी प्लेनेट के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद में नई प्रौद्योगिकियों के निर्माण की कंपनी की योजनाओं को समझाने के लिए उद्योग और आईटी मंत्री श्रीधर बाबू से मुलाकात की। मंत्री ने इस अनूठी और भारत में इस तरह की पहली परियोजना के लिए सभी समर्थन और मदद का आश्वासन दिया। उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल, जो इस सप्ताह भारत की यात्रा पर है, ने रक्षा मंत्रालय और अन्य रक्षा प्रतिष्ठानों के शीर्ष स्तर के अधिकारियों से मुलाकात की है और एचसी रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ उन्नत गिंबल्स विकसित करने की अपनी योजनाओं पर चर्चा की है। प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, वायु सेना प्रमुख से मुलाकात की, पश्चिमी नौसेना कमान, भारतीय तटरक्षक बल आदि का दौरा किया। एचसी रोबोटिक्स की टीम में सीईओ वेंकट चुंडी और निदेशक डॉ. राधाकिशोर शामिल हैं। फ्रांसीसी टीम में मैथ्यू डेसकोर्स, तकनीकी प्रबंधक और नोएमी लांसिएन, बिक्री प्रबंधक शामिल हैं।

रेल निलयम में पेंशन अदालत आयोजित

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में पेंशन अदालत-2023 का आयोजन किया। किशोर बाबू, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी और मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इसके साथ ही, जोन के सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़, वर्कशॉप और अन्य इकाइयों ने सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए अपने-अपने परिसर में अलग-अलग पेंशन अदालत का आयोजन किया। पेंशन अदालत में बड़ी संख्या में उपस्थित सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपनी शिकायतों के संबंध में अधिकारियों से बातचीत की। अधिकारियों ने पेंशनभोगियों को भविष्य में कोई शिकायत आने पर सूचित करने की सलाह दी, ताकि समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जा सके। सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों ने मुद्दों को हल करने में दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

राज्यपाल का हुआ स्वागत

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, विधान परिषद के अध्यक्ष प्रसाद कुमार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, विधायी मामलों के मंत्री डुडिल्ला श्रीधर बाबू ने राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन का स्वागत किया। वे आज सुबह राज्य विधान सभा को संबोधित करने के लिए पहुंची थी। परिषद के अध्यक्ष सुखेंद्र रेड्डी और विधान सभा अध्यक्ष प्रसाद कुमार राज्यपाल को अध्यक्ष के मंच तक ले गये। राष्ट्रगान के बाद राज्यपाल ने दोनों सदनों को संबोधित किया।

बीआरएस पार्टी ने राज्यपाल के अभिभाषण की निंदा की

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक कडियम श्रीहरि ने आज स्पष्ट किया कि राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों में राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन के संबोधन में कुछ भी नया नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्यपाल को इस बात की समीक्षा करनी चाहिए कि उन्होंने पहले क्या बोला था और अब क्या बोला है। कडियम श्रीहरि राज्यपाल के अभिभाषण के बाद विधानसभा के मीडिया प्वाइंट में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र पढ़ा। यह कहते हुए कि राज्यपाल का भाषण कहता है कि तेलंगाना पिछले दस वर्षों से मंदी में है, उन्होंने कहा कि राज्यपाल भूल गए थे कि राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिले हैं। तेलंगाना चावल उत्पादन में हरियाणा और पंजाब को पछाड़कर पहला राज्य बन गया है। क्या यह सच नहीं है कि प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, श्रीहरि ने कहा कि हैदराबाद ने आईटी उत्पादों और निर्यात में जबरदस्त प्रगति की है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्यपाल झूठ बोल रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा बोलना सही नहीं है जैसे कि सभी लोग अब खुश हैं। दस वर्षों की अवधि में, तेलंगाना के लोगों ने आज़ादी की हवा में सांस ली। लेकिन यह कहना उचित नहीं है कि अब तेलंगाना के लोग आज़ादी की हवा मांग रहे हैं। राज्यपाल का यह कहना सही नहीं है कि तेलंगाना को नजरबंदी से मुक्त कर दिया गया है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के वरिष्ठ संकाय पदोन्नति में अनियमितताओं की जांच करें : एआईएसएफ

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) उस्मानिया विश्वविद्यालय परिषद ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय में वरिष्ठ प्रोफेसरों की पदोन्नति में अनियमितताओं की गहन जांच की मांग की। एआईएसएफ ओयू के अध्यक्ष लेनिन और सचिव नेली सत्या ने "अवैध रूप से" वरिष्ठ प्रोफेसरों को हटाने की मांग की। पदोन्नत हुए और अनियमितताओं में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहते थे। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ प्रोफेसर की पदोन्नति केवल योग्य और योग्य प्रोफेसरों को ही दी जानी चाहिए, उन्होंने कहा कि अब तक 53 प्रोफेसरों ने पदोन्नति के लिए आवेदन किया है और 51 को वरिष्ठ प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया है। यूजीसी के नियमों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक प्रोफेसर वरिष्ठ प्रोफेसर पद के लिए पात्र है यदि उसने यूजीसी केयर लिस्ट, स्कोपस, वेब साइंस जर्नल जैसी शोध पत्रिकाओं में 10 शोध लेख प्रकाशित किए हों, इसके अलावा दो शोध विद्वानों को उनकी देखरेख में पीएचडी से सम्मानित किया जाना चाहिए। लेनिन और सत्या ने आरोप लगाया कि कुछ प्रोफेसरों ने दूसरों द्वारा प्रकाशित शोध लेखों को अपना बताया और नियमों के विरुद्ध पदोन्नति प्राप्त की।

मंत्री ने मिशन भागीरथी के गतिविधियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीआर, आरडी और आरडब्ल्यूएस, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी. अनसूया सीताक्का ने हैदराबाद में मिशन भागीरथ की गतिविधियों की समीक्षा की। मिशन भगीरथ विभाग के मुख्य अभियंताओं सहित अधीक्षण अभियंताओं को गर्मी के दौरान जलभराव रोकने के उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। विभागों के अभियंताओं को ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की दैनिक आधार पर बारीकी से निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि राज्य के हर दूरदराज के गांव को दैनिक जल आपूर्ति मिले। मंत्रियों ने बाद में आयोजित होने वाले मेदाराम मेले के लिए सशस्त्र व्यवस्था करने और इसे सफल बनाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि मेदाराम मेले को लेकर जल्द ही संबंधित विभागों के साथ विशेष बैठक की जायेगी। मंत्री द्वय ने जलाशयों, नदियों आदि जैसे पेयजल स्रोतों के स्तर की लगातार निगरानी करने की सलाह दी और निर्देश दिया। जब भी जलाशयों में पानी का स्तर कम हो, सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए और सिंचाई अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित करनी चाहिए। भागीरथ के महत्व के बारे में ग्रामीण लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए सीई और एसई को गांवों में जागरूकता अभियान की व्यवस्था करने की सलाह दी गई। मुख्य सचिव स्मिता सबरवाल ने मंत्री को मिशन भागीरथ विभाग की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। समीक्षा बैठक में मिशन भगीरथ की सचिव स्मिता सबरवाल, प्रमुख अभियंता कृपाकर रेड्डी सहित मिशन भगीरथ के सभी मुख्य अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं ने भाग लिया।

चिकित्सक ने बेसहारा लड़की आर्थिक मदद की

मदनूर, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल केंद्र के निवाशी समाज सेवक पशु वैद्यकीय अधिकारी विजय बंडीवार ने भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी मदनूर के कहने पर डोंगली मंडल लचमापूर गांव की निवाशी एक बेसहारा गरीब लड़की अनिता के विवाह के लिय आर्थिक सहायता प्रदान की। बेसहारा अनिता के सिर पर माता-पिता साया नहीं है। मदनूर मंडल केंद्र के समाज सेवक डॉक्टर विजय ने लड़की के विवाह के लिय आर्थिक मदद की। इस अवसर डॉ. विजय कुमार बंडीवार, रेड क्रॉस जिला कोषाध्यक्ष दस्तीराम, जिला स्वास्थ्य समन्वयक डॉ. विक्रम कुमार एवं मदनूर मंडल रेड क्रॉस अध्यक्ष प्रकाश के साथ स्थानीक नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर समाज सेवक पशु वैद्यकीय अधिकारी डॉक्टर विजय बंडीवार ने बताया कि बेसहारा लड़की व लड़के के विवाह हो या पढ़ाई के लिय हर दम मैं यथा शक्ति सेवा करने के लिए तैयार हूं।

सिख गुरु तेग बहादुर साहब का शहीदी दिवस कल मनाएंगे

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धर्म की वेदी पर राष्ट्र के लिए गुरु तेग बहादुर साहब के सर्वोच्च बलिदान को चिह्नित करने के लिए, शहर के सिख 17 दिसंबर को उनका शहीदी दिवस मनाएंगे। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, सीताफलमंडी, सिकंदराबाद की प्रबंधक समिति रविवार को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक 'विशाल कीर्तन दरबार' (सामूहिक मण्डली) आयोजित करेगी, जिसके बाद शाम 4.30 बजे 'नगर कीर्तन'' (पवित्र जुलूस) निकाला जाएगा। एस जसविंदर सिंह और प्रबंधक समिति के अन्य समिति सदस्यों को। उन्होंने कहा, ''विशाल कीर्तन दरबार (सामूहिक समागम) 17 दिसंबर को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक नगरपालिका मैदान, चिलकलगुडा, सिकंदराबाद में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम को प्रतिष्ठित रागी जत्थों (धार्मिक उपदेशकों) द्वारा पवित्र गुरबानी कीर्तन (पवित्र भजन) के पाठ से चिह्नित किया जाएगा। शाम को साढ़े चार बजे गुरुद्वारा साहब सीताफलमंडी से पवित्र शोभा यात्रा निकाली जाएगी। गुरु ग्रंथ साहेबजी (सिखों का पवित्र ग्रंथ) को एक सुसज्जित वाहन पर ले जाया जाएगा। कीर्तनी जत्थे (समूह प्रचारक) पूरे जुलूस के दौरान शबद कीर्तन (पवित्र भजन) प्रस्तुत करेंगे।

नादरगुल स्थित एक शाम श्री आईमाताजी के नाम जागरण मे भजन प्रस्तुत करते हुए भंवरलाल भायल। अवसर पर सम्मानित अतिथि अ.भा. सीरवी महासभा अध्यक्ष हरजीराम काग, करमनघाट सीरवी समाज अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल, कोरेमुला सीरवी समाज संरक्षक प्रभुराम परिहारियां, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, आयोजक मंगलाराम, पुनाराम, भंवरलाल, चेतन परिहारियां, हिरालाल सैंणचा, ओमप्रकाश चांदौरा,व समाज बन्धु।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.30236156, दिनांक :05.12.2023

क्रम सं.1: सामग्री विवरण : सोलर ऑल इन वन (All in one) स्ट्रीट लाइट गल्वनाइज्ड ट्यूबलर पोल (Pole) 5 की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण एवं शुरुआत, मात्रा: 70 संख्यक, प्रेषिती (Consignee): सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ELG/श्रीकाकुलम रोड।

क्रम सं.2: सामग्री विवरण : सोलर ऑल इन वन (All in one) स्ट्रीट लाइट गल्वनाइज्ड ट्यूबलर पोल (Pole) 5 की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण एवं शुरुआत, मात्रा: 25 संख्यक, प्रेषिती (Consignee): जूनियर इंजीनियर/ELG/अरकु।

क्रम सं.3: सामग्री विवरण : सोलर ऑल इन वन (All in one) स्ट्रीट लाइट गल्वनाइज्ड ट्यूबलर पोल (Pole) 5 की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण एवं शुरुआत, मात्रा: 90 संख्यक, प्रेषिती (Consignee): सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ELG/विजयनगरम।

क्रम सं.4: सामग्री विवरण : सोलर ऑल इन वन (All in one) स्ट्रीट लाइट गल्वनाइज्ड ट्यूबलर पोल (Pole) 5 की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण एवं शुरुआत, मात्रा: 20 संख्यक, प्रेषिती (Consignee): सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ELG/रायगड़ा।

क्रम सं.5: सामग्री विवरण : सोलर ऑल इन वन (All in one) स्ट्रीट लाइट गल्वनाइज्ड ट्यूबलर पोल (Pole) 5 की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण एवं शुरुआत, मात्रा: 45 संख्यक, प्रेषिती (Consignee): सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ELG/कोरापुट।

क्रम सं.6: सामग्री विवरण : सोलर ऑल इन वन (All in one) स्ट्रीट लाइट गल्वनाइज्ड ट्यूबलर पोल (Pole) 5 की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण एवं शुरुआत, मात्रा: 75 संख्यक, प्रेषिती (Consignee): सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ELG/श्रीकाकुलम रोड।

क्रम सं.7: सामग्री विवरण : सोलर ऑल इन वन (All in one) स्ट्रीट लाइट गल्वनाइज्ड ट्यूबलर पोल (Pole) 5 की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण एवं शुरुआत, मात्रा: 25 संख्यक, प्रेषिती (Consignee): जूनियर इंजीनियर/ELG/अरकु।

क्रम सं.8: सामग्री विवरण : सोलर ऑल इन वन (All in one) स्ट्रीट लाइट गल्वनाइज्ड ट्यूबलर पोल (Pole) 5 की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण एवं शुरुआत, मात्रा: 75 संख्यक, प्रेषिती (Consignee): सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ELG/विजयनगरम।

क्रम सं.9: सामग्री विवरण : सोलर ऑल इन वन (All in one) स्ट्रीट लाइट गल्वनाइज्ड ट्यूबलर पोल (Pole) 5 की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण एवं शुरुआत, मात्रा: 25 संख्यक, प्रेषिती (Consignee): सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ELG/कोरापुट।

TPI एजेन्सी द्वारा निरीक्षण (सभी क्र.सं. हेतु)।

दृष्टव्य : सामग्री 120 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए। आपूर्ति की दर : सिंगल स्टेज (सभी क्र.सं. हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 04.01.2024 को 1500 बजे (सभी क्र.सं. हेतु)।

संपूर्ण विस्तृत विवरण उपलब्ध होंगे www.ireps.gov.in में।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/
PR-881/O/23-24 वाल्टियर

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग सं.CAT-WVM-001

Seq. सं.AA/1: लॉट नं./वर्ग : MSS-WAT-VSKP-WVM-31-23-1 (Misc-Static-Services - Water Vending Machines), विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन में स्टैन्चियॉन नं. 25 एवं 26 के बीच प्लेटफॉर्म नं.1 VZT छोर पर वाटर वेन्डिंग मशीन का परिचालन, संस्थापन एवं रख-रखाव।

Seq. सं.AA/2: लॉट नं./वर्ग : MSS-WAT-VSKP-WVM-32-23-1 (Misc-Static-Services - Water Vending Machines), विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन में स्टैन्चियॉन नं. 18 एवं 19 के बीच प्लेटफॉर्म नं.1 VZT छोर पर 01(एक) संख्यक वाटर वेन्डिंग मशीन का संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव।

Seq. सं.AA/3: लॉट नं./वर्ग : MSS-WAT-VSKP-WVM-33-23-1 (Misc-Static-Services - Water Vending Machines), विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन में स्टैन्चियॉन नं. 16 एवं 17 के बीच प्लेटफॉर्म नं.2&3 विजयनगरम छोर पर 01(एक) संख्यक वाटर वेन्डिंग मशीन का संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव।

Seq. सं.AA/4: लॉट नं./वर्ग : MSS-WAT-VSKP-WVM-34-23-1 (Misc-Static-Services - Water Vending Machines), विवरण: विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन में स्टैन्चियॉन नं. 7 एवं 8 के बीच प्लेटफॉर्म नं.4&5 विजयनगरम छोर पर 01(एक) संख्यक वाटर वेन्डिंग मशीन का संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव।

Seq. सं.AA/5: लॉट नं./वर्ग : MSS-WAT-CHE-WVM-35-23-1 (Misc-Static-Services - Water Vending Machines), विवरण: श्रीकाकुलम रोड रेलवे स्टेशन में स्टैन्चियॉन नं. 12 एवं 13 के बीच प्लेटफॉर्म नं.3&4 में 01(एक) संख्यक वाटर वेन्डिंग मशीन का संस्थापन, परिचालन एवं रख-रखाव।

दर यूनिट : वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (सभी Seq. सं.के लिए), ट्रिप/दिवस : 1827 (सभी Seq. सं.के लिए), लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : दिनांक 21.12.2023 को 1100 बजे (सभी Seq. सं.के लिए), लॉट समाप्त होने की तिथि व समय : दिनांक 21.12.2023 को 1130 बजे (Seq. सं.AA/1 के लिए), 1140 बजे (Seq. सं.AA/2 के लिए), 1150 बजे (Seq. सं.AA/3 के लिए), 1200 बजे (Seq. सं.AA/4 के लिए) एवं 1210 बजे (Seq. सं.AA/5 के लिए), न्यूनतम वृद्धि : 0.2% (सभी Seq. सं.के लिए), लॉट स्थिति : प्रकाशित कैटलॉग में नया (सभी Seq. सं.के लिए)।

विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल वणिज्य प्रबंधक/
PR-882/O/23-24 वाल्टियर

CLASSIFIEDS

चाहिए ड्राईवस

एमकेआर कम्पनि के लिए ड्राईवर्स 4+3 व्हीलर्स लड़के चाहिए, फिल्ड वर्क करने के लिए लड़के चाहिए। सैलरी 12हजार से 14 हजार रुपये, रहना खाना मुफ्त, उम्र 35 वर्ष के भीतर, सिकन्दराबाद फ़ोन : 7989856361, 040--27503331

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

शादियों में लूटने वाला बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

गाजियाबाद, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में पुलिस और बदमाश के बीच गुरुवार देर रात मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया गया। आरोपी के गैंग के अन्य सदस्यो की पुलिस तलाश कर रही है। इस गैंग ने गाजियाबाद के लोनी और उसके आसपास के इलाके में पुलिस को परेशान कर रखा था। गैंग के बदमाश शादी समारोह में लोगों से बैग लूट कर फरार हो जाते थे। गैंग के एक बदमाश के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई है। बदमाश पर दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। गाजियाबाद में एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया की थाना लोनी पुलिस की एक बदमाश से मुठभेड़ हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी की शादी समारोह में लूट करने वाले गैंग का एक बदमाश लोनी आने वाला है। पुलिस चेकिंग कर रही थी, इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक आती दिखाई दी। इसको रोके जाने पर बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पीएम मोदी के गढ़ में नीतीश की रैली रद्द

रैली को लेकर जेडीयू का क्या है प्लान-बी?

पटना, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के मिशन-2024 का शंखनाद करने के अरमानों पर पानी फिर गया है। नीतीश कुमार की 24 सितंबर को वाराणसी के रोहनिया क्षेत्र में होने वाली रैली के लिए जगह न मिलने के चलते रद्द कर दी गई है।

इसे लेकर सियासत शुरू हो गई है।

जेडीयू ने आरोप लगाया कि योगी सरकार के दबाव के चलते कॉलेज प्रशासन ने नीतीश कुमार की रैली के लिए अनुमति नहीं दी है। बीजेपी नहीं चाहती है कि नीतीश कुमार वाराणसी में रैली करें। बीजेपी को डर लग रहा है। वहीं, बीजेपी ने कहा कि तीन राज्यों में बीजेपी की मिली जीत से नीतीश कुमार खुद डर गए हैं और रैली करने से अपने कदम पीछे खींच लिए हैं।

नीतीश कुमार की रैली को नहीं मिली इजाजत

नीतीश कुमार बिहार से बाहर निकल कर यूपी, झारखंड, महाराष्ट्र में रैली करने का प्लान ऐसे ही नहीं बनाया है बल्कि 2024 के चुनाव में खुद विपक्ष के चेहरे को तौर पर स्थापित करने की स्ट्रैटेजी मानी जा रही है। इसीलिए नीतीश ने अपनी रैली पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में करने की योजना बनाई थी। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से मिशन-2024 के शंखनाद कर देश को यह संदेश देना कि वो पीएम मोदी से किसी भी मामले में कम नहीं हैं। जेडीयू के इस मंसूबे पर पानी फिर गया है, क्योंकि जिस कॉलेज ग्राउंड में नीतीश की रैली होने वाली थी, उस कॉलेज के प्रशासन ने जनसभा की अनुमति नहीं दी। ऐसे में अब जेडीयू के पास क्या विकल्प है?

मोदी के बराबर खड़े होने का नीतीश प्लान

पीएम मोदी के गढ़ में नीतीश अपनी पहली सार्वजनिक रैली करके राष्ट्रीय स्तर पर खुद को स्थापित करने की रणनीति है, ताकि समय आने पर विपक्ष खेमे में मजबूती से अपनी दावेदारी पेश कर सके। इसी मद्देनजर उन्होंने पहली चुनावी रैली अपने गृह राज्य बिहार से शुरू करने के बजाय वाराणसी को चुना है। वाराणसी नरेंद्र मोदी का चुनाव क्षेत्र है और यह कुर्मी बहुल है। यहां रैली करने से नीतीश कुमार चर्चा के केंद्र में आ जाएंगे। नीतीश इस रैली से यह भी संदेश देने की कोशिश में थे कि देश के लिए उनका रोडमैप क्या है। ऐसे में रोहनिया की रैली रद्दे होने के बाद भी जेडीयू ने हार नहीं मानी और जनसभा के लिए नई जगह तलाश रही है।

बीजेपी के खिलाफ माहौल बनाने का दांव

जेडीयू नेता श्रवण कुमार ने वाराणसी सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए प्रशासन की अनुमति न मिलने से 24 दिसंबर की रैली भले ही रद्द कर दी गई हो, लेकिन अब रैली के लिए दूसरी नई तारीख तय की जाएगी। नीतीश की रैली की इजाजत न देने की बात को हम जनता के बीच ले जाएंगे और वाराणसी के इलाके में ही नई जगह तलाश कर जल्द ही जनसभा आयोजित की जाएगी। सूत्रों की मानें तो जेडीयू वाराणसी से बाहरी इलाके में नीतीश की रैली के लिए जगह देख रही है। जेडीयू ने अपनी यूपी नेताओं को भी इसके लिए कह दिया है।

जेडीयू ने अभी तक सिर्फ नीतीश कुमार की वाराणसी में ही रैली कराने का प्लान बना रखा था, लेकिन अब इस प्रकरण के बाद पूर्वांचल क्षेत्र में कई रैलियां कराने की रूप रेखा बनाई जा रही है। नीतीश के जरिए पूर्वांचल के कुर्मी समुदाय के वोटों को बीजेपी के पाले से दूर करके विपक्षी खेमे में लाने की रणनीति है। जेडीयू यूपी के अलग-अलग जिलों का दौरा करके नीतीश की रैली के निरस्त करने का आरोप बीजेपी के माथे पर मंढने का है। जेडीयू नेता यह बताने लगा हैं कि बीजेपी नीतीश कुमार की होने वाली रैली से डर गई है, जिसकी वजह से ही अनुमति नहीं मिली।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम मामला

जयाप्रदा ने दी सुप्रीम कोर्ट में ऐसी दलील, लग गई सजा पर रोक

रामपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम मामले में अभिनेत्री और पूर्व सांसद जयाप्रदा को दी गई कारावास की सजा के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है। ट्रायल कोर्ट ने जया प्रदा को छह महीने की सजा सुनाई थी। ज्याप्रदा ने सजा पर रोक लगाने की अर्जी सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी। पूर्व में जिसे निचली अदालत और फिर मद्रास हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। उन्होंने उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने चेन्नई की सत्र अदालत में लंबित मामले का फैसला आने तक आदेश पर रोक लगा दी है। जयाप्रदा की तरफ से दलील दी गई कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम के योगदान से संबंधित मामलों में चेन्नई में ट्रायल कोर्ट द्वारा पारित सजा आदेश पेटेंट संबंधी कमजोरियों से प्रभावित है, लिहाजा उनकी छह महीने की सजा सजा पर रोक लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ उनकी अपील की लंबित अवधि के दौरान सजा पर रोक लगा दी। वर्तमान में मामला सत्र न्यायाधीश, चेन्नई के समक्ष लंबित है। विशेष रूप से दोषी ठहराए जाने के बाद जयाप्रदा ने दोषसिद्धि के खिलाफ अपील दायर की थी। साथ ही सजा को निलंबित करने की मांग की, जिसे पहले सत्र न्यायालय चेन्नई और फिर मद्रास हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। जया प्रदा को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगा दी।

प्रमोशन के 7 साल बाद 144 समीक्षा अधिकारियों का चयन वर्ष बदलने पर स्टे, इलाहाबाद कोर्ट से रोक की वजह क्या है?

लखनऊ, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रमोशन के सात साल बाद 144 समीक्षा अधिकारियों का चयन वर्ष बदलकर तैयार की गई वरिष्ठता सूची पर हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने रोक लगा दी है। सचिवालय प्रशासन विभाग द्वारा चयन वर्ष बदलने के फैसले के खिलाफ प्रभावित कर्मचारी कोर्ट गए थे। उन्होंने 11 अगस्त 2022 को जारी वरिष्ठता सूची में फेरबदल को चुनौती दी थी। सचिवालय कंप्यूटर एवं सहायक समीक्षा अधिकारी संघ के पूर्व उपाध्यक्ष संजीव सिन्हा ने बताया कि बदली वरिष्ठता सूची 10 अगस्त 2023 को जारी की गई थी। कोर्ट के आदेश के बाद अब अंतिम फैसला आने तक यह निष्प्रभावी रहेगी। सचिवालय में पदोन्नति के पदों में से आधे विभागीय और आधे आयोग के होते हैं। वरिष्ठता क्रमांक में पहला नंबर विभागीय का जबकि दूसरा नंबर आयोग से आए कर्मचारियों का लगता है। यह क्रम जारी रहता है। एक जुलाई से चयन वर्ष बदल जाता है। चयन वर्ष 2015-16 के प्रमोशन 30 जून 2016 तक फाइनल हो जाने चाहिए थे, लेकिन विभाग ने प्रमोशन में देर की। कर्मचारियों ने हंगामा किया तब 30 जून 2016 को डीपीसी करवाई गई और रिजल्ट 13 जुलाई को आया। हालांकि विभाग ने कमिटी की सिफारिश पर चयन वर्ष 2015-16 दिया था। सात साल बाद विभाग ने इसे गलत बताया और चयन वर्ष 2016-17 कर दिया था।

गाजियाबाद स्थित बैंक्वेट हॉल में वेटर की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, मालिक पर लगा हत्या का आरोप

गाजियाबाद, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद मेंसिहानी गेट थाना क्षेत्र के आरके बैंक्वेट हॉल में शाम एक वेटर की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई. उसका शव बैंक्वेट हॉल के कमरे में मिला. सूचना मिलने पर मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे और बैंक्वेट हॉल के मालिक पर हत्या का आरोप लगाया. इतना ही नहीं, आक्रोशित परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया. इसके बाद रात करीब सवा 11 बजे पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया. साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया, तब जाकर वे माने.

यूपी की महिला जज की चिट्ठी पर एक्शन में सुप्रीम कोर्ट

सीजेआई चंद्रचूड़ ने उठाया यह कदम

बांदा, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बांदा की महिला जज की वायरल चिट्ठी का सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है। बांदा की महिला जज की चिट्ठी पर सुप्रीम कोर्ट ने दखल दिया है और सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, बांदा जिले की महिला सिविल जज ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ से अपना जीवन समाप्त करने की अनुमति मांगी है। इस संबंध में उन्होंने एक पत्र भेजा है, जिसमें जिला जज द्वारा यौन उत्पीड़न करने का गंभीर आरोप भी लगाया है। सूत्रों के मुताबिक, देर रात चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट के सेकेट्री जनरल अतुल एम कुरहेकर को इलाहाबाद हाईकोरट् प्रशासन से स्टेटस रिपोर्ट मांगने को कहा। एसजी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिखकर महिला जज द्वारा दी गई सारी शिकायतों की जानकारी मांगी है। साथ ही शिकायत से निपटने वाली आंतरिक शिकायत समिति के समक्ष कार्यवाही की स्थिति के बारे में पूछा है। बता दें कि महिला जज की चिट्ठी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने यह कदम उठाया है। जानकारी के मुताबिक, सीजेआई चंद्रचूड़ के निर्देश पर उनके कार्यालय ने इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से शिकायत की वर्तमान स्थिति की जानकारी भेजने को कहा है। हालांकि ये भी जानकारी मिली है कि हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने भी महिला जज के खुले पत्र का संज्ञान लिया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 13 दिसंबर को महिला जज की याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट का कहना था कि अंदरूनी कमेटी इस मामले को देख रही है, लिहाजा इसमें दखल देने का कोई कारण नजर नहीं आता।

यूपी की महिला जज की चिट्ठी में क्या है

यूपी की महिला जज ने सीजेआई चंद्रचूड़ को लिखे खत में आग्रह किया है कि उन्हें इच्छामृत्यु की अनुमति दी जाए। खत में कहा गया है कि एक जिला जज द्वारा उसका यौन उत्पीड़न किया गया। महिला जज का आरोप है कि बाराबंकी में तैनाती के दौरान जिला जज द्वारा शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी गई। वे महिला जज को रात में मिलने को कहते हैं। महिला जज का कहना है कि इस बारे में उन्होंने कई बार शिकायत की थी, मगर अब तक उनकी शिकायत पर कोई सुनवाई नहीं हुई है। इससे निराश होकर उसने मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजा है।

आलू के बोरों के नीचे थी 50 लाख की अवैध शराब, पंजाब से समस्तीपुर हो रही थी तस्करी

मुजफ्फरपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में सरैया थाना क्षेत्र में पंजाब से आ रहे ट्रक पर 400 कार्टून अवैध शराब को पुलिस ने जब्त किया है. जब्त की हुई शराब की कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी जा रही है. बताया जा रहा है कि कारोबारियों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जाएगी. ट्रक में 180 एमएल के 100 कार्टन, 375 एमएल के 100 कार्टन एवं 750 एमएल के 200 कार्टन शराब थी. पुलिस ने बताया कि तस्कर आलू की आड़ में शराब की तस्करी कर रहे थे. ट्रक पर लदे आलू के बोरों के नीचे करीब 400 कार्टन शराब छुपाकर ले जाई जा रही थी. एसडीपीओ सरैया चंदन कुमार ने बताया कि शराब को रेवाघाट के रास्ते आने की गुप्त सूचना मिली थी. शराब की खेप को पंजाब से लाकर ट्रक से समस्तीपुर ले जाया जा रहा था.

बिहार में इन महापुरुषों की जयंती पर छुट्टी नहीं राजभवन से विश्वविद्यालय का कैलेंडर जारी

पटना, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के आदेश पर राजभवन से विश्वविद्यालय और कॉलेजों में छुट्टियों के लिए साल 2024 का कैलेंडर जारी कर दिया गया है। बिहार के शिक्षा विभाग की तरह विश्वविद्यालय के कैलेंडर में भी छुट्टियों की कटौती की गई है। इस बार बिहार के कॉलेजों में 89 दिनों की छुट्टी होगी जबकि 2023 में 92 दिन की छुट्टी थी।

दो अक्टूबर को बंद रहेंगे कॉलेज

कैलेंडर के अनुसार कुल तीन दिनों की छुट्टी में कटौती की गई है। इनमें महत्वपूर्ण बात यह है कि कई महापुरुषों की जयंती पर 2024 में छुट्टी नहीं दी गई है। 14 नवंबर बाल दिवस यानी जवाहरलाल नेहरू की जयंती और 3 दिसंबर को होने वाले डॉ। राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर भी कॉलेज खुले रहेंगे।

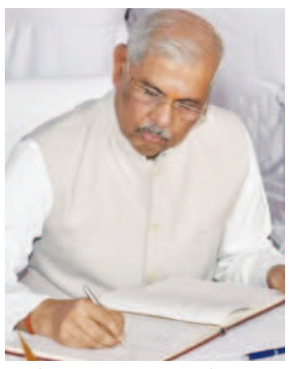

इसके अलावा 2024 में कर्पूरी ठाकुर, बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह और अनुग्रह नारायण सिंह की जयंती पर भी कॉलेज खुले रहेंगे। 2023 में इन महापुरुषों की जयंती पर छुट्टी दी गई थी। हालांकि लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती की छुट्टी 11 अक्टूबर को दी गई है, लेकिन यह छुट्टी 10 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक दुर्गा पूजा की छुट्टी में शामिल है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर 2 अक्टूबर को कॉलेज बंद रहेंगे। बता दें कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के कैलेंडर के लिए 30 नवंबर को तीन कुलपतियों की कमेटी का गठन हुआ था। इसमें पटना विश्वविद्यालय,पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय और मुंगेर विश्वविद्यालय के तीनों कुलपतियों को शामिल किया गया था। तीनों की सहमति से कॉलेज में अवकाश की रिपोर्ट को राजभवन को सौंपा गया जिस पर विचार विमर्श करने के बाद राज्यपाल विश्वनाथ आर्लेकर के आदेश पर राजभवन सचिवालय से 2024 का कैलेंडर जारी किया गया है।

किस-किस दिन रहेगी छुट्टी?

बिहार के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय की कुल छुट्टी 89 दिनों की होगी। इनमें 77 दिनों की अतिरिक्त छुट्टी और 12 रविवार शामिल हैं। 77 अतिरिक्त छुट्टी में 30 दिन गर्मी की छुट्टी होगी। इसके बाद लंबी छुट्टी 10 दिनों की दीपावली और छठ के लिए 31 अक्टूबर से 9 नवंबर तक रहेगी। क्रिसमस के लिए 24 दिसंबर से 31 दिसंबर तक आठ दिनों की छुट्टी रहेगी।

इसके अलावा होली के लिए 24 से 27 मार्च और दुर्गा पूजा के लिए 10 से 13 अक्टूबर तक चार-चार दिनों की छुट्टी रहेगी। वहीं मुस्लिम के त्योहारों में ईद के लिए 11 और 12 अप्रैल जबकि मुहर्रम के लिए 17 और 18 जून को दो-दो दिनों की छुट्टी रहेगी। कैलेंडर में निर्देश दिया गया है कि चांद निकलने पर त्योहारों की गिनती होती है उस अनुसार छुट्टी में फेरबदल भी हो सकता है। गर्मी की 30 दिनों की छुट्टी प्रोफेसर और छात्र-छात्राओं के लिए होगी जबकि कॉलेज कार्यालय कर्मचारियों के लिए या छुट्टी नहीं रहेगी।

पहले दिखाई पिस्तौल, बेहोश होने पर पानी भी पिलाया. बदमाशों ने ऐसे डाली लाखों की डकैती

दरभंगा, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा में बीती शाम 6 बदमाशों में हथियार के बल पर एक दुकान पर लूट की वारदात को अंजाम दिया. बदमाश ग्रहक बनकर दुकान पर गए और सामान दिखाने को कहा. फिर मौका मिलते ही दुकानदार पर पिस्तौल तानकर शटर बंद कर दिया. इसके बाद करीब 8 लाख रुपये की डकैती कर फरार हो गए. यह घटना बहेड़ा थाना इलाके के फरदाहा गांव में बीती शाम तकरीबन आठ बजे के आसपास हुई. छह अपराधी अशोक इंटरप्राइजेज नाम की दूकान पर ग्राहक बनकर आए और दुकानदार अशोक महतो से सामान दिखाने के लिए बातचीत शुरू की. मौका मिलते ही अपराधियों पिस्टल के बल पर अशोक को बंधक बनाया और लूट की वारदात को अंजाम दिया. लूट की यह घटना दुकान में सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की.

आईपीएस आदित्य कुमार को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत, शराब मामले में बुरी तरह फंसे थे अधिकारी

पटना, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। गया के तत्कालीन एसएसपी आदित्य कुमार को पटना हाईकोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए जिले के फतेहपुर थाना में उनके खिलाफ शराबबंदी से जुड़े मामले में दर्ज एफआइआर पर लिए गए संज्ञान को समाप्त करने का आदेश दिया है। न्यायाधीश सत्यव्रत वर्मा की एकलपीठ ने इस मामले पर सुनवाई की थी। फिलहाल वे एक अन्य मामले में जेल में बंद हैं।

यह है मामला

वरीय अधिवक्ता एसडी संजय ने बताया कि मामला गया जिले में फतेहपुर थाना से संबंधित है। मार्च 2021 में संजय कुमार वहां के थानेदार थे। गश्ती दल द्वारा एक बोरे में अवैध शराब बरामद की गई थी। इसके बाद 26 मार्च 2021 को पुलिस ने एक सेंट्रो कार में रखी हुई करीब डेढ़ सौ लीटर शराब की खेप जब्त की, लेकिन दोनों ही मामले सिर्फ स्टेशन डायरी में दर्ज हुए। इसकी जब्ती सूची नहीं बनी। प्राथमिकी भी दर्ज नहीं हुई। हालांकि पुलिस मुख्यालय को भेजी गई एक रिपोर्ट के आधार पर फतेहपुर थाना में एक साल बाद 28 मई 2022 को थाना कांड संख्या 312/2022 दर्ज कराई गई थी। इस मामले में तत्कालीन एसएसपी आदित्य कुमार और सब इंस्पेक्टर संजय कुमार को नामजद किया गया था। फतेहपुर के इस केस में आदित्य कुमार को हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिल चुकी थी। वरीय अधिवक्ता एसडी संजय ने हाईकोर्ट के समक्ष आदित्य का पक्ष रखते हुए कहा कि आदित्य कुमार के ऊपर कोई केस नहीं बनता था। थानेदार एवं एसएसपी के बीच पांच पद और होते हैं जैसे इंस्पेक्टर, डीएसपी, सिटी एसपी, एसपी और उसके ऊपर एसएसपी होते हैं। उनके ऊपर आइजी। अगर इस मामले में केवल थानेदार और एसएसपी को शामिल किया गया है तो आइजी को भी शामिल किया जाना चाहिए था । शराबबंदी कानून की धारा 51 एवं 52 के तहत उनके खिलाफ कोई केस नहीं बनता है। गौरतलब है कि शराब कांड को खत्म कराने के लिए आदित्य कुमार पर पटना हाई कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस के नाम पर राज्य के पूर्व डीजीपी संजीव कुमार सिंघल को वाट्सएप काल करने का आरोप लगा था। इस मामले में पूर्व डीजीपी के बयान पर ही आर्थिक अपराध इकाई ने पिछले साल प्राथमिकी की थी। जिसके बाद कुछ महीनों तक गिरफ्तारी के डर से आदित्य फरार रहे। निचली अदालत, हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आदित्य कुमार ने पांच दिसंबर को पटना के कोर्ट में सरेंडर किया था।

पीसीएस अफसर ज्योति मौर्या का तबादला, बरेली से लखनऊ भेजी गईं; इस मामले में गिरी गाज

बरेली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बरेली के देवरनियां में बार-बार पेराई ठप होने और किसानों की शिकायत को लेकर चर्चा में रहने वाली सेमीखेड़ा चीनी मिल की जीएम ज्योति मौर्या का तबादला कर दिया गया है। उन्हें चीनी मिल के लखनऊ मुख्यालय भेजा गया है। सेमीखेड़ा चीनी मिल के जीएम पद पर सदाब असलम को तैनाती दी गई है। अभी तक उन्होंने कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। पेराई सत्र शुरू होने के बाद से सेमीखेड़ा चीनी मिल चर्चा में बनी हुई है। 19 नवंबर को पटला पूजन होने के बाद भी चीनी मिल में पेराई शुरू नहीं हो सकी। किसानों ने आंदोलन की चेतावनी दी। इसके बाद 28 नवंबर से पेराई शुरू हुई। पूरी क्षमता पर फिर भी मिल नहीं चल सकी।

तकनीकी खामी की वजह से आए दिन चीनी मिल में पेराई ठप होती रही। इस वजह से किसान परेशान थे। गन्ना सट्टा बंद करने का आरोप लगाते हुए क्षेत्र के कई किसानों ने गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह से भी शिकायत की थी। पिछले सोमवार को चीनी मिल का निरीक्षण करने पहुंचे डीएम ने जीएम की फटकार भी लगाई थी। बार-बार चीनी मिल बंद होने से किसानों को होने वाली परेशानी का मुद्दा अमर उजाला ने उठाया था। भुगतान देरी से मिलने, तौल न होने, गन्ना सट्टा बंद होने की खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसके बाद जीएम ज्योति मौर्या का तबादला कर दिया गया है। शनिवार तक नए जीएम के कार्यभार संभालने की बात कही जा रही है।

मथुरा कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले पर बोले ओवैसी

ये विवाद दशकों पहले सुलझा लिया गया था

प्रयागराज, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर की अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण कराने की मांग वाली याचिका स्वीकार कर ली है। अदालत इस सर्वेक्षण की निगरानी के लिए एक अधिवक्ता आयुक्त की नियुक्ति पर सहमत हो गई है। अब इसको लेकर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मथुरा मंदिर-मस्जिद विवाद दशकों पहले मस्जिद समिति और मंदिर के ट्रस्ट के बीच आपसी

सहमति से सुलझा लिया गया था। ओवैसी का यह बयान कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के पास स्थित शाही ईदगाह परिसर का अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण कराने की अनुमति देने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद आया। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए ओवैसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में किसी का नाम लिए बिना कहा, ''एक नया समूह इन विवादों को उठा रहा है। चाहे वह काशी हो, मथुरा हो या लखनऊ की टीले वाली मस्जिद, यह एक ही समूह है।'' हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा, ''उपासना स्थल अधिनियम अब भी लागू कानून है। लेकिन इस समूह ने कानून और न्यायिक प्रक्रिया का मजाक बना दिया है। हाई कोर्ट को इस मामले पर 9 जनवरी को सुनवाई करनी थी, तो ऐसी क्या जल्दी थी कि सर्वेक्षण का आदेश देना पड़ा।'' उन्होंने कहा कि मथुरा मंदिर-मस्जिद विवाद दशकों पहले मस्जिद समिति और मंदिर के ट्रस्ट के बीच आपसी सहमति से सुलझा लिया गया था। कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मुद्दे पर आदेश दूसरा मंदिर-मस्जिद विवाद है जिसमें हाईकोर्ट ने पिछले महीनों में एक सर्वेक्षण को अपनी मंजूरी दी है। मथुरा कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में याचिकाकर्ताओं का दावा है कि ऐसे संकेत मिले हैं जो बताते हैं कि यह कभी एक हिंदू मंदिर था। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत ने कहा कि 18 दिसंबर को अगली सुनवाई में सर्वेक्षण के तौर-तरीकों पर चर्चा की जाएगी।

पुल की रेलिंग तोड़ खाई में पलटी रोडवेज बस; दो की मौत और 18 घायल

बलरामपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग तुलसीपुर स्थित लौकहवा गांव के पास सुबह करीब 5.30 बजे यात्रियों से भरी रोडवेज बस पुल की रेलिंग तोड़कर नीचे खाई में पलट गई। दुर्घटना में पचपेड़वा के औरहवा गांव निवासी 22 वर्षीय दिलीप प्रजापति पुत्र संतोष कुमार समेत दो यात्रियों की मौत हो गई। चालक संतोष कुमार सैनी व परिचालक मऊ निवासी सूरज व नेपाली यात्री समेत 18 लोग घायल हुए हैं। घायलों को जिला मेमोरियल अस्पताल व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर में भर्ती कराया गया है। चालक संतोष की हालत नाजुक होने पर बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। बलरामपुर डिपो की बस संख्या यूपी 47 टी 2648 रात करीब 11 बजे कैसरबाग लखनऊ से बढ़नी के लिए चली थी। सुबह करीब पांच बजे बलरामपुर में यात्रियों को उतारने के बाद बस बढ़नी ने के लिए निकली।

युवक ने की अयोध्या राम मंदिर के पुजारी के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट; मातगुवां थाने में दर्ज हुआ मामला

छतरपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या के निर्माणाधीन राम मंदिर के पुजारी मोहित पाण्डेय के विरुद्ध सोशल मीडिया पर गलत और आपत्तिजनक जानकारी पोस्ट करने वाले एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। हिन्दू संगठन से जुड़े एक नेता की शिकायत पर युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला मातगुवां थाने से जुड़ा है। एएसपी विक्रम सिंह ने बताया कि छतरपुर के राकेश अरजरिया ने मातगुवां थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है कि थाना क्षेत्र में रहने वाले रमेश कुशवाहा ने सोशल मीडिया पर अयोध्या मंदिर के पुजारी मोहित पाण्डेय के विरुद्ध आपत्तिजनक पोस्ट डाली है। यह पोस्ट न सिर्फ असत्य है, बल्कि इससे मोहित पाण्डेय की छवि खराब करते हुए हिन्दू धर्म को मानने वाले लोगों को आहत किया गया है। इस शिकायत की पुष्टि करने पर पुलिस ने आरोपी रमेश कुशवाहा के विरुद्ध धारा 153ए, 505, 67ए के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

'लोगों को एक-दूसरे के राय को लेकर रखनी चाहिए सहनशीलता'

विदाई समारोह में बोले जस्टिस संजय किशन कौशल

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने शुक्रवार को कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहनशीलता कम हो रही है, तो ऐसे में लोगों को एक-दूसरे की राय के प्रति सहिष्णुता रखनी चाहिए। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्य दिवस के आखिरी दिन पर न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि एक न्यायाधीश की निर्भीकता एक बहुत महत्वपूर्ण कारक है और बार का यह कर्तव्य है कि वह न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा करे। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में छह साल और 10 महीने से अधिक समय के कार्यकाल के बाद 25 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

18 दिसंबर से शीतकालीन अवकाश के लिए बंद रहेगा सुप्रीम कोर्ट

मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट 18 दिसंबर से शीतकालीन अवकाश पर रहेगा और दोबारा 2 जनवरी को खुलेगा। औपचारिक पीठ का नेतृत्व करने वाले मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति कौल के साथ अपनी कुछ बीती बातों को याद किया। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, जस्टिस कौल और मैं 70 के दशक में पहुंच गए हैं। हम कॉलेज में एक साथ थे और मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है कि हम एक-दूसरे के साथ इस मंच को साझा कर रहे हैं, चाहे वह पुट्टास्वामी (गोपनीयता का अधिकार) मामला हो, चाहे वह विवाह समानता का मामला हो, हाल ही में अनुच्छेद 370 का मामला ही क्यों न हो।

जस्टिस कौल ने साझा किया अपना अनुभव

जस्टिस कौल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बिना किसी डर या पक्षपात के न्याय किया है और उन्हें लगता है कि न्याय का मंदिर खुली रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि एक न्यायाधीश की निर्भीकता एक बहुत महत्वपूर्ण कारक है। अगर हमारे पास मौजूद संवैधानिक संरक्षण के साथ प्रदर्शित करने में सक्षम नहीं हैं, तो हम प्रशासन के अन्य हिस्सों से ऐसा करने की उम्मीद नहीं कर सकते। न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि ऐसी कोई विधि नहीं है, जिसके द्वारा न्यायपालिका अपने लिए खड़ी हो सके और मुझे लगता है कि यह बार का कर्तव्य है कि वह समर्थन करे और न्यायपालिका को सही भी करे। न्यायमूर्ति कौल ने कहा, अब समय आ गया है कि मानव प्रजाति एक-दूसरे के साथ रहना और इस दुनिया की अन्य प्रजातियों के साथ रहना सीखे, ताकि वे इसके साथ तालमेल बिठा सकें। साथ ही, उन्होंने बार के सदस्यों को धन्यवाद किया, जो उन्हें विदाई देने के लिए अदालत में एकत्र हुए थे।

कई ऐतिहासिक फैसलों का रहे हिस्सा

शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, न्यायमूर्ति कौल कई ऐतिहासिक फैसलों का हिस्सा थे, जिसमें नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ का फैसला भी शामिल था, जिसमें कहा गया था कि निजता का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। वह पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ का हिस्सा थे, जिसने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को सर्वसम्मति से बरकरार रखा था। वह पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ का भी हिस्सा थे, जिसने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था। न्यायमूर्ति कौल की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को उच्च मुआवजा देने के लिए यूनियन कार्बाइड कॉरपोरेशन की उत्तराधिकारी कंपनियों से अतिरिक्त 7,844 करोड़ रुपये की मांग करने वाली केंद्र की उपचारात्मक याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें 3,000 से अधिक लोग मारे गए थे। वह पांच-न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ का भी नेतृत्व कर रहे थे, जिसने माना था कि शीर्ष अदालत को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपरिवर्तनीय टूटने के आधार पर विवाह को भंग करने के लिए दी गई पूर्ण शक्ति का प्रयोग करने का विवेक है और उसे छूट देने का अधिकार है। आपसी सहमति से तलाक देते समय हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत 6 महीने की प्रतीक्षा अवधि अनिवार्य है।

कैसा रहा उनका कार्यकाल?

26 दिसंबर, 1958 को जन्मे, उन्होंने 1982 में कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की और 15 जुलाई, 1982 को बार काउंसिल ऑफ दिल्ली में एक वकील के रूप में नामांकित हुए। उन्हें दिसंबर 1999 में एक वरिष्ठ वकील के रूप में नामित किया गया था। न्यायमूर्ति कौल को 3 मई 2001 को दिल्ली उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था और 2 मई 2003 को उन्हें स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें 1 जून, 2013 से पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और बाद में, 26 जुलाई, 2014 को मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला। जस्टिस कौल को 17 फरवरी, 2017 को सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में नियुक्त किया गया था।

कर्नाटक से पाक को किए गए सैटेलाइट फोन कॉल हुए ट्रैक

यादगीर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के यादगिर जिले के एक गांव से सैटेलाइट फोन के जरिए पाकिस्तान को की गई कॉल को केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने फिर से ट्रैक किया है। यह कॉल 17 सितंबर को सुबह करीब 3 बजे शेलागी गांव के एक खेत से की गई थी। सूत्रों ने बताया कि खुफिया एजेंसियों को यह जानकारी 19 सितंबर को मिली और जीपीएस के जरिए उसे ट्रैक कर उस स्थान का दौरा किया। यह कॉल कल्याण-कर्नाटक मुक्ति दिवस के दिन चीन निर्मित सैटेलाइट फोन से की गई थी। अधिकारियों ने पहले 2021 में यादगिर जिले के हेदागिमुद्रा गांव से पाकिस्तान में एक सैटेलाइट फोन कॉल को ट्रैक किया था। खुफिया एजेंसियों ने पाया कि मोस्ट वांटेड आतंकी तत्वों ने 2014 में यादगीर में शरण ली थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने तब यादगिर का दौरा किया था। सूत्र बताते हैं कि स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) से जुड़ा आतंकवादी शेख मेहबूब उर्फ गुड्डू ने मध्य प्रदेश के खंडवा की एक जेल से भागने के बाद यादगिर में शरण ली थी।

अपात्र होने पर लाड़ली बहना योजना का लाभ लिया तो होगी कार्रवाई!, सरकार ने 15 दिन का समय दिया

भोपाल, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मार्च 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना की शुरुआत की थी। 15 मार्च के बाद योजना के फॉर्म भरना शुरू हुए। इसमें पहले एक हजार रुपए और बाद में 1250 रुपए लाड़ली बहनों को दिए जा रहे है। इसमें महिलाओं से नियम शर्तों के अनुसार स्वेच्छा से स्वप्रमाणित आवेदन भरवाए गए। जिसमें करीब 1.31 करोड़ महिलाओं को योजना का लाभ दिया जा रहा है। इसमें कई आंगनवाड़ी सहायिका, कार्यकर्ता, समस्त अध्यक्षक/सचिव स्व सहायका समूह के सदस्य भी योजना का लाभ ले रहे हैं। इसको लेकर कार्यालय परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सागर ग्रामीण-2 की तरफ से आदेश जारी कर उनको योजना के लाभ का परित्याग करने के निर्देश दिए गए है। 15 दिवस में ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

शासन से नहीं जारी हुए कोई निर्देश

हालांकि शासन की तरफ से लाड़ली बहना योजना का अपात्र लोगों के लाभ लेने पर कोई कार्रवाई करने संबंधी कोई निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। एक अधिकारी ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि लाभ ले रहे लोगों को परित्याग करने का विकल्प दिया गया है। वह स्वेच्छा से योजना का परित्याग कर सकते है। सागर के सामने आए आदेश में शासन के किसी पत्र का भी उल्लेख नहीं है।

यह है प्रमुख शर्तें

लाड़ली बहना योजना की पात्रता के लिए शर्तें है कि इनकम टैक्स के दायरें में ना आते हो, संयुक्त परिवार में पांच एकड़ से ज्यादा जमीन ना हो, परिवार में कोई भी एक व्यक्ति सरकारी नौकरी में नहीं हो, चार पहिया वाहन ट्रेक्टर को छोड़कर ना हो, पूर्व सांसद-विधायक, पंचायत सदस्यों की पत्नी ना हो।

इंसाफ: आठ साल के बच्चे की हत्या में दोषी तांत्रिक को उम्रकैद हत्यारे ने चाकू से निकाली दी थी आंख

जम्मू, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। तंत्र-मंत्र के लिए आठ वर्ष के बच्चे की हत्या करने वाले तांत्रिक को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही मृतक के परिवार को डेढ़ लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश जारी किया है। दस वर्ष पुराने इस मामले को सुनकर तब हर किसी की रूह कांप उठी थी। खंदवाल गांव के रहने वाले तिलक राज ने तंत्र विद्या के लिए बच्चे का दराती से गला काट दिया था। फिर चाकू से उसकी दाहिनी आंख निकालकर तवी नदी में फेंक दी। प्रधान सत्र न्यायाधीश जम्मू संजय परिहार ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि यह भयावह अपराध है। ऐसे मामलों की गंभीरता को कम नहीं आंका जा सकता। आठ वर्षीय बच्चे की मौत निर्विवाद रूप से भयानक है।

शख्स ने प्रेमिका को अपनी कार से उड़ाया, फिर सड़क पर छोड़कर भागे; दोस्तों की सलाह पर किया कांड

ठाणे, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। ठाणे के घोड़बंदर रोड पर स्थित ओवला परिसर में अश्वजीत गायकवाड़ नाम के शख्स पर आरोप है कि उसने अपने ही प्रेमिका प्रिया सिंह को कार से उड़ाया है। इस घटना में प्रिया सिंह को गंभीर रुप से चेहरे और कुछ अन्य जगहों पर गंभीर चोटे आई हैं। प्रिया का आरोप है कि अश्वजीत गायकवाड़ ने अपने दोस्तों की सलाह पर ये काम किया है। फिलहाल प्रिया सिंह का इलाज नज़दीकी प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। बता दें कि अश्वजीत गायकवाड़ एमएसआरडीसी (महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम) के संचालक अनिल गायकवाड़ के बेटे हैं।

पहले मारपीट की फिर रेंज रोवर डिफेंडर से कुचला

पीड़ित प्रिया सिंह घोड़बंदर में रहती हैं। प्रिया काफी उच्च शिक्षा प्राप्त हैं और अपने घर में वो अकेली कमानी वाली हैं। जानकारी मिली है कि अश्वजीत गायकवाड़ ने सोमवार को ठाणे के घोडबंदर रोड पर स्थित ओवला परिसर में पहले प्रिया से मारपीट की और उसके हाथों को भी काटा। इसके बाद सुबह 4:30 बजे के करीब प्रिया को अपनी रेंज रोवर डिफेंडर कार से कुचलकर घायल कर दिया।

अश्वजीत ने दोस्तों से ली थी सलाह

प्रिया सिंह का आरोप है कि अश्वजीत गायकवाड़ ने अपने दोस्तों से उसे उड़ाने की सलाह ली थी। अश्वजीत गायकवाड़ के दोस्त रोमिल पाटिल और सागर शेलके ने ये सलाह दी थी। इसके बाद अश्वजीत गायकवाड़ ने प्रिया सिंह से पहले मारपीट की। फिर उसके हाथों पर काटने के बाद उसे गाड़ी से उड़ा दिया और उसी हालत में प्रिया सिंह को वहां छोड़कर फरार हो गया। पीड़ित प्रिया सिंह ने यह सारी बातें अपने इंस्टाग्राम आईडी से पोस्ट करते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

तीन दिन बाद भी खुला घूम रहा आरोपी

सोमवार की सुबह अश्वजीत गायकवाड़ अपने प्रेमिका प्रिया सिंह को अपनी ही कार से उड़ा देता है और उसे उसी हालत में वहां छोड़कर फरार हो जाता है। लेकिन इस वारदात को 3 दिन बीत जाने के बावजूद भी कासारवडवली पुलिस स्टेशन द्वारा सिर्फ एफआईआर दाखिल की गई है, लेकिन कासारवडवली पुलिस ने अब तक एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है।

आरोपी के ऊंचे राजनीतिक संबंध

आपको बता दें अश्वजीत गायकवाड़ एमएसआरडीसी के संचालक अनिल गायकवाड़ के बेटे हैं और एमएसआरडीसी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास है। ऐसा बताया जा रहा है कि अनिल गायकवाड़ के ऊंचे राजनीतिक संबंध होने की वजह से अब तक पुलिस कोई भी कार्रवाई नहीं कर रही है। आरोप है कि पुलिस ने अब तक आरोपी को थाने बुलाकर पूछताछ तक नहीं की है।

प्रिया सिंह पर एफआईआर वापस लेने का दबाव

प्रिया सिंह ने बताया कि अश्वजीत गायकवाड़ और उसके दोस्तों ने उसकी जो हालात की है, उसके बाद कासारवडवली पुलिस स्टेशन में जो एफआईआर दर्ज करवाई है, उसे वापस लेने के लिए लगातार प्रिया पर दबाव बनाया जा रहा है और अश्वजीत गायकवाड़ के दोनों ही मित्र रोमिल पाटिल और सुनील शेल्के अस्पताल के चक्कर लगा रहे हैं और धमका रहे हैं कि वह एफआईआर वापस ले ले।

कर्नाटक: बस में लगी आग, यात्री सुरक्षित

विजयपुरा, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में बेंगलुरु से विजयपुरा आ रही बस में शुक्रवार को सुबह आग लग गई लेकिन यात्री समय रहते बस से उतर गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना विजयपुरा के बाहरी इलाके हिट्टनहल्ली गांव में हुई जिसमें बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने बताया कि चालक ने बस में धुआं देखा जिसके बाद सभी यात्री अपना सामान छोड़कर बस से नीचे उतर गए। बस देखते ही देखते आग की लपटों से घिर गई। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

कर्नाटक में डीआरडीओ के युवा वैज्ञानिक ने की खुदकुशी, दो महीने पहले नौकरी से दिया था इस्तीफा

बेंगलूरू, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्टनाक में एक युवा वैज्ञानिक ने अपने घर में खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि हैदराबाद में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) में कार्यरत एक वैज्ञानिक भरत ने दक्षिण कन्नड़ जिले में अपने घर पर आत्महत्या कर ली। मृतक वैज्ञानिक भरत की उम्र महज 24 साल थी। वो पिछले दो महीने से अस्थायी आधार पर डीआरडीओ में काम कर रहे थे। भरत ने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था और एक सप्ताह पहले अपने गांव आर्यपु लौट आए थे। हालांकि पुलिस ने ये भी साफ किया है कि डीआरडीओ में उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया था। बुधवार को अपने नियोक्ता का फोन आने के बाद वैज्ञानिक ने यह कदम उठाया। देर रात उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली।

परिवारवालों को इसकी जानकारी अगले दिन हुई। पुत्तूर ग्रामीण पुलिस स्टेशन में खुदकुशी के इस मामले में केस दर्ज किया गया है। इस युवा वैज्ञानिक ने खुदकुशी क्यों की है ये अभी साफ नहीं हो पाया है। उसने हाल ही में जूनियर सांइटिस्ट के तौर पर डीआरडीओ के हैदराबाद ब्रांच में ज्वाइन किया था और दो महीने पहले इस्तीफा दे दे दिया था। बता दें कि ऐसी ही एक घटना इसी साल फरवरी महीने में हुई थी। 38 साल के एक वैज्ञानिक ने हैदराबाद में खुदकुशी कर ली थी। उस वैज्ञानिक की पहचान बी रमेश के रुप में हुई थी। परिवार के लोगों ने उसे फंदे से लटका हुआ पाया था। परिवार के लोगों ने कहा था कि वो आर्थिक समस्या का सामना कर रहा था और भारी कर्ज में डूबा हुआ था।

दिल्ली-यूपी समेत इन राज्यों में बढ़ेगी ठंड, अमृतसर में विजिबिलिटी 0, 5 राज्यों में बारिश तो कई जगह पर बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत समेत देश के कई राज्यों के मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। जहां उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी और कोहरा पड़ रही है वहीं, दक्षिण भारत के कुछ जगहों पर बारिश हो रही है। उधर, पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। पूर्वोत्तर के राज्यों में कोहरे से जनजीवन पर असर पड़ा है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तरी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान 5-10 सेल्सियस दर्ज किया गया। इन जगहों पर सुबह कोहरा भी देखा जा रहा है। आईएमडी ने बताया कि इन जगहों पर 20 दिसंबर तक मौसम ऐसा ही रहेगा। पश्चिमी यूपी, हरियाणा-पंजाब और चंडीगढ़ में तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री नीचे रह सकता है। सुबह-शाम कोहरा पड़ेगा। दिन में मौसम साफ रहेगा। मौसम विभाग ने शुक्रवार सुबह बताया कि पंजाब के अलग-अलग हिस्सों में बहुत घना कोहरा देखा गया और उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, मेघालय और त्रिपुरा के अलग-अलग हिस्सों में मध्यम कोहरा देखा गया। शुक्रवार सुबह साढ़े पांच बजे अमृतसर-0, पटियाला-500; यूपी के घूरपुर-200, लखनऊ और वाराणसी-500, पूर्णिया-200,गुवाहाटी-200, त्रिपुरा के कैलाशहर-500 मीटर विजिबिलिटी था। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान तमिलनाडु, केरल, दक्षिण कर्नाटक के इलाके, लक्ष्यद्वीप और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 16 और 17 दिसंबर को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद में बारिश और बर्फबारी का अनुमान लगाया है। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी की वजह से भीषण ठंड पड़ रही है। इसके अलावा देश के अन्य भागों में मौसम सामान्य रहेगा। बारिश की संभावना नहीं है।

आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित करने को लेकर मायावती पर हमलावर हुए चंद्रशेखर आजाद

लखनऊ, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व की भीम आर्मी और अब की आजाद समाज पार्टी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद ने बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की मुखिया मायावती पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि अब बहन जी राजनीतिक रूप से कमजोर हो गईं हैं। इसके साथ ही आजाद ने आकाश आनंद को मायावती का उत्तराधिकारी घोषित किए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। यूट्यूब चैनल यूपी तक के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, "उनकी घर की पार्टी है और ये घर का निर्णय है। पार्टी के नेता ने परिवार के सदस्य को आगे बढ़ाने का काम किया है। फिर जनता को तय करना है। अगर किसी ने परिवार के पक्ष में फैसला ले लिया है तो मेरी शिकायत नहीं है लेकिन उनके पहले के बयान को देखते हुए उनका निर्णय ठीक नहीं है। उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य पर आरोप लगाया कि वो अपने बेटा बेटी के लिए टिकट मांग रहे थे तो आपने क्या किया।" आजाद समाज पार्टी के संस्थापक ने आगे कहा, "स्वामी प्रसाद तो सिर्फ अपने बेटा बेटी के लिए टिकट मांग रहे थे लेकिन आपने तो अपनी विचारधारा बदलकर परिवार के लोगों को स्थापित ही कर दिया। ये निर्णय बहुजन समाज पार्टी में कितनी निराशा पैदा करेगा। वो कहती हैं कि मैंने ये जिम्मेदारी इसलिए दी क्योंकि आनंद मोहन विश्वासपात्र इंसान हैं तो इसका मतलब ये हुआ कि पार्टी में आपको किसी और पर विश्वास ही नहीं है।" चंद्रशेखर आजाद ने सवाल करते हुए कहा, "बहुजन समाज पार्टी में काशीराम ने इतने नेता तैयार किए खुद बहन जी को भी उन्होंने ही तैयार किया लेकिन बहन जी समाज में एक भी नेता तैयार नहीं कर पाईं जिसको जिम्मेदारी दे सकती थीं। उन्होंने तो काशीराम के आदर्शों को तिलांजलि दे दी। एक नेता का कमिटमेंट उसको आगे भी बढ़ाता है और उसको कमजोर भी करता है।

निखिल गुप्ता ने प्रत्यर्पण के खिलाफ एससी में दायर की याचिका

यूएस में पन्नू की हत्या की साजिश के लगे थे आरोप

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता ने अपने परिवार के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। निखिल गुप्ता ने अपनी गिरफ्तारी और चेक गणराज्य में चल रही प्रत्यर्पण कार्यवाही के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। निखिल की याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हुई। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यह विदेश मंत्रालय के लिए संवेदनशील मामला है। यह उन्हें तय करना है। हमें देर रात फाइल मिली। हम विवरण में नहीं गये हैं। मामले की अगली अगली सुनवाई 4 जनवरी को होगी।

'हर बात का जवाब देंगे अमित शाह'

संसद की सुरक्षा में सेंध को लेकर विपक्ष की मांग पर बोले गिरिराज सिंह

पटना, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की सुरक्षा में सेंधमारी को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हो रहा है और विपक्ष लगातार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहा है। इसको लेकर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के दिग्गज नेता गिरिराज सिंह ने कहा है कि समय आने दीजिए वो हर एक चीज का जवाब देंगे। विपक्ष के लोग तो संसद को गिरवी रखना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, टुकड़े-टुकड़े गैंग गृह मंत्री से जवाब मांग रहा है। जांच पूरी होने दीजिए, टुकड़े-टुकड़े गैंग को करारा जवाब मिलेगा। इसके अलावा पटना में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, टीएमसी और कांग्रेस वाले संसद नहीं चलने देना चाहते हैं। यह टूलकिट है सब सच सामने आयेगा। समय आने दीजिए हर एक बात का जवाब अमित शाह देंगे। ये संसद को एक तरह से गिरवी रखना चाहते हैं। आतंकवादी और उग्रवादी का कोई जात नहीं होता है। वहीं बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा, डूब मरो कांग्रेसियों 11 अप्रैल 1974 में पिस्तौल के साथ घुसने वाले शख़्स की कहानी,भाजपा/जनसंघ या तत्कालीन विपक्ष ने इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाया। लोकसभा अध्यक्ष का इस्तीफा नहीं मांगा? प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का तो जिक्र तक नहीं किया, क्योंकि संसद की सुरक्षा केवल लोकसभा सचिवालय का है।

क्या अंजू बनने वाली है नसरुल्लाह के बच्चे की मां, जवाब में केवल मुस्कुरा दी

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। 34 वर्षीय भारतीय महिला अंजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर जिसे मित्र बनाया, उससे शादी करने के लिए पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के एक दूरदराज गांव में पहुंची थी। 25 जुलाई को इस्लाम धर्म अपनाने और नसरुल्लाह से शादी के बाद अंजू का नाम बदलकर फातिमा कर दिया गया था। अंजू ने 29 वर्षीय नसरुल्लाह से निकाह किया था, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। अंजू के पाकिस्तान जाने के बाद उनकी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। लेकिन करीब छह माह तक पाकिस्तान में रहने के बाद अंजू वापस भारत लौट आई हैं। यहां आने के बाद अंजू ने खुद को लेकर तमाम सवालों के जवाब एक यूट्यूब चैनल को इंटरव्यू में दिए। इंटरव्यू में अंजू से उनकी प्रेगनेंसी को लेकर सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि क्या वह नसरुल्लाह के बच्चे की मां बनने वाली हैं, इसके जवाब में अंजू मुस्कुरा दीं। उन्होंने सिर्फ यही कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है। अंजू अपने वकील जेएस सरोहा के साथ इस इंटरव्यू में शामिल हुई थीं। 29 नवंबर को भारत लौटी अंजू ने कहा कि उनकी अपने पति और बच्चों से नियमित रूप से बातचीत हो रही है। हालांकि उन्होंने इस बात का कोई जवाब नहीं किया कि उनकी परिवार के साथ मुलाकात हुई है या नहीं। अंजू ने पति अरविंद से तलाक लेने की बात का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। अंजू ने अपनी गिरफ्तारी की आशंकाओं को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जाने, वहां रहने और वापस आने की प्रक्रिया में किसी तरह के कानून का उल्लंघन नहीं किया है। दरअसल, नसरुल्लाह से निकाह करने के से पहले अंजू ऊर्फ फातिमा की शादी राजस्थान के रहने वाले अरविंद से हुई थी, जिससे उनके दो बच्चे हैं। एक 15 साल की बेटी है और एक 6 साल का बेटा है। पिछले महीने नसरुल्लाह ने कहा था कि अंजू उर्फ फातिमा मानसिक तौर पर परेशान हैं और वह अपने दोनों बच्चों से मिलने के लिए बेताब हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 16 दिसंबर - 2023

भारत का मानवीय रुख

इजराइल और गाजा में चल रहे हिंसक युद्ध को अब आगे न बढ़ने की जरूरत पूरी दुनिया महसूस कर रही है। ऐसे में तत्काल युद्धविराम की आवश्यकता पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में बुधवार को एक प्रस्ताव लाया गया। इसके पक्ष में वोट देकर भारत ने अहम कूटनीतिक संदेश दिया है, लेकिन संतुलन बनाए रखने की अपनी नीति नहीं छोड़ी है। इससे भारत का मानवीय रुख भी उजागर होता है। इस युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय जनमत कैसा रूप ले रहा है इसका अंदाजा संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव पर हुई वोटिंग के आंकड़ों से ही चल जाता है। जनमत में कुल 153 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया और 23 वोटिंग से अलग रहे। अमेरिका और इस्राइल सहित कुल 10 ही देश ऐसे रहे जिनका वोट प्रस्ताव के खिलाफ पड़ा। बता दें कि सात अक्टूबर से शुरू हुई इस जंग में यह पहला मौका है जब भारत ने युद्धविराम के किसी प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया है। भारत के इस फैसले ने बहुतों को चौंका दिया, लेकिन युद्ध में जान-माल का जैसा नुकसान हो रहा है और मानवाधिकारों की जैसी धज्जियां उड़ रही हैं, उनके मद्देनजर तत्काल युद्धविराम की जरूरत से तो किसी को इनकार नहीं करना चाहिए। भारत भी इसी पक्ष का हामी रहा है। हमास के हमलों में अब तक 1200 इस्राइली मारे जा चुके हैं और हजारों घायल हुए हैं। दूसरी ओर गाजा में 18000 फिलस्तीनियों को भी मौत के घाट उतार दिया गया है। यह भी सही है कि सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के विपरीत संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव कानूनी तौर पर बाध्यकारी नहीं होते, इसलिए इस प्रस्ताव के पारित होने से जमीनी हकीकत में तत्काल किसी बदलाव की उम्मीद करना नाइंसाफी होगी। इसके बावजूद प्रस्ताव के पक्ष में एकजुट देशों की बढ़ती संख्या और भारत जैसे देशों का भी छूटता साथ एक ऐसी बात है जिसे अधिक समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकेगा। खुद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी वोटिंग शुरू होने के ऐन पहले चेतावनी दी कि गाजा पर जिस तरह से अंधाधुंध बम बरसाए जा रहे हैं, उससे इजराइल तेजी से अंतरराष्ट्रीय समर्थन खोता जा रहा है। इससे पहले भी अमेरिका कह चुका है कि इजराइल को गाजा में मानवाधिकारों के उल्लंघन से बचने के लिए आगे बढ़ कर प्रयास करना चाहिए। पहली नजर में ऐसा लग सकता है कि प्रस्ताव के पक्ष में वोट देकर भारत ने अपने रुख में बदलाव किया है, लेकिन बारीकी से देखें तो प्रस्ताव का समर्थन करते हुए भी भारत ने संतुलन का बराबर ध्यान रखा है। इसका सबूत यह है कि इजराइल ने भी संयुक्त राष्ट्र के इस प्रस्ताव पर तो नाखुशी जाहिर की, लेकिन भारत के रुख की यह कहते हुए तारीफ कर डाली है कि उसने इस पर प्रस्तावित दोनों संशोधनों का समर्थन किया। यह बात अलग है कि दोनों संशोधन नामंजूर हो गए।

संसद पर हमला और सफेदपोश नक्सली

इष्ट देव सांकृत्यायन

आप खेत की सुरक्षा के लिए चाहे कितने इंतजाम कर लें, चूहे घुस ही जाते हैं और वे आपकी बड़ी मेहनत से उगाई गई फसल का एक हिस्सा चुरा ही लेंगे। उनको पकड़ने के लिए जमीन के ऊपर किए गए आपके जतन किसी काम नहीं आते और जमीन के नीचे आप जो कुछ भी कर सकते हैं, वे उससे और गहराई में जा सकते हैं। बिलकुल यही बात अभी संसद में हुई है। अराजक तत्त्वों ने साल भर रेकी करके सुरक्षा-व्यवस्था में एक मामूली खामी तलाशी और उसका फायदा उठाकर देश की सुरक्षा-व्यवस्था को दुनिया भर में बदनाम कर दिया हालाँकि यह कोई पहली बार नहीं हुआ। पहली बार यह हुआ था 13 दिसंबर 2001 को और दूसरी बार फिर 13 दिसंबर 2023 को, पहले वाली घटना की ही 22वीं बरसी पर। यह केवल संयोग नहीं है कि पहले भी ऐसी घटना तभी घटी जब केंद्र में भाजपा नीत सरकार थी और अब भी तभी हुई जब भाजपा नीत सरकार है। सोचने की बात है कि जिस कांग्रेस के समय में दीवाली जैसे त्योहार पर दिल्ली के बाजारों को कई बार दहलाया गया, मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित होटल को आतंक का अड्डा बना दिया गया और जाँच के नाम पर केवल अपने राजनैतिक विरोधियों को फँसाने का खेल खेला जाता रहा, पंजाब और कश्मीर जैसे मेधावान प्रांतों को इस शांतिपूर्ण देश के भीतर ट्रबल्ड एरिया बना दिया गया; तब संसद में या उसके आसपास ऐसा कुछ क्यों नहीं हुआ? कांग्रेस और वामपंथियों की दुरभिसंधि अब किसी से छिपी नहीं है। सन 2004 से 2009 तक जब देश में जरूरी चीजों की महँगाई और बेकारी ने दुनिया भर के सारे ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ डाले, तब उन्हीं कामरेड लोगों के साथ मिलकर कांग्रेस देश की सरकार चला रही थी जिनके आँसू गरीब जनता के लिए दिन-रात इतने बहते रहते हैं कि गंगा-जमुना की बाढ़ भी फीकी लगने लगती है। तब इन लोगों को कहीं कोई गरीब भूख या बेकारी से मरता हुआ नहीं दिखा। इन्हें सारी समस्याएँ अब दिखाई देती हैं। यह कोई पहली बार नहीं था। वास्तव में ऐसा ही हमेशा रहा है। पहले ये लोग मौखिक रूप से हमेशा कांग्रेस के खिलाफ दिखाई देते थे, लेकिन इनका वह बोलना कभी भी मूलभूत मुद्दों पर नहीं होता था। यह कुल मिलाकर अंग्रेजी की एक कहावत बीटिंग अराउंड द बुश जैसा मामला था। वास्तव में ये लोग कांग्रेस के हमेशा साथ थे। आजादी के पहले भारत के बँटवारे और कश्मीर को अलग-थलग करने से लेकर बार-बार गृहयुद्ध जैसे हालात पैदा करने तक में। आज कम्युनिस्ट भगत सिंह की विरासत के दावेदार हैं लेकिन भगत सिंह जिनकी विरासत के हिस्से थे, उन कुँवर सिंह, मंगल पांडे, तात्या टोपे, शचींद्र नाथ सान्याल, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ, चंद्रशेखर आजाद, यशपाल... से इन्हें एलर्जी है। इस सेलेक्टिव अप्रोच के कुछ बड़े ठोस कारण हैं। इस कांड में भी शहीद-ए-आजम भगत सिंह के नाम का दुरुपयोग एक आभासी ग्रुप बनाकर किया गया। भगत सिंह का परिवार मूलतः आर्य समाजी था। स्वयं भगत सिंह का उपनयन संस्कार हुआ था और वे काफी दिनों तक जनेऊ पहनते रहे। इस तथ्य को ये उनकी बाद की उस निबंधात्मक रचना से ढक ले जाते हैं जिसका शीर्षक है 'मैं नास्तिक क्यों हूँ', लेकिन अशफाक का मुसलमान होकर आर्यसमाजियों से करीबी रिश्ते और इसके बाद भी नियमित नमाज-रोजा पचाना उनके लिए बड़ा मुश्किल था। शचीन दा का गीता प्रेम, रामप्रसाद का आर्यसमाज प्रेम और चंद्रशेखर का सनातन प्रेम उनके लिए कँटीली हड्डी की तरह है जिसे वे किसी तरह निगल नहीं सकते। यशपाल वैचारिक रूप से भले सच्चे कम्युनिस्ट रहे हों लेकिन उन्हें पचाना इनके लिए संभव नहीं रह गया। कम्युनिस्ट का सिर्फ वैचारिक कम्युनिस्ट होना भारतीय कम्युनिस्टों के लिए काफी नहीं होता। अलबत्ता किसी का ईमानदारी से कम्युनिस्ट होना उनके लिए अजीर्ण का कारण हो जाता है। भारतीय कम्युनिस्ट के लिए जरूरी है कि वह बौद्धिक स्तर पर उस वैचारिक कांग्रेसी उच्छिष्ट का वास्तविक कुली हो जिसकी वे अभी हाल तक हर मंच से बहुत सधी हुई निंदा करते देखे जाते थे।

क्या मुख्यमंत्री मोहन यादव योगी के पदचिन्हों पर चलेंगे ?

अशोक भाटिया

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कार्यभार संभालते ही अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पहले धार्मिक स्थलों पर लाउड स्पीकर और खुले में मांस की बिक्री पर बैन लगाकर और अब भाजपा कार्यकर्ता पर हमला करने वाले आरोपी के घर बुलडोजर चलाकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संकेत दे दिए हैं। मोहन यादव कहीं न कहीं उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पदचिन्हों पर चलते दिख रहे हैं।राजधानी भोपाल में आरोपी फारूक राइन के घर पर ये बुलडोजर चलाया गया है। मोहन यादव ने बीते दिन ही मध्यप्रदेश के 19वे मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली और एक दिन बाद ही मुख्यमंत्री मोहन यादव एक्शन में आ गए और भाजपा कार्यकर्ता पर ये जानलेवा हमला करने वाले आरोपी फारुखी राईन के घर पर बुलडोजर चलवा दिया। आरोपी का निवास अतिक्रमण कर तैयार किया गया था और उसने नगर निगम के नियमों का उल्लंघन कर ये घर तैयार कराया था। आरोपी फारुखी राइन का घर भोपाल के 11 नंबर स्थित जनता कॉलोनी में बना था । वहां पर बुलडोजर के जरिए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई चली । मुख्यमंत्री मोहन यादव इस कार्रवाई के जरिए संदेश दे रहे हैं कि अब राजधानी भोपाल हो या मध्यप्रदेश का कोई अन्य शहर ,गुंडागर्दी नहीं चलेगी। इसी के साथ मीट की ग़ैरकानूनी दुकानों या खुले में मीट या अंडे बेचने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है और इसके खिलाफ़ नई सरकार 'कड़ा कैंपेन' चला रही है। "आदेश के मुताबिक बिना अनुमति के मांस-मछली की बिक्री नहीं की जा सकेगी।नगझर क्षेत्र में खुले में मांस बेचने वाली 10 दुकानों पर कार्रवाई की गई है व उन्हें तोड़ भी दिया गया है । मोहन यादव जिस तरह से फैसले ले रहे हैं, उसे लेकर लोग उन पर कट्टर हिंदुत्ववादी एजेंडे पर चलने का अंदेशा जता रहे हैं। लोग मुख्यमंत्री मोहन यादव के हर एक फैसले को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रभावित होना बता रहे हैं। इस बात का एक उदाहरण यह भी है कि बुधवार को जब उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, उसके बाद सबसे पहले सीधे उज्जैन पहुंचे और बाबा महाकाल के दरबार में विधिवत पूजा-अर्चना की। बाद में मुख्यमंत्री यादव वापस भोपाल लौटे और सचिवालय में अपने दफ्तर में प्रवेश से पहले पूजा की। उसके बाद कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लेकर अपने इरादे भी साफ कर दिए हैं। मोहन यादव ने कैबिनेट की पहली बैठक में ही सनातन की तरफ आगे बढ़ने के संकेत दे दिए हैं। उल्लेखनीय है कि मंत्रालय में काम संभालने के तत्काल बाद उन्होंने धार्मिक स्थलों तथा अन्य स्थलों में अनियमित अथवा अनियंत्रित ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने संबंधी दिशा-निर्देश जारी किया। सरकारी दिशा-निर्देश के मुताबिक, लाउडस्पीकर एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के नियम विरुद्ध तेज आवाज में बिना अनुमति के उपयोग को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। राज्य शासन द्वारा प्रदूषण तथा लाउडस्पीकर आदि के अवैधानिक उपयोग की जांच के लिए सभी जिलों में उड़न दस्तों के गठन का निर्णय लिया गया है। बता दें कि उड़नदस्ते धार्मिक और सार्वजनिक स्थलों में अचानक निरीक्षण करेंगे। दिशा-निर्देश के मुताबिक, नियमों के उल्लंघन की स्थिति में उड़नदस्ते अधिकतम तीन दिवस में समुचित जांच कर प्रतिवेदन संबंधित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेंगे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक धर्मगुरुओं से संवाद व समन्वय के आधार पर लाउडस्पीकरों को हटाने की कोशिश की जाएगी। साथ ही ऐसे धार्मिक स्थलों की सूची तैयार की जाएगी जहां पर सरकारी नियमों की अवहेलना हो रही है। मालूम हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में ये फैसले पहले ही लागू कर चुके हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा लिए गए फैसलों में एक निर्णय उत्तर प्रदेश स्थित अयोध्या में जाने वाले श्रद्धालुओं को लेकर भी था। मध्य प्रदेश सरकार राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत करेगी। मोहन यादव ने बुधवार को राजधानी भोपाल में यह घोषणा की ।अयोध्या में बन रहे राम मंदिर को लेकर योगी सरकार जमकर तैयारियां कर रही है। अगले महीने यानी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या स्थित राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देशभर की शख्सियतें पहुंचेंगी। कई श्रद्धालु भी इस अवसर पर अयोध्या पहुंचेंगे। ऐसे में मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि इस अवसर पर मध्य प्रदेश से कई श्रद्धालु अयोध्या आएंगे और वहां जाने वाले श्रद्धालुओं का माथे पर तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। बता दें कि मोहन यादव को 41 वर्ष की मेहनत के बाद मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला है। मोहन यादव 2013 में पहली बार विधायक बनें। इस बाद साल 2018 में एक बार फिर भाजपा ने उनपर भरोसा जताया और उन्होंने इस भरोसे को सही साबित करते हुए एक बार फिर से जीत हासिल की। उज्जैन दक्षिण से विधायक रहे मोहन यादव को साल 2020 में भी मंत्री पद मिला। मोहन यादव एक ऐसे नेता हैं जिनकी गिनती मध्य प्रदेश के अमीर नेताओं में की जाती है। इसके अलावा जहां तक अवैध मदरसे बंद करने की बात है तो यह संघ और भाजपा का एजेंडा है। सरकार इन्हें हर हाल में बंद करके रहेगी क्योंकि भाजपा जानती है कि मुस्लिम समाज का वोट उन्हें नहीं मिलने वाला है। इसलिए अपने कोर वोट बैंक को एकजुट रखने के लिए वह इस तरह की कार्रवाई समय समय पर करती रहेगी ताकि उसका वोटबैंक एकजुट रहे। 2018 के चुनाव में जो भटकाव आया था और कांग्रेस पार्टी को जो बढ़त हासिल हुई थी, वह 2023 के चुनाव में नहीं मिले।उत्तरप्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार आने के बाद राज्य में मदरसों को लेकर सख्त फैसले लिए गए थे जिसके चलते फर्जी और अवैध रूप से चलने वाले मदरसों को बंद करने की कार्रवाई भी शामिल थी। अब मध्य प्रदेश सरकार राज्य में गलत तरीके या अवैध रूप से चलने वाले मदरसों पर कार्रवाई शुरू करने कर सकती है। बताया जाता है कि सरकार जो मदरसे नियमों से हिसाब से ठीक नहीं हैं, उन्हें बंद करवा सकती है । प्रदेश के कई ऐसे मदरसे हैं जो सिर्फ कागजों पर चल रहे हैं। साथ ही कुछ ऐसे भी हैं जिनमें एक कमरे में टेबल और बोर्ड लगाकर संचालन किया जा रहा है। सरकार ने गैर मान्यता प्राप्त और कागजों पर चलने वाले फर्जी मदरसों को जल्द बंद कराने का मन बना लिया है और इसमें दोषी पाए जाने वाले लोगों पर कार्रवाई भी हो सकती है । एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में अभी लगभग 7700 से ज्यादा रजिस्टर्ड मदरसे हैं लेकिन बाल आयोग द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद दर्जनों मदरसे ऐसे थे जहां नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था। कई मदरसे नियम के मुताबिक संचालित होते हुए नहीं पाए गए। मध्य प्रदेश मदरसा बोर्ड के अधीन मदरसों की संख्या हजारों में है और इसके साथ ही सरकार द्वारा मदरसों में शिक्षकों को नियुक्ति के आधार पर अनुदान राशि मिलने का भी प्रावधान है। कांग्रेस का कहना है कि मदरसे अवैध नहीं हैं। जानबूझकर मदरसों को टारगेट किया जा रहा है। जनता का ध्यान भटकाया जा रहा है। बाल अधिकार संरक्षण आयोग की रिपोर्ट गलत है। वो जानबूझ मदरसों को टारगेट कर रहे हैं।व्यक्तिगत जीवन में मोहन यादव, योगी से अलग है । योगी बाबा है और कुछ ही सम्पति के मालिक है ।एमएलसी चुने जाने के समय उनकी संपत्ति 95.98 लाख रुपए थी जो अब बढ़कर 1.54 करोड़ हो गई है। पिछले लोकसभा चुनाव 2014 में सांसद रहते हुए योगी की संपत्ति 72.17 लाख रुपए थी। शुक्रवार को दाखिल पर्चे के साथ दिए गए शपथ पत्र के मुताबिक मुख्यमंत्री के पास दो असलहे भी हैं परन्तु साल 2018 में भी टॉप-3 अमीर नेताओं में दूसरे नंबर पर थे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की दमदार दस्तक

संजीव ठाकुर

मैं किसी भी राजनीतिक पार्टी का कभी हिमायती नहीं रहा पर वर्तमान परिपेक्ष्य में जो विश्व में भारत की स्थिति बनी है उसे अनदेखा भी नहीं किया जा सकता है। भारत के प्रधानमंत्री एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार 76% के साथ लोकप्रियता के शिखर पर हैं। विश्व के बाहुबली देश के बड़े-बड़े राष्ट्र प्रमुख जैसे जो बाइडेन, सी जिन पिंग, राष्ट्रपति पुतिन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक कनाडा के जस्टिन टुद्रो इस लाइन में काफी पीछे हैं।

भारत में वर्तमान में अपनी वैश्विक छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाया है। विदेशों में भारत की स्थिति में निरंतर सुधार हुआ है। इस समय बहुत बड़ा योगदान भारत के हर क्षेत्र के डिजिटलाइजेशन का ज्यादा रहा है। भारत में डिजिटलाइजेशन के नए आयामों को छुआ है और विश्व में इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका भी निभा रहा है। इसमें दो मत नहीं कि इसमें वर्तमान एवं पूर्व के प्रधानमंत्रियों को भी बड़ा योगदान रहा है। पिछले 9 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति मैं खुलापन तथा विदेशी निवेशकों को भारत में आमंत्रित किया है उससे इसमें बड़े परिवर्तन की संभावनाओं इजाफा किया है। भारत विश्व का एकमात्र सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। कई वर्षों से ब्रिटिश उपनिवेश में रहने और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गरीबी, भुखमरी ,बेरोजगारी जैसे बड़े रुकावटी कारकों का से जिस तरह डटकर मुकाबला कर उस से निजात पाने का प्रयास किया है वह अत्यंत उल्लेखनीय है।स्वतंत्रता मिलने के पश्चात भारत में नियोजन की नीति अपनाई तथा वर्ष 1951 में प्रारंभ पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत सभी चुनौतियों का सामना करते हुए सराहनीय प्रगति की है। वर्ष 1951 से लेकर अब तक 12 पंचवर्षीय योजनाएं क्रियान्वित की जा चुकी है। वर्ष 2015 में राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान की स्थापना की गई जो भारत को वैश्विक स्तर पर महाशक्ति बनाने की दिशा में सहयोग कर रहा है। वैश्विक स्तर पर भारत की खेती 1990 के पश्चात निरंतर बढ़ रही है इस दिशा में 1990 के दशक में भारत सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली उदारीकरण निजीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति का महत्वपूर्ण योगदान भी माना जा रहा है। उक्त समय में भारत की दशा अत्यंत दयनीय थी इसके अतिरिक्त मुद्रास्फीति बेरोजगारी जैसी स्थित ने विकराल रूप धारण कर लिया था, किंतु विकास की नीति को अपनाने के पश्चात से भारत ने इन परिस्थितियों से निपटने के साथ ही आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या के उपयोग कर विश्व पटल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। भारत की विशाल जनसंख्या को आर्थिक सफलता के मजबूत स्तंभ कहा जा सकता है। भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या का उपयोग कर उत्पादन को कई गुना बढ़ाया है। आज की स्थिति में भारत को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखा जा सकता है और इसे तथाकथित भावी विश्व शक्ति चीन का सबसे ताकतवर प्रतिनिधि तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का भावी सदस्य के रूप में भी देखा जा रहा है। भारत में समय के अनुसार अपनी नीतियों तथा विकास के प्रति मानको में परिवर्तन कर निरंतर आर्थिक विकास की दर को प्राप्त करते हुए अधिकांश विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की है। वास्तव में वर्तमान समय में भारत के ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जिससे विश्व के सभी देश किसी न किसी रूप से जुड़कर प्रभावित भी हुए हैं। 1974 उल्लेखनीय रहा है क्योंकि भारत ने पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण किया गया इसका विरोध विश्व के तमाम विकसित देशों ने बहुत जोरदार ढंग से किया भारत को काफी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा था। वर्ष 2008 में हमारे देश और अमेरिका रूस फ्रांस ब्रिटेन तथा चीन को छोड़कर पी5 के सभी सदस्य देशों के मध्य हुए असैन्य परमाणु समझौता से यह स्पष्ट हो गया था कि अब वैश्विक पटल पर भारत की अनदेखी नहीं की जा सकती है। 2009 में भारत के प्रधानमंत्री का अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने कार्यालय में राजकीय अतिथि के रूप में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री का स्वागत करके कहा कि भारत अब एक परमाणु शक्ति संपन्न देश बन चुका है। यह भारत के छठे परमाणु संपन्न राष्ट्र के तौर पर मिली औपचारिक मान्यता ही थी। भारत यात्रा पर आए बराक ओबामा ने कहा कि भारत अब उभरती हुई परमाणु शक्ति ही नहीं है, वह स्थापित परमाणु शक्ति बन चुका है। भारत की जनसंख्या को देखते हुए भारत की क्रय शक्ति की क्षमता के मामले में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी दूरसंचार के क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। भारत अब विश्व में एक महत्वपूर्ण वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित होने की ओर अग्रसर है। भारत में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अत्यधिक ख्याति प्राप्त की है, जिससे अमेरिकी विश्लेषकों के मन में भय पैदा हो गया है। भारतीय औद्योगिक घराने अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी कंपनियों को खरीद कर दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी समूह बन गए हैं। भारत लक्ष्मी मित्तल विश्व के सबसे बड़े स्टील उत्पादक है, मुकेश अंबानी का नाम विश्व के सर्वोच्च पांच धनी व्यक्तियों में लगातार प्रत्येक और शामिल होता रहा है। टाटा स्टील ने अपने आकार से लगभग 6 गुनी बड़ी कंपनी कोरस को भी खरीद लिया तो दूसरी तरफ टाटा मोटर्स ने विश्व प्रसिद्ध ब्रांड जगुआर लैंडरोवर को खरीद कर इसे b.m.w. की प्रतियोगिता में लाकर खड़ा कर दिया। भारतीय मूल के विदेशी उद्योगपतियों ने भारत के बाहर रहकर भी भारत की प्रसिद्धि में वृद्धि की है। इन उद्योगपतियों में इंदिरा नूई, अरुण सरीन, सबीर भाटिया, विनोद घोसला का नाम विशेष रूप से लिया जा सकता है। भारत मूल के ही सलमान रुश्दी लेखक, अमर्त्य सेन अर्थशास्त्री, झुंपा लहरी लेखिका, वेंकटरमन रामकृष्णन नोबेल पुरस्कार विजेता आदि भारतीय मूल के विदेशी नागरिक विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

370 हटने पर बवाल खड़े कर रहा सवाल ?

राज सक्सेना

इस सप्ताह सोमवार(11 दिसम्बर) को भारत सरकार के 370 हटाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय से पुष्टि प्रदान कर दी। इसके प्रति देश के भीतर तो कई दलों और संगठनों ने फैसले से अपना विरोध जाहिर किया तो फारुख अब्दुल्ला ने तो 'कश्मीर को जहन्नुम बनाने' तक का दोषारोपण केंद्र सरकार पर मढ़ दिया। वहीं मुस्लिम देशों के संगठन ओआइसी ने मंगलवार को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सुप्रीमकोर्ट के फैसले को अवैध और एक तरफा बताते हुए यह फैसला वापस लेने की मांग की थी। उनके सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में इस्लामी देशों के संगठन ने जम्मू कश्मीर के लोगों के साथ अपनी एक जुटता की भी पुष्टि की थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के 5 अगस्त 2019 के फैसले को बरकरार रखा था। स्मरणीय है कि जहां देश में कुछ नेताओं द्वारा जहां इसका विरोध किया जा रहा है, वहीं केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने प्रेस से बात करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर के लोग भी चाहते थे कि अनुच्छेद 370 हटाया जाए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में कोई समस्या नहीं है। मैंने वहां के हालात 1980 में देखे हैं। कुछ लोगों ने वहां के लोगों को भ्रमित कर दिया था, कुछ आज भी भ्रमित हैं। उन्होंने आगे कहा कि अनुच्छेद 370 खत्म करने की पहल केंद्र सरकार ने देरी से की. इसे पहले ही इसे खत्म कर दिया जाना चाहिए था। और अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर मोहर लगा दी है।

जहां तक कुछ भारतीय नेताओं का प्रश्न है, उनका 370 पर इतना बवाल बवाल मचाना कहां तक उचित है? और तो और, गुलाम नबी आजाद जैसे अपने आपको लिबरल और तथाकथित धर्मनिरपेक्ष नेता द्वारा विरोध करना तो बिलकुल समझ में नहीं आता । आखिर विलय तो दोनों पक्षों की सहमति से ही हुआ था। 11 दिसम्बर 2023 से कश्मीर तथा भारत के मुसलमानों के बीच में सारे फर्क और दूरियां समाप्त होने पर अंतिम मुहर भी लग गई है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इन दोनों को अलग रखने वाली धारा 370 को निरस्त करने से अब सारे भारतीय और कश्मीरी एक ही नागरिक समाज के सदस्य बन चुके हैं। इस निर्णय की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि कश्मीर के अंगुलियों पर गिने जाने लायक अवसरवादी, ढोंगी और सत्तालोलुप नेता अब कश्मीरियों के नाम पर भारत का दोहन नहीं कर पायेंगे। इस धारा की आड़ में भोले लोगों को बरगला नहीं पाएंगे। जहां तक जमीयते उलेमाये हिंद का प्रश्न है वह तो शुरू से ही ब्रिटिश और जिन्ना की साजिशों का कड़ा विरोध करती रही है। वह मुस्लिम लीग की कड़ी विरोधी रही है।

मगर आश्चर्य तो उन कश्मीरी नेताओं की प्रतिक्रियाओं पर होता है जो इस फैसले से पहले कई दशकों से कश्मीर में सत्ता का सुख भोगते रहे, मनमानी से सरकार चलाते रहे, प्रदेश के राजकोष को अपनी जागीर का कोष समझकर अपनी निजी सुविधाओं और निजी जरूरतों के लिये खर्च करते रहे। अब यही सुविधाजीवी लोग बड़े आक्रामक तरीके से इस संवैधानिक निर्णय का विरोध कर रहे हैं। अगर सबसे पहले शेख मोहम्मद अब्दुला को लें तो मोहम्मद अली जिन्ना भांप गए थे कि अब्दुल्ला खुद कश्मीर घाटी के अरबी शेखों की तरह शेख बनकर रहना चाहते हैं। दोनों मुसलमान नेताओं में दृष्टि के अंतर का आधार केवल सत्ता पाने पर ही था। एक तानाशाह की तरह कश्मीर पर शासन करना चाहता था तो दूसरा इस्लामी हुकूमत की तरह पाकिस्तान के साथ कश्मीर की सत्ता चलाना चाहता था। जिन्ना ने मरते दम तक हमेशा याद रखा कि जब वे श्रीनगर गए थे तो उनके गले में जूतों की माला शेख अब्दुल्ला के समर्थकों ने ही पहनाई थी। इधर शेख आश्वस्त थे कि नेहरू समूची घाटी के अकेले शासक के रूप में उनका ही चयन करेंगे। धारा 370 को संविधान में समायोजित कर नेहरु ने उनके इस विश्वास को मूर्त रूप दे भी दिया अन्यथा ब्रिटिश संसद के सत्ता का हस्तांतरण करनेवाले नियमों के अनुसार हैदराबाद, जूनागढ़, जोधपुर जैसी अन्य रियासतों की तरह कश्मीर रियासत भी महाराजा के फैसले और हस्ताक्षरों से ही भारत में समायोजित हुयी थी। कश्मीरी मुसलमान नेताओं का इतिहास दूर तक जाता है जो 370 के फैसले का विरोध कर रहे हैं। क्यों कर रहे हैं ? सिर्फ इसलिए कि उनकी जागीरदारी समाप्त हो जाएगी? शेख मोहम्मद अब्दुल्ला को नेहरू ने अपने निजी सम्बन्धों के कारणों से घाटी का शेख बना दिया था। यदि बाराबंकी के राष्ट्रवादी नेता रफी अहमद किदवाई 1953 में कश्मीर न जाते तो शेख अब्दुल्ला इस्लामी पाकिस्तान से सौदा कर कश्मीर को पाकिस्तान में विलय करने ही जा रहे थे। रफी साहब ने गुलमर्ग में घुसकर शेख को कैद किया, जेल में डाला और उनके दामाद बख्शी गुलाम मोहम्मद को सत्ता सौंप दी। इनके अतिरिक्त उन तीन राजनेताओं की चर्चा भी की जानी उचित होगी जो कश्मीर के मुख्यमंत्री रहे, सत्ता सुख भोगा, खजाने को बेतहाशा लूटा, भारत सरकार में भी मंत्री रहकर सुख भोगते रहे और अब सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की आलोचना कर रहे हैं। इनमें सबसे आश्चर्यजनक नाम है गुलाम नबी आजाद का। वे घोषित इंदिरा भक्त थे, फिर सोनिया भक्त बने, और अंत में राहुल भक्त हो गये। भारत सरकार में हमेशा इसी भक्ति के कारण मंत्री रहे और कश्मीर के मुख्यमंत्री भी रहे। कितनी आश्चर्यजनक बात है कि वे इस फैसले को 'न्यायालय का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है, दुखद है।

नई पार्टी : एक पहल

डॉ टी महादेव राव

मेरे इस नए अवतार को देखकर मुंह बाए मत रहिए। मैं किसी राजनीतिक पार्टी में नहीं हूँ। न मुझे गंदी गालियां देनी आती हैं, न कभी जेल गया। किसी थाने में नाम भी दर्ज़ नहीं है, गली का गुंडा भी नहीं हूँ। मुझे कौन पूछेगा? इसलिए मैंने अपनी नई पार्टी बना ली है। अपनी पार्टी का नाम है जन भजन पार्टी। न ये लेफ्ट पार्टी है, न राइट पार्टी है, बस सेंटर की पार्टी है। यह मत समझिए कि मैं राजनीति में कोई क्रान्ति लाने वाला हूँ। कल तक जिसके पास फूटी कौड़ी नहीं थी, उधार लिए फिरता था, आज पार्टी बना ली जिसे चुनाव में लड़ने के लिए काफी पैसों की ज़रूरत होगी – ऐसा अगर सोच रहे हैं तो आपकी सोच सही है। इसके लिए मेरे पास एक आइडिया है, आप किसी से कहिएगा नहीं, आपको बताता हूँ। मेरे खोज बीन से पता चला कि अपने देश में ऐसी कई पार्टियां हैं जो चुनाव नहीं लड़तीं। इसलिए मैं भी उतारा हूँ मैदान में। लेकिन मेरा रास्ता इनसे अलग है। मुझे भी पैसा कमाना है, तो सुनिए मेरे दिमाग का धांसू आइडिया। आजकल राजनीतिक पार्टियों की सभाओं में कोई नहीं जाता क्योंकि सामने वाली पार्टी को गरियाना, ऐसे वादे करना जिन्हें पूरा न किया जा सके। यह सब सुन सुनकर लोगों के कान पाक गए। नतीजा यह कि कोई इन सभाओं में नहीं जाता। जब उन्हें बुलाने जाओ तो अपने हाथ खुजाते हुये कहते हैं, हमें क्या मिलेगा? मैंने एक सभा के आयोजकों से बात की और वे प्रति व्यक्ति पाँच सौ रुपये, एक क्वार्टर बोतल शराब और एक बिरियानी पेकेट देने को राजी हुए। जब मैंने भीड़ जुगाड़ा तो उसने अपना वादा पूरा किया। तभी यह जन भजन पार्टी का बल्ब दिमाग में जला। पैसे कैसे आएंगे यही न? हमारे शहर में बेरोजगार, बिना काम के मजदूर कई हैं। चुनाव आ रहे हैं तो सहज है सभाओं की कमी नहीं होगी। फिर सारी सभाओं के लिए भीड़ भी चाहिए, है न? दिल्ली के नेताओं की सभाओं के लिए ज्यादा भीड़ चाहिए।

पार्टी में मै इन बेरोजगार, बिना काम के मजदूर लोगों को सौ रुपये पार्टी प्रवेश शुल्क लेकर भर्ती कर रहा हूँ। जो नहीं दे सकते उनसे पहली मीटिंग में मिलने वाले पैसे से सौ रुपये काट लूँगा। सबको अपनी पार्टी का आईडी कार्ड भी दूंगा। किसी भी पार्टी की सभा हो मैं अपने आदमी भेजा करूंगा। भेजने के पहले कहाँ तालियाँ बजानी है, बताऊंगा। इससे नेताओं को भीड़ की समस्या से निजात मिलेगी और मेरे आदमियों को भी पैसे मिलेंगे। दोनों के समस्याओं का हल होगी मेरी जन भजन पार्टी। वैसे भी शराब, बिरयानी और पैसों के अलावा लोग चाहते क्या हैं? सरकार ने मुफ्तखोर बनाने का जो बीड़ा उठाया है, मेरी सोच उससे अलग है। उन्हे काम और काम का सही दाम जो दे रहा हूँ। चुनावों में मेरी पार्टी के सदस्यों के वोट के लिए नेतागण हमारी खुशामद करेंगे और उस समय हम अलग रेट तय करेंगे। मेरे चारों तरफ पैसा ही पैसा होगा और मैं बिना चुनाव लड़े करोड़पति हो जाऊंगा। मेरी पार्टी में किसी और को कोई पद नहीं दूंगा, वरना मार पीट, दल बदल होता रहेगा। सो अपनी पार्टी का सर्वेसर्वा मैं अकेला बाकी सदस्य होंगे। आपका आशीर्वाद बना रहे।

शनिवार को सूर्य का धनु राशि में प्रवेश

संक्रांति सूर्य पूजा का पर्व है। सूर्य एक साल यानी 12 महीनों में 12 राशियों का एक चक्कर लगाता है। ये ग्रह करीब एक महीना एक राशि में रुकता है। इस वजह से एक साल में 12 बार संक्रांति मनाई जाती है। सूर्य जब एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है तो इस घटना को ही संक्रमण और संक्रांति कहा जाता है।

धनु संक्रांति 16 दिसंबर को, एक साल में 12 बार मनाते हैं संक्रांति

शनिवार, 16 दिसंबर को सूर्य धनु राशि में प्रवेश कर रहा है। इस दिन को धनु संक्रांति कहा जाता है। धनु राशि में सूर्य एक महीने यानी 15 जनवरी तक रहेगा। इस महीने को खरमास कहा जाता है। जानिए धनु संक्रांति और सूर्य देव से जुड़ी खास बातें...

ज्योतिष में सूर्य को नौ ग्रहों का राजा माना जाता है। 12 राशियों में ये ग्रह सिंह राशि का स्वामी है। यमराज, यमुना और शनिदेव सूर्य की संतानें हैं। सूर्य और शनि पिता-पुत्र हैं, लेकिन ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार शनि सूर्य को शत्रु मानता है।

संक्रांति पर सूर्य पूजा सुबह जल्दी उठकर सूर्य पूजा करनी चाहिए। इसके लिए तांबे के लोगों में जल भरें, कुमकुम, चावल, लाल फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य चढ़ाएं। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते रहें।

धनु संक्रांति दान-पुण्य करने का पर्व माना जाता है। इस दिन जरूरतमंद लोगों को अनाज, पैसा, कपड़े, जूते-चप्पल, खाना, पढ़ाई की चीजें दान करनी चाहिए। किसी सुहागिन को सुहाग का सामान जैसे चूड़ियां, साड़ी, बिंदिया, कुमकुम, सिंदूर भी दान कर सकते हैं।

इस दिन किसी नदी में स्नान भी करना चाहिए। अगर नदी में स्नान करना संभव न हो तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। स्नान करते समय पवित्र नदियों का ध्यान करना चाहिए। मथुरा, उज्जैन, ऊंकारेश्वर, काशी, जगन्नाथ पुरी, द्वारका जैसे तीर्थों के दर्शन करें। अगर संक्रांति पर ज्यादा लंबी यात्रा नहीं कर सकते हैं तो अपने शहर के आसपास ही पौराणिक मंदिरों में दर्शन और पूजन कर सकते हैं।

जिन लोगों की कुंडली में सूर्य ग्रह स्थिति ठीक नहीं है, उन्हें संक्रांति पर सूर्य की विशेष पूजा करनी चाहिए। सूर्य को जल चढ़ाने के बाद सूर्य देव की प्रतिमा का पूजन करें। पूजा के बाद सूर्य ग्रह से जुड़ी चीजें जैसे गुड़, तांबा, पीले वस्त्रों का दान करें। सूर्य मंत्र ऊँ सूर्याय नमः का जप कम से कम 108 बार करें।

सूर्य देव का धर्म के नजरिए से बहुत ऊंचा स्थान है। ये पंचदेवों में शामिल हैं। पंचदेवों में सूर्य के साथ ही गणेश जी, शिव जी, विष्णु जी और देवी दुर्गा हैं। किसी भी काम की शुरुआत में इन पांचों देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। इनकी पूजा के बिना शुभ काम की शुरुआत नहीं होती है।

सूर्य हनुमान जी के गुरु भी हैं। हनुमान जी ने सूर्य देव के साथ चलते-चलते ज्ञान हासिल किया था। इसलिए सूर्य की पूजा से हनुमान जी की भी कृपा मिल सकती है।

सूर्य के धनु राशि में आने से खरमास शुरू हो जाएगा। धनु राशि का स्वामी गुरु ग्रह है। इस वजह धनु राशि को गुरु ग्रह का घर माना जाता है। माना जाता है कि खरमास में सूर्य अपने गुरु बृहस्पति के घर में रहते हैं और उनकी सेवा करते हैं। इस वजह से खरमास में किसी भी तरह के शुभ मुहूर्त नहीं रहते हैं।

सूर्य के नारायण रूप की पूजा

धनु संक्रांति के दिन सूर्य देव के नारायण रूप की पूजा करने का बहुत महत्व है। इस दिन सूर्य पूजा करने से उम्र बढ़ती है। इस पर्व पर पवित्र नदियों में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है। धनु संक्रांति पर सूर्य नारायण रूप की पूजा होती है। इनकी पूजा से कई गुना पुण्य फल मिलता है।

पूजा विधि- सुबह सूर्योदय से पहले उठकर नहाएं फिर उगते हुए सूर्य को जल चढ़ाएं।

पूजा करें और दिनभर व्रत और दान करने का संकल्प लें।

पीपल और तुलसी को जल चढ़ाएं। इसके बाद गाय को घास-चारा या अन्न खिलाएं।

जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाएं और कपड़े दान कर सकते हैं। सूर्योदय से दो प्रहर बीतने के पहले यानी दिन में 12 बजे के पहले पितरों की शांति के लिए तर्पण करना चाहिए।

संक्रांति पर्व पर गौ दान का महत्व

धनु संक्रांति पर गौ दान को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। ग्रंथों के मुताबिक इस संक्रांति पर गौ दान से हर तरह के सुख मिलते हैं। पाप खत्म हो जाते हैं और परेशानियों से भी छुटकारा मिलता है। गौ दान नहीं कर सकते तो गाय के लिए एक या ज्यादा दिनों का चारा दान करें। इस तरह दान करने से पाप खत्म हो जाते हैं।

धनु संक्रांति पर्व मनाने वालों को दिनभर ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। पूरे दिन जरुरतमंद लोगों को दान करना चाहिए। कोशिश करना चाहिए इस दिन नमक न खाएं। इस पर्व पर भगवान सूर्य, विष्णु और शिवजी की पूजा करनी चाहिए। इनके अलावा पितृ शांति के लिए तर्पण करने का भी महत्व है।

ओशो: प्रेम क्या है?

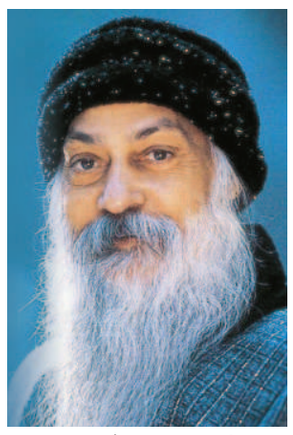

जीना और जानना तो आसान है, लेकिन कहना बहुत कठिन है। जैसे कोई मछली से पूछे कि सागर क्या है? तो मछली कह सकती है, यह है सागर, यह रहा चारों तरफ, वही है। लेकिन कोई पूछे कि कहो क्या है, बताओ मत, तो बहुत कठिन हो जाएगा मछली को।

आदमी के जीवन में भी जो श्रेष्ठ है, सुंदर है और सत्य है, उसे जीया जा सकता है, जाना जा सकता है, हुआ जा सकता है, लेकिन कहना बहुत मुश्किल है। और दुर्घटना और दुर्भाग्य यह है कि जिसमें जीया जाना चाहिए, जिसमें हुआ जाना चाहिए, उसके संबंध में मनुष्य-जाति पांच-छह हजार वर्ष से केवल बातें कर रही है।

प्रेम की बात चल रही है, प्रेम के गीत गाए जा रहे हैं, प्रेम के भजन गाए जा रहे हैं, और प्रेम का मनुष्य के जीवन में कोई स्थान नहीं है। अगर आदमी के भीतर खोजने जाएं तो प्रेम से ज्यादा असत्य शब्द दूसरा नहीं मिलेगा। और जिन लोगों ने प्रेम को असत्य सिद्ध कर दिया है और जिन्होंने प्रेम की समस्त धाराओं को अवरुद्ध कर दिया है और बड़ा दुर्भाग्य यह है कि लोग समझते हैं वे ही प्रेम के जन्मदाता भी हैं।

धर्म प्रेम की बातें करता है, लेकिन आज तक जिस प्रकार का धर्म मनुष्य-जाति के ऊपर दुर्भाग्य की भांति छाया हुआ है, उस धर्म ने ही मनुष्य के जीवन से प्रेम के सारे द्वार बंद कर दिए हैं। और न इस संबंध में पूरब और पश्चिम में कोई फर्क है, न हिंदुस्तान में और न अमेरिका में कोई फर्क है।

मनुष्य के जीवन में प्रेम की धारा प्रकट ही नहीं हो पाई। और नहीं हो पाई तो हम दोष देते हैं कि मनुष्य ही बुरा है, इसलिए नहीं प्रकट हो पाई। हम दोष देते हैं कि यह मन ही जहर है, इसलिए प्रकट नहीं हो पाई।

मन जहर नहीं है। और जो लोग मन को जहर कहते रहे हैं, उन्होंने ही प्रेम को जहरीला कर दिया, प्रेम को प्रकट नहीं होने दिया है। मन जहर हो कैसे सकता है? इस जगत में कुछ भी जहर नहीं है। परमात्मा के इस सारे उपक्रम में कुछ भी विष नहीं है, सब अमृत है। लेकिन आदमी ने सारे अमृत को जहर कर लिया है। और इस जहर करने में शिक्षक, साधु-संत और तथाकथित धार्मिक लोगों का सबसे ज्यादा हाथ है।

इस बात को थोड़ा समझ लेना जरूरी है। क्योंकि अगर यह बात दिखाई न पड़े तो मनुष्य के जीवन में कभी भी प्रेम भविष्य में भी नहीं हो सकेगा।

क्योंकि जिन कारणों से प्रेम नहीं पैदा हो सका है, उन्हीं कारणों को हम प्रेम प्रकट करने के आधार और कारण बना रहे हैं! हालतें ऐसी हैं कि गलत सिद्धांतों को अगर हजारों वर्ष तक दोहराया जाए तो फिर हम यह भूल ही जाते हैं कि सिद्धांत गलत हैं; और दिखाई पड़ने लगता है कि आदमी गलत है, क्योंकि उन सिद्धांतों को पूरा नहीं कर पा रहा है।

मैंने सुना है, एक सम्राट के महल के नीचे से एक पंखा बेचने वाला गुजरता था और जोर से चिल्ला रहा था कि अनूठे और अदभुत पंखे मैंने निर्मित किए हैं। ऐसे पंखे कभी भी नहीं बनाए गए। ये पंखे कभी देखे भी नहीं गए हैं।

सम्राट ने खिड़की से झांक कर देखा कि कौन है जो अनूठे पंखे ले आया है! सम्राट के पास सब तरह के पंखे थे..दुनिया के कोने-कोने में जो मिल सकते थे। और नीचे देखा, गलियारे में खड़ा हुआ एक आदमी साधारण दो-दो पैसे के पंखे होंगे और चिल्ला रहा है कि अनूठे, अद्वितीय। **(क्रमशः)**

इष्ट प्रबल होने पर नहीं होता है अनिष्ट

किसी विद्यार्थी ने परीक्षा की पूर्ण तैयारी कर ली फिर भी उसे संशय है कि वह पास होगा या नहीं। यदि यह संशय मिटाने के लिए विद्यार्थी को अपने इष्टदेव की कृपा तथा आशीर्वाद की अनुभूति हो जाए तो वह दोगुने उत्साह एवं पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा की तैयारी करेगा और स्वतः परिणाम उत्कृष्ट रहेगा। इसलिए कहा जाता है, जीवन में एक गुरु, एक इष्ट बनाना अति अनिवार्य है।

आइए जानते हैं, कैसे इष्ट प्रबल होने पर अनिष्ट नहीं होता है। संसार के सभी मनुष्य कर्म करते रहते हैं, किन्तु जिन व्यक्तियों के पास उनके इष्टदेव की शक्ति एवं इष्टदेव का आशीर्वाद होता है, उनके मन में कभी भय, संशय अविश्वास जैसी कोई भी नकारात्मक धारणा का प्रवेश नहीं होता। किसी भी देवी-देवता अथवा महापुरूष को अपना इष्ट बनाकर उनकी आराधना करने से व्यक्ति में निडरता, आत्मीयता तथा उत्साह विद्यमान होता है। धर्मशास्त्रों में वर्णित है कि प्रत्येक मनुष्य को अपने इष्ट को पहचानकर उनकी पूजा-आराधना नित्य करनी चाहिए। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के अनुसार इष्टदेवता का निर्धारण किया जाता है जिसके अन्तर्गत पंचम भाव में जो ग्रह बलवान होकर स्थित होते हैं, उनसे संबंधित देवी-देवता व्यक्ति के इष्ट होते हैं।

कभी-कभी पंचम भाव में कोई भी ग्रह नहीं बैठा होता है, ऐसी स्थिति में पंचम भाव के स्वामी जिसे ज्योतिष शास्त्र में पंचमेश कहा जाता है के आधार पर इष्ट देवी-देवता का निर्धारण किया जाता है। विद्वानों के अनुसार इष्ट निर्धारण के लिए जन्मकुण्डली के पंचम भाव का अध्ययन कर ग्रहों के बलाबल के आधार पर ही इष्ट का निर्धारण करना चाहिए। इष्टदेव की कृपा एवं आशीर्वाद जीवन में उस प्रकार है, जिस प्रकार साधारण जल में गुलाबजल मिल जाता है। अतः प्रत्येक परिप्रेक्ष्य में इष्ट कृपा होना अत्यंत आवश्यक है। इष्ट कृपा का शाब्दिक अर्थ है, अपने आराध्य देव की कृपा प्राप्त करना।

जिस व्यक्ति का इष्ट प्रबल होता है, उसका कभी अनिष्ट नहीं होता। इष्ट प्रबल होने पर जीवन में किसी प्रकार का विघ्न नहीं रहता और सभी वांछित कार्य पूर्ण होते हैं। दिव्य शक्ति द्वारा किसी उद्देश्य तथा कार्य विशेष की पूर्ति हेतु प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग लेना ही इष्ट कृपा है। सफलता हेतु जीवन में किसी भी कार्य-व्यवहार के प्रति कभी भी संशय नहीं होना चाहिए।

इष्ट कृपा प्राप्त होने पर मिटते हैं सभी भ्रम - यदि किसी स्थान पर एक झुण्ड में पक्षी दाना चुग रहे हों और वहां जाकर कोई ताली बजा दे तो वे पक्षी उड़ जाएंगे जिनको यह संशय होगा कि कोई उन्हें पकड़ने आया है। लेकिन वे पक्षी नहीं उड़ेंगे जिनको कोई संशय नहीं होगा। इस प्रकार संशयरहित पक्षियों को ही दाना चुगने का पूर्ण अवसर प्राप्त होता है। इष्ट कृपा प्राप्त होने पर समस्त प्रकार के भ्रम मिट जाते हैं। प्रभु कृपा या इष्ट कृपा हाथ की सुंदर ताली है जो संदेह रूपी पक्षियों को उड़ा देती है। इसलिए धर्मशास्त्रों में वर्णित है कि इष्ट कृपा की प्राप्ति के लिए कोई संशय न हो तो निष्चित रूप से आपको सभी सुखों की प्राप्ति होगी। जिस पर इष्ट कृपा बनी रहती है, उसका संशय मिट जाता है, रामचरितमानस के बालकाण्ड के दोहा 114, चौपाई एक में गोस्वामी तुलसीदास जी बड़ा ही सुन्दर वर्णर कर कहते हैं।

राम कथा सुंदर कर तारी।
संसय बिहग उड़ावनिहारी।।
रामकथा कलि बिटप कुठारी।
सादर सुनु गिरिराजकुमारी।।

अर्थात श्री राम जी की कथा हाथ की सुंदर ताली है, जो संदेहरूपी पक्षियों को उड़ा देती है। फिर रामकथा कलियुगरूपी वृक्ष को काटने के लिए कुल्हाड़ी है। हे गिरिराजकुमारी! तुम इसे आदरपूर्वक सुनो।

हनुमान जी के मंत्र दिलाएंगे अपार सफलता

इनका जाप करने से टल जाता है जीवन में मंडरा रहा हर संकट

आप सब तो जानते ही हैं कि हनुमान जी की महिमा अपरंपार है। कलयुग में इनकी पूजा से जीवन में चल रहे समस्त कष्ट मिट जाते हैं। आज मंगलवार का दिन है और इनकी पूजा के साथ ही साथ बजरंगबली के कुछ विशेष मंत्रों का जाप करने से जीवन की हर पीड़ा से मुक्ति मिलती है।

मंगलवार का दिन पवन पुत्र हनुमान जी की वंदना के लिए सबसे श्रेष्ठ दिन होता है। आज के दिन लोग हनुमान जी के मंदिर जाकर उनके दर्शन करते हैं। इसी के साथ आज के दिन उनकी पूजा में कुछ विशेष उपायों और मंत्रों का जाप करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। कलयुग में हनुमान जी को लेकर लोगों में बड़ी आस्था है माना जात है कि हनुमान जी आज भी कलयुग में पृथ्वी पर निवास करते हैं।

जिन लोगों के जीवन में कष्ट और परेशानियां उनका पीछा नहीं छोड़ रही हैं। उन्हें आज के दिन हनुमान जी की विशेष मंत्रों से पूजा एवं आराधना करनी चाहिए है। कुछ मंत्र हनुमान जी के ऐसे हैं जिनका जाप करने से शीघ्र फल प्राप्त होता है।

आइए जानते हैं हनुमान जी से जुड़े कुछ लाभकारी मंत्र जो दिलाते हैं जीवन में अपार सफलता।

मन की एकाग्रता के लिए मंत्र- यदि आप में एकाग्रता नहीं है और किसी कार्य को मन लगा कर पूरा नहीं कर पा रहे हैं तो हनुमान जी के इस मंत्र को पढ़ सकते हैं।

जिनकी गति मन के समान है और वायु के समान वेग है, जिनका इंद्रियों पर नियंत्रण होने के कारण जितेंद्रिय कहलाए जाते हैं, जिनकी बुद्धि प्रबल है, ऐसे भक्त शिरोमणी और वानरों में श्रेष्ठ श्री राम के परम दास हनुमान जी की में शरण प्राप्त करता हूं।

आत्मबल और सकारात्मकता के लिए मंत्र- ऊँ हं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट

इस मंत्र का आप 5,7,9 या 11 माला 108 दाने वाली तुलसी जी की या रुद्राक्ष की माला से जाप कर सकते हैं। यह मंत्र मंगलवार के दिन जाप करने से शीघ्र लाभ देगा। माना जाता है यदि आप इस मंत्र का जाप करना शुरू करेंगे तो 2 से 3 माह में आपको इस मंत्र की शक्ति महसूस होने लगेगी। इस मंत्र के जाप से आप के अंदर आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा का अद्भुत संचार होगा।

यह मंत्र रामरक्षास्तोत्र में वर्णित है। मंत्र इस प्रकार से -
मनोजवं मारुततुल्यवेगमं जितेनद्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम।
वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये।।

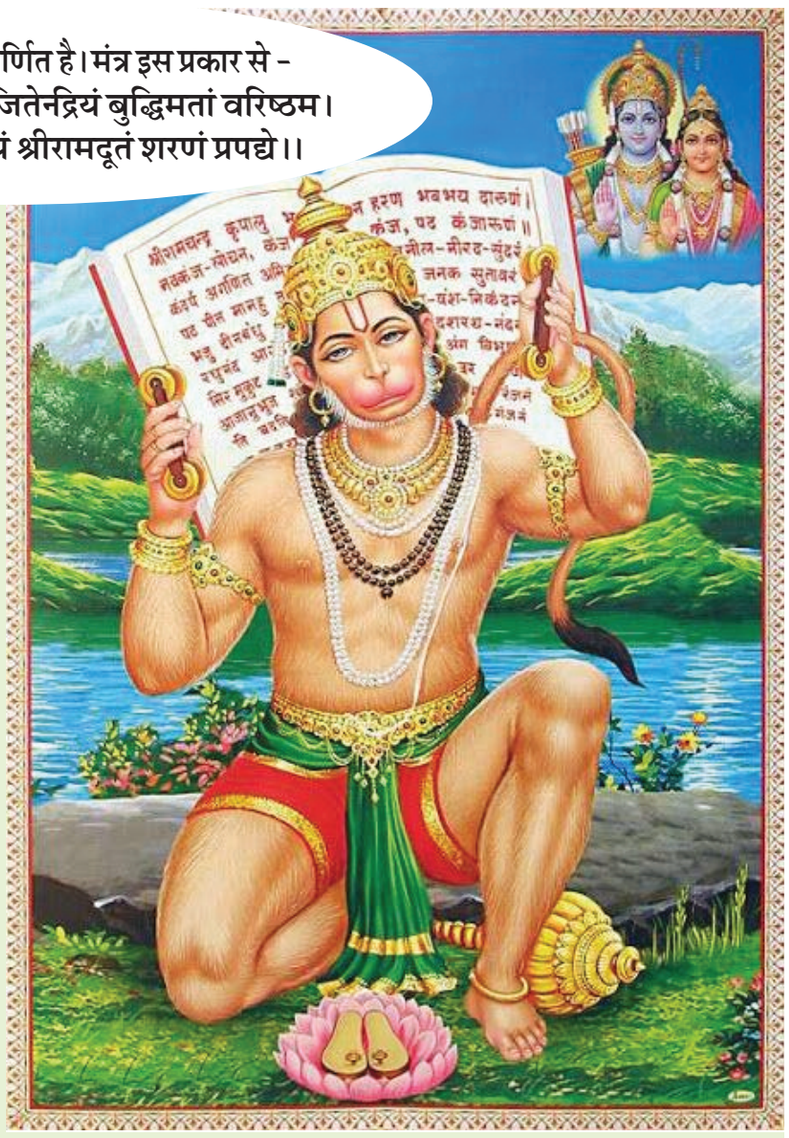

संकट से छुटकारा दिलाने वाला मंत्र- ॐ नमो हनुमते रूद्रावताराय सर्वशत्रुसंहारणाय सर्वरोग हराय सर्ववशीकरणाय रामदूताय स्वाहा।

यदि आप किसी संकट में हैं और आपको कोई रास्ता नहीं दिखाई दे रहा तो हनुमान जी के इस मंत्र का स्नान आदि से निवृत होने के बाद लाल आसन पर बैठ कर जाप करने से आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी और जीवन में चल रहे सभी संकट मिट जाएंगे।

रोग की पीड़ा से मुक्ति पाने का मंत्र- नासे रोग हरे सब पीरा, जपत निरतंर हनुमत बीरा अगर आप हनुमान चालीसा का पाठ नित्य करते हैं तो यह बहुत ही लाभदायक है।

फिर भी अगर आप किसी कारण रोज हनुमान चालीसा का पाठ नहीं कर पाते हैं तो मंगलवार को यह पाठ अवश्य करें। यदि आप किसी रोग की पाड़ा से परेशान हैं तो हनुमान चालीसा में दिए हुए इस मंत्र का 11 बार नित्य जाप करने से आपकी समस्त पीड़ा धीरे-धीरे कम हो जाएगी।

सफलता पाने का मंत्र- कवन सो काज कठिन जग माहीं, जो नहिं होइ तात तुम पाहीं

यह हनुमान जी का सबसे प्रभावशाली मंत्रों में से एक है। दरअसल यह एक चौपाई है। इस के बारे में धर्म ग्रंथों और रामचरितमानस में बताया गया है कि इस का जाप करने से हनुमान जी की कृपा आप पर सदैव बनी रहेगी। इसी के साथ आपका रुका हुआ कार्य वह शीघ्र पूरा करेंगे और ऐसा कोई भी कार्य जीवन में नहीं है जो हनुमान जी नहीं कर सकते अतः उनके लिए हर कार्य करना संभव है।

बॉलीवुड की सबसे फिट अभिनेत्रियों में दिशा पाटनी टॉप पर

कई लोगों का मानना है कि इस समय बॉलीवुड की सबसे फिट अभिनेत्रियों में दिशा पाटनी टॉप पर है। उसका शानदार फिगर देख कर हर कोई यही कहेगा कि इस बात में कोई अतिश्योक्ति नहीं है। अक्सर अपने ग्लैमरस अवतार को लेकर सोशल मीडिया पर छाई रहने वाली दिशा ने अपना करियर तेलुगु फिल्म 'लोफर' से शुरू किया था। पहली ही हिन्दी फिल्म 'एम. एस. धोनी द अनटोल्ड स्टोरी' में एक छोटा-सा किरदार निभा कर उसने दर्शकों के साथ ही फिल्मकारों के दिलों में अपने लिए खास जगह बना ली।

झोली में हैं कई फिल्में अब तक कई फिल्मों में काम कर चुकी दिशा की पिछली फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' गत वर्ष रिलीज हुई थी और इस वर्ष वह एक भी फिल्म में नजर नहीं आई। हालांकि, इसके बावजूद वह सुर्खियों में छाई रही है।

अगले वर्ष वह एक के बाद एक कई फिल्मों में नजर आने वाली है, जिनमें' कल्की 2898एडी', 'योद्धा', 'कंगुवा' और 'वैल्कम बैक टू द जंगल' आदि शामिल हैं।

यूं जागी अभिनय में दिलचस्पी पहली बार अभिनेत्री बनने के अहसास के बारे में दिशा कहती है, ₹एक अभिनेत्री के रूप में पहला अनुभव मुझे पहले ऑडिशन के दौरान हुआ। मैं काफी घबराई हुई थी क्योंकि मैं पहली बार कैमरे का सामना कर रही थी। मैं भावनाओं के उतार-चढ़ाव से गुजर रही थी। मुझे शॉट के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना था, कुछ संवाद थे, जो मुझे सही ढंग से दर्ज करने थे और इसके साथ ही कुछ भावनाओं को भी प्रदर्शित करना था। वहां बहुत सारे लोग मौजूद थे। हालांकि, जब मैंने कैमरे में देखना शुरू किया तो मेरी घबराहट दूर होने लगी। यही वह समय था जब मुझे अभिनय के साथ अपनेपन का एहसास पहली बार हुआ।

सबसे यादगार फिल्म

दिशा का कहना है कि उसे बचपन से ही फिल्में देखने का शौक रहा है। वह बताती है, ₹मैं बचपन में जिस तरह की फिल्में देखा करती थी उनमें थ्रिलर, एक्शन और एक्शन- कॉमेडी सब तरह की फिल्में होती थीं। अब मुझे एक्शन-थ्रिलर फिल्में देखना पसंद है और मैं उनसे काफी जुड़ाव महसूस करती हूं क्योंकि मैं इस तरह की फिल्मों में काम करने के लिए खुद को तैयार मानती हूं।

कौन-सी फिल्म आज भी उसके दिल के करीब है, पर उसने कहा, ₹फिल्म 'द ममी', क्योंकि यह पहली हॉलीवुड फिल्म थी जिसे मैंने अपने पिता और भाई-बहनों के साथ थिएटर में देखा था। पहली बार था, जब मैंने उस पैमाने पर साहसिक, थ्रिलर और एक्शन की ऐसी शैली का अनुभव किया। यह पहली फिल्म थी जो हमने एक साथ सिनेमा में देखी, इसलिए यह हमेशा एक विशेष स्मृति रहेगी। दरअसल, हमने यह फिल्म लगातार तीन बार देखी थी।''

यूं करती है फिल्मों का चयन

फिल्मों का चयन करते समय वह किन बातों का ध्यान रखती है, पर उसने कहा, बेशक, जब आप कोई फिल्म स्वीकार करते हैं तो कई कारक होते हैं। मेरे लिए, बेहद महत्वपूर्ण फिल्म की कहानी है और यह बात भी कि किरदार व्यक्तिगत रूप से मेरे साथ कैसे जुड़ता है। बाकी सब कुछ उसके बाद आता है। जब तक कंटेंट अच्छा है, मैं उसके लिए तैयार हूं।

सफलता का अर्थ

उसके लिए सफलता का क्या अर्थ है, पर वह कहती है, ₹मेरे लिए सफलता का तात्पर्य यह है कि मैं अपने काम से अपने प्रशंसकों और दर्शकों से जुड़ने में सक्षम हो सकूं। यूं तो सफलता के कई मापदंड हो सकते हैं लेकिन यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पति ने डिजाइन किया मालविका का 'वैडिंग लहंगा'

मालविका राज ने हाल हंस और ही में अपने प्रेमी बिजनैसमैन प्रणव बग्गा से गोवा में शादी की। अब दोनों मुंबई लौट चुके हैं, पर सोशल मीडिया पर शादी की तस्वीरें शेयर करने का सिलसिला अभी भी जारी है।

शादी केखास मौके पर उसने गोल्डन कलर का भारी लहंगा पहना था, दूल्हे राजा बने प्रणव ने उससे मेल खाती शेरवानी पहनी थी।

अब मालविका ने अपनी वैडिंग लुक का वीडियो शेयर करते हुए खुलासा किया कि उसका लहंगा प्रणव ने डिजाइन किया था। मालविका ने लिखा, ₹जब आपका पति आपका ब्राइडल लहंगा बनाता है। इस लहंगे पर मालविका के नाम का पहला अक्षर 'एम' लिखा था और फिर 'बेबी' (डॉगी) की तस्वीर, उस पर शादी की तारीख भी लिखी थी। उसने कहा कि उन दोनों की प्रेम कहानी के खास तत्वों को उसके पार्टनर के अलावा कोई और इस तरह से नहीं जाहिर नहीं कर सकता था। उसने कहा, ₹मेरा लव लैटर लहंगा बनाने के लिए धन्यवाद । यह बहुत खास है।

'सवाल' पूछने पर शो से निकाल दिया था : यामी गौतम

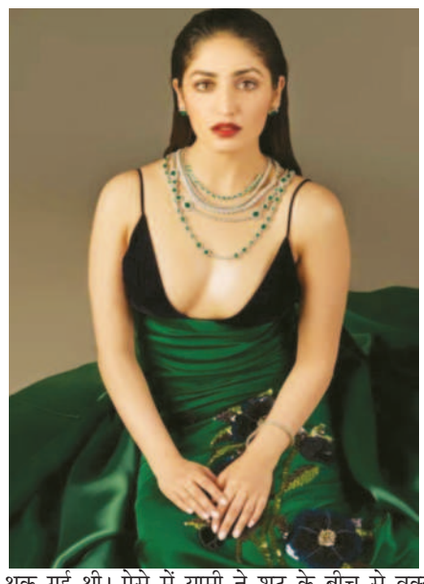

यामी गौतम ने अब तक अपनी हर फिल्म में दमदार अभिनय प्रतिभा का परिचय दिया है। वह उन अभिनेत्रियों में से एक है जिसका मायानगरी में कोई नाते-रिश्तेदार नहीं था और न ही यहां उसका कोई गॉडफादर था लेकिन इसके बावजूद अगर वह सफलता की ऊंचाइयों पर है तो इसकी वजह अपने काम के प्रति उसका सम्पर्ण और मेहनत ही है।

फिल्म 'उरी-द सर्जिकल स्ट्राइक' के निर्देशक आदित्य धर से विवाह बंधन में बंधी चुकी यामी के फिल्मी करियर को एक दशक से अधिक समय गुजर चुका है और शादी के बाद भी उसका अभिनय सफर लगातार जारी है।

हालांकि, सफलता के जिस मुकाम का वह आनंद ले रही है, वहां तक का उसका सफर जरा भी सरल नहीं रहा। करियर की शुरुआत में यामी ने बहुत कुछ झेला। छोटे पर्दे से अपना करियर शुरू करने वाली यामी को एक टी.वी. शो से केवल इसलिए निकाल दिया गया था क्योंकि वह डायरैक्टर से सवाल पूछ बैठी थी।

सहना पड़ा एक के बाद एक रिजैक्शन करियर की शुरुआत में काफी प्रयास के बाद जैसे-तैसे एक टी.वी. शो उसे मिला तो उसे पाकर वह बहुत खुश थी। हालांकि, यामी ने जब छोटे पर्दे पर शुरुआत की तो उसके 3 शो बेहद कम समय में ही बंद कर दिए गए थे।

एक बुरे अनुभव के बारे में यामी बताती है, ₹शो के पहले दिन मैंने एक सीन को लेकर सवाल किया था लेकिन सभी मुझे घूरकर देखने लगे कि तुम ऐसे कैसे पूछ सकती हो। जब मैं अगले दिन सैट पर गई और सक्रिप्ट पढ़ रही थी, तभी एक शख्स आया और कहा कि अब आप घर जा सकती हो। मुझे यह सुन कर बहुत बुरा लगा था।

वह छोटे पर्दे पर काम तो कर रही थी, पर कुछ अलग करना चाहती थी। हर दिन एक जैसा काम करते हुए वह थक गई थी। ऐसे में यामी ने शूट के बीच से वक्त निकालकर फिल्मों के लिए ऑडिशन देने शुरू किए लेकिन उसको शुरुआत में खूब रिजैक्शन झेलने पड़े। कर लिया था अभिनय छोड़ खेती करने का फैसला यामी बताती है कि जीवन में ये सारी कठिनाइयां और चुनौतियां भी बहुत जरूरी हैं क्योंकि इन्हीं से जिंदगी में आगे बढ़ने का हौसला मिलता है। उसने यह भी बताया कि 2018 आते-आते उसे ऐसा लगने लगा था कि अभिनय में वह कुछ खास नहीं कर पाएगी। तब उसने सोच लिया था कि वह खेती के फील्ड में कुछ करेगी पर इस साल हिट फिल्म 'ओ.एम.जी. 2' में नजर आई यामी अब अपने अभिनय करियर से खुश है।

खुल गया अनुष्का की 'प्रैग्नैंसी का राज !'

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में अपनी शादी की छठी सालगिरह मनाई। उनके बीच पहले तकरार हुई और उसके बाद प्यार हुआ तो इनकी शादी काफी बेमिसाल रही है। अनुष्का और विराट शादी के बाद एक बेटी वामिका कोहली के माता-पिता बन चुके हैं। । उधर अटकलों की मानें तो अब अनुष्का दूसरी बार उम्मीद से हैं।

वे दोनों अपनी प्राइवेसी को लेकर काफी सतर्क रहते हैं। जहां दोनों लाइमलाइट से दूर रहते हैं वहीं उनके फैन्स हैं कि इनके बारे में सब कुछ जानने के लिए हमेशा बेताब रहते हैं। छठी सालगिरह पर अनुष्का और विराट की एक फोटो वायरल हो रही है। इसमें अनुष्का ने अपने बेबी बम्प पर हाथ रखा है और विराट उसके कंधे पर हाथ रख मुस्कुरा रहा है। काफी समय से अनुष्का अपनी दूसरी बार मां बनने की अटकलों को लेकर सुर्खियों में है। हालांकि, उसने अभी तक इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन उसकी इस ताजा फोटो को देख कर सोशल मीडिया पर दावे किए जाने लगे हैं कि वह सच में प्रैग्नेंट है।

एक यूजर ने लिखा, 'इट्स कमफर्ड' (पक्का हो गया है) और दिल वाली इमोजी शेयर की। एक अन्य ने लिखा, 'विराट कोहली 2.0' । हालांकि, इससे पहले भी अनुष्का-विराट का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें दोनों एक-दूसरे का हाथ थामकर चलते नजर आ रहे थे। वीडियो में अनुष्का ब्लैक कलर के ढीले-ढाले कपड़े में अपना बेबी बम्प छुपाने की कोशिश करती दिख रही थी, जिससे उसके उम्मीद से होने की चर्चा और भी तेज हो गई। वैसे इस फोटो में उसका बेबी बम्प साफ तौर पर देखा जा सकता था। गौरतलब है कि अनुष्का जल्द ही क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक 'चकदा एक्सप्रेस' में नजर आएगी।

13 दिनों में एनिमल ने कमाए 772.33 करोड़

ग्लोबल कलेक्शन में तोड़ा 'पीके' का रिकॉर्ड

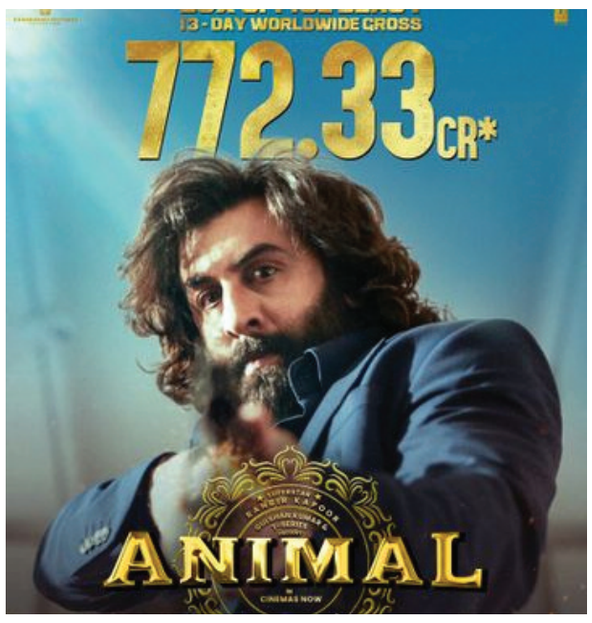

फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर 13वें दिन नया रिकॉर्ड बनाया है। बुधवार को फिल्म ने 14.6 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। अब 13 दिनों में इसकी कुल कमाई 772.33 करोड़ रुपए हो चुकी है। यह आमिर खान की 'PK' को पीछे छोड़कर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली छठी हिंदी फिल्म बन चुकी है। अब इसके आगे आमिर की ही फिल्म 'सीक्रेट सुपरस्टार' है जिसने वर्ल्ड वाइड 875 करोड़ रुपए कमाए थे।

दुनियाभर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉप हिंदी फिल्में

दंगल - 1968.03 करोड़
जवान- 1148.32 करोड़
पठान- 1050.3 करोड़
बजरंगी भाईजान- 918.18 करोड़
सीक्रेट सुपरस्टार- 875.78 करोड़
एनिमल- 772.33 करोड़*

वहीं बुधवार को इसने देशभर में 10 करोड़ रुपए कमाए। इसके साथ ही फिल्म का डोमेस्टिक कलेक्शन 467.84 करोड़ रुपए हो गया है। बुधवार को इसके हिंदी वर्जन की ऑक्यूपेंसी 16.60% रही। डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड की बात करें तो एनिमल फिलहाल 467.84 करोड़ के साथ चौथे नंबर पर है। लिस्ट में तीसरे नंबर पर 525.45 करोड़ रुपए कमाने वाली सनी देओल की 'गदर-2' है। गदर-2 का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए एनिमल को अभी डोमेस्टिक BO पर 57.61 करोड़ और कमाने होंगे।

सबसे ज्यादा डोमेस्टिक कलेक्शन करने वाली टॉप-5 हिंदी फिल्में

जवान- 643.87 करोड़
पठान- 543.05 करोड़
गदर 2- 525.45 करोड़
एनिमल- 467.84 करोड़*
दंगल- 387.38 करोड़

फिल्म के कलेक्शन में दूसरे वीकेंड के बाद से लगातार गिरावट देखने को मिली है। यह फिल्म का अब तक का सबसे लोएस्ट कलेक्शन है। हालांकि, उम्मीद है कि तीसरे वीकेंड में इसका कलेक्शन फिर बाउंस करेगा।

'बॉलीवुड' नहीं 'साउथ' में डेब्यू करेगी राशा

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी इन दिनों किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती है। राशा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव है और वह आए दिन अपनी तस्वीरें वहां शेयर करती रहती है। हाल ही में उसने अपनी हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी की है। 18 वर्षीय राशा अब अपनी मां की तरह ही फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रही है। वह जल्द ही साऊथ की फिल्मों में डेब्यू करने वाली है।

खबरें हैं कि राशा साऊथ के सुपरस्टार राम चरण के साथ अपनी पहली फिल्म करेगी। यह एक तेलुगु फिल्म होगी, जिसमें राशा खुद से 20 साल बड़े राम चरण के साथ रोमांस करती नजर आएगी। सूत्रों के अनुसार राशा ने इस फिल्म के लिए ऑडिशन भी दे दिया है और वह फिल्म की लीड एक्ट्रैस के तौर पर फाइनल भी हो चुकी है।

300 करोड़ की फिल्म

सूत्रों के अनुसार राम चरण की यह फिल्म 300 करोड़ रुपए के बजट में बनेगी, जिसे साऊथ के मशहूर डायरैक्टर बुच्ची बाबू सना डायरैक्ट करने वाले हैं। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म होगी। हालांकि, अभी तक फिल्म की आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं हुई है लेकिन सूत्रों की मानें तो मेकर्स जल्द ही इस फिल्म की घोषणा करने वाले हैं।

अभिनय राशा का जुनून है

रवीना ने अपनी बेटी को लेकर एक इंटरव्यू में कहा था कि वह चाहती है कि उसकी बेटी फिल्मी दुनिया में अपनी किस्मत आजमाए लेकिन इससे पहले वह अपनी पढ़ाई पूरी कर ले, ताकि वह अपने पैरों पर खड़ी हो सके। उसने यह भी बताया था कि अभिनय उसका जुनून है, उसका प्यार है। रवीना ने बताया कि वह एक बार को-स्टार के साथ सीन शूट कर रही थी, जो फिल्म में विलेन का रोल कर रहे थे। विलेन के साथ एक रफ सीन शूट करते हुए गलती से उसके होंठ को-स्टार के होठों से छू गए। शॉट खत्म होने के बाद रवीना सीधे अपने कमरे में गई और उल्टी कर दी। रवीना ने बताया था कि उसका मन खराब हो गया और वह इसे सहन नहीं कर पा रही थी। उसका रिएक्शन ऐसा था कि छी, जाओ अपने दांत ब्रश करके आओ, कम से कम 100 बार धुलो यार तुम।

क्या बेटी करेगी कैमरे के सामने किसिंग

रवीना से उसकी बेटी के ऑनस्क्रीन किसिंग को लेकर सवाल पूछा गया तो उसने कहा कि यह उस पर निर्भर करता है। अगर उसे किस करने में कोई दिक्कत नहीं है तो मैं मना नहीं करूंगी लेकिन अगर वह ऐसा कुछ नहीं करना चाहती तो किसी में इतनी हिम्मत नहीं कि उससे ऐसा करवा सके।

पूजा हेगड़े को जान से मारने की धमकी

एक फेमस पैपराजी अकाउंट ने जिक्र किया था कि पूजा हेगड़े को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिली थी, जब उनकी दुबई में किसी के साथ तीखी बहस हो गई थी। हालांकि बाद में पैपराजी अकाउंट से इस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया था।

अब पूजा की टीम ने इस बात को सिरे से नकार दिया है। उनकी टीम का कहना है कि पूजा को ऐसी कोई धमकी नहीं मिली है। ये बातें सिर्फ अफवाह थीं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टीम ने कहा- हमें नहीं पता कि यह फर्जी खबर किसने शुरू की। यह पूरी तरह से झूठ है।

बता दें, पूजा कुछ समय पहले दुबई के एक क्लब के उद्घाटन समारोह में शामिल हुई थीं।

पूजा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

आने वाले दिनों में पूजा शाहिद कपूर के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा में दिखाई देंगीं। फिल्म का डायरेक्शन रोशन एंड्रयूज द्वारा किया जा रहा है। देवा अक्टूबर 2024 में रिलीज होगी।

पूजा की झोली में हाउसफुल 5 भी है। फ्रेंचाइजी की 5वीं फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन, बॉबी देओल, कृति सेनन, कृति खरबंदा, जैकलीन फर्नांडीज, दिशा पटानी और चंकी पांडे जैसे कलाकार दिखेंगे। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इस साल पूजा को फिल्म किसी का भाई किसी की जान में देखा गया था। ईद के मौके पर रिलीज हुई ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई थी। फिल्म में पूजा के अलावा सलमान खान, शहनाज गिल, राघव जुयाल, पलक तिवारी जैसे सेलेब्स नजर आए थे।

फिल्म मोहनजो दरो से बॉलीवुड डेब्यू किया था

पूजा के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने 2012 की तमिल फिल्म मुगामूदी से एक्टिंग डेब्यू किया था। वहीं उन्होंने बॉलीवुड में फिल्म मोहनजो दरो से डेब्यू किया था। ये उनके करियर की चौथी फिल्म थी। फिल्म में उन्होंने पहली बार ऋतिक रोशन के साथ स्क्रीन शेयर किया था।

पूजा को सलमान खान, रवि तेजा, अल्लू अर्जुन, जूनियर एनटीआर और प्रभास जैसे एक्टर्स के साथ फिल्मी पर्दे पर देखा गया है।

फिल्मों में आने से पहले पूजा ने 2009 में मिस इंडिया कॉम्पिटिशन में पार्टिसिपेट किया था, लेकिन वो पहले ही राउंड में बाहर हो गई थीं। फिर उन्होंने 2010 के मिस इंडिया कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया। इस बार वो सेकेंड रनरअप रही थीं।

51 करोड़ रुपए की

झूठी

मालकिन हैं पूजा

पूजा की कुल नेटवर्थ 51 करोड़ रुपए है। वो एक फिल्म के लिए 3-4 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं। वहीं वो प्रति महीना 50 लाख रुपए की कमाई करती हैं। पूजा ब्रांड एंडोर्समेंट से भी मोटी कमाई करती हैं। वो एक ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 35 से 40 लाख रुपए चार्ज करती हैं।

अपने वनडे करियर में सबसे ज्यादा रन देने वाले 3 दिग्गज भारतीय गेंदबाज

क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में गेंदबाजों की भूमिका काफी अहम होती है। क्रिकेट इतिहास को अगर उठाकर देखें तो अभी तक जिस भी टीम के पास बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण रहा है, उसने बड़े टूर्नामेंट्स में ज्यादा सफलताएं हासिल की हैं। अब तक के क्रिकेट इतिहास में कई महान गेंदबाज हुए हैं। वसीम अकरम, वकार यूनिस, कर्टनी वॉल्श, ग्लेन मैक्ग्रा, शोएब अख्तर और ब्रेट ली जैसे दिग्गज गेंदबाजों का नाम इस लिस्ट में प्रमुख है।

वनडे हो या टेस्ट किसी भी टीम की जीत-हार में गेंदबाजों के प्रदर्शन के काफी मायने होते हैं। क्रिकेट में कहा जाता है कि आप बल्लेबाजों के भरोसे एक या दो मैच जीत सकते हैं लेकिन अगर आपको कोई सीरीज या टूर्नामेंट जीतना है तो फिर गेंदबाजों को जबरदस्त प्रदर्शन करना होगा। यही वजह है कि गेंदबाजी की अहमियत काफी बढ़ जाती है।

एक गेंदबाज की कोशिश हमेशा यही होती है कि वो रन तो बचाए ही साथ में विकेट भी लेकर दे। हालांकि कई गेंदबाज ऐसे होते हैं जो काफी महंगे भी साबित होते हैं। वो अपने स्पेल में काफी ज्यादा रन दे देते हैं। आइए जानते हैं कि भारत की तरफ वनडे में सबसे ज्यादा रन देने वाले 3 भारतीय गेंदबाज कौन-कौन से हैं।

अनिल कुंबले इस लिस्ट में पहले नंबर पर हैं

वनडे में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन खर्च करने का रिकॉर्ड अनिल कुंबले के नाम है। अनिल कुंबले काफी सालों तक भारतीय टीम के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेले और टीम को मैच जिताए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने का भी रिकॉर्ड है। हालांकि कई बार वो वनडे में काफी महंगे भी साबित होते थे। अनिल कुंबले ने अपने क्रिकेट करियर में 1990 से लेकर 2007 तक कुल 271 वनडे मुकाबले खेले और इस दौरान 10412 रन खर्च किए। उन्होंने 337 विकेट भी इस दौरान चटकाए।

हरभजन सिंह

दिग्गज गेंदबाज हरभजन सिंह इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर हैं। हरभजन सिंह भारतीय टीम की तरफ से लगभग सभी मैचों में खेलते थे और शानदार गेंदबाजी भी करते थे। हालांकि कई बार बैट्समैन उनके पीछे पड़ जाते थे और उनके ओवर में काफी रन बनाते थे। हरभजन सिंह ने अपने वनडे करियर में 1998 से लेकर 2015 तक कुल 236 वनडे मुकाबले खेले और इस दौरान 8973 रन खर्च किए। हरभजन सिंह के नाम वनडे में 269 विकेट भी हैं। वो काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं।

जवागल श्रीनाथ

इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ हैं। श्रीनाथ अपने जमाने के बेहतरीन गेंदबाज थे और भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई किया करते थे। उन्होंने 1991 से लेकर 2003 तक 229 वनडे मुकाबले भारतीय टीम की तरफ से खेले और इस दौरान 8847 रन खर्च किए।

2003 वर्ल्ड कप का फाइनल आपको याद ही होगा, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ काफी रन बनाए थे। उस गेंदबाजी आक्रमण में जवागल श्रीनाथ भी शामिल थे। उन्होंने अपने वनडे क्रिकेट करियर में 315 विकेट चटकाए।

श्रेयस अय्यर के पास लौटी कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी, नीतीश राणा को मिली यह जिम्मेदारी

आईपीएल के आगामी सीजन के लिए सभी टीमों ने तैयारी शुरू कर दी है। 19 दिसंबर को दुबई में खिलाड़ियों की नीलामी होनी है। उससे पहले दो बार की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स ने अपने कप्तान के नाम की घोषणा कर दी है। श्रेयस अय्यस आगामी सीजन में टीम की कमान संभालेंगे। वह 2023 सीजन में चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह नीतीश राणा ने कप्तानी की थी।

गुरुवार (14 दिसंबर) को कोलकाता नाइटराइडर्स के प्रबंधन ने श्रेयस अय्यर को फिर से कप्तानी सौंपनी की घोषणा की। इस सीजन में नीतीश राणा उपकप्तान होंगे। अय्यर चोट के कारण सिर्फ आईपीएल ही नहीं बल्कि कई अंतरराष्ट्रीय सीरीज में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने लंदन में सर्जरी करवाई थी।

वेंकी मैसूर ने की अय्यर की तारीफ

फ्रेंचाइजी के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा कि वह खुश हैं कि अय्यर वापस आ गए हैं और कप्तानी संभालनी के लिए पूरी तैयार हैं। जिस तरह से उन्होंने अपनी चोट से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की है और जिस तरह का फॉर्म उन्होंने दिखाया है, वह उनके मेहनत का प्रमाण है।

विश्व कप में किया शानदार प्रदर्शन

श्रेयस ने सितंबर में एशिया कप से टीम में वापसी की थी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में मोहाली में 86 गेंदों में शतक के साथ फॉर्म में वापसी की। हाल ही में समाप्त हुए विश्व कप में उन्होंने चौथे नंबर पर अहम योगदान दिया। अय्यर ने 11 पारियों में 66.25 की औसत से दो शतक और तीन अर्द्धशतक की मदद से 530 रन बनाए।

श्रेयस अय्यर ने क्या कहा?

नीतीश राणा की कप्तानी में कोलकाता की टीम पिछले सीजन में सातवें स्थान पर रही थी। श्रेयस ने फिर से कप्तानी मिलने के बाद कहा, "मेरा मानना है कि पिछले सीजन में हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें चोट के कारण मेरी अनुपस्थिति भी शामिल थी। नीतीश ने न केवल मेरी जगह भरने के लिए बल्कि अपने सराहनीय नेतृत्व के साथ भी बहुत अच्छा काम किया। मुझे खुशी है कि केकेआर ने उन्हें उप-कप्तान बनाया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इससे नेतृत्व समूह मजबूत होगा।

वीरेंदर सहवाग का नाम सुनते ही ये बातें हमारे दिमाग में आती हैं

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज़ वीरेंदर सहवाग उन चंद खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें फैन्स काफी मिस करते हैं। वह ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी तो करते ही थे, साथ ही वह विपक्षी टीम पर माइंड गेम में भी आगे रहते थे। सहवाग ने 104 टेस्ट मैचों में 50 से कम के औसत से 8586 रन बनाये थे। वहीं वीरू ने 251 वनडे मैचों में 35 के औसत से 8273 रन बनाये हैं। लेकिन उनकी बल्लेबाज़ी की सबसे खास बात उनका स्ट्राइक रेट रहा है, जो टेस्ट में 82 और वनडे में 104 का था। वीरेंदर सहवाग की जब भी चर्चा होती है, तो ये 4 बातें हमारे जेहन में आ जाती हैं।

आक्रामक बल्लेबाज

सहवाग ऐसे बल्लेबाज़ माने गये हैं, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया है। उनकी बल्लेबाज़ी पूरी तरह से हैंड-आई कोऑर्डिनेशन पर ही डिपेंड रही है। विकेट कैसी है, कैसी परिस्थितियां हैं और गेंदबाज़ कौन सा है। सहवाग ने इस बारे में कभी सोचा ही नहीं। नजफ़गढ़ के नवाब ने सिर्फ गेंद को हिट किया। वह गेंदबाजों के लिए किसी दुस्वप्न से कम नहीं थे। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाज़ी से भारत को कई मैच जिताए।

पहली गेंद पर चौका

एम एस धोनी की आदत थी कि वह आखिरी गेंद पर छक्का मारते थे, तो वहीं वीरू को फैन्स इसलिए याद रखते हैं कि वह पहली गेंद पर चौका जड़ते थे। साल 2011 के वर्ल्ड कप फाइनल, 2013 में सेल्कन कप के फाइनल और एशिया कप के फाइनल में धोनी ने छक्का जड़कर भारतीय टीम को जीत दिलाई थी।

छक्का जड़कर कीर्तिमान बनाना

सहवाग को इस वजह से सबसे ज्यादा याद किया जाता है। कोई बल्लेबाज़ ऐसे मौके पर छक्का मारने की सोचता नहीं था। सामान्यतः 50, 100, 150 और 200 के करीब पहुंचने वाला बल्लेबाज़ आराम से खेलना पसंद करता है। लेकिन सहवाग ने बतौर बल्लेबाज़ अपने शतक और तिहरे शतक के मौके पर छक्का जड़ा और अपने ही अंदाज में माइलस्टोन को हासिल किया।

ट्विटर किंग

भारतीय क्रिकेट के दीवाने आज भी सहवाग को मिस करते हैं। हालांकि संन्यास के बाद सहवाग ने एक नए अंदाज में खुद को व्यस्त रखा है। सहवाग ट्विटर पर काफी एक्टिव रहते हैं और अपने ट्वीट से भी वो सबका खूब मनोरंजन करते हैं। ट्विटर पर उनका अपना एक अलग अंदाज है।

'ग्लेन मैक्सवेल टेस्ट खेलने के काबिल नहीं' ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज के बयान से मचा बवाल

ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में खेला जा रहा है। इस मैच के बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रह चुके रिकी पॉन्टिंग ने चौंकाने वाला बयान दिया है। रिकी पॉन्टिंग ने ग्लेन मैक्सवेल को लेकर कहा कि वह टेस्ट खेलने के काबिल नहीं हैं।

ग्लेन मैक्सवेल के दोबारा टेस्ट क्रिकेट वापसी पर चैनल से बात करते हुए रिकी पॉन्टिंग ने कहा कि, 'कोई भी तब तक मौके का हकदार नहीं है जब तक कि वह प्रथम श्रेणी में ढेर सारे रन नहीं बनाता है। मैं नहीं मानता कि वो इसके लायक है। लेकिन अगर मैक्सवेल को वापस आना है तो वह प्रथम श्रेणी में जाए वहां रन बनाए और फिर जबरदस्त तरीके से वापस ऑस्ट्रेलिया टीम में वापस आए।'

वहीं पॉन्टिंग के पहले ग्लेन मैक्सवेल ने अपने टेस्ट टीम में वापसी को लेकर कहा कि, 'मैं वर्तमान परिस्थितियों से भली-भांति जानता हूं। ऑस्ट्रेलियाई टीम वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेल रही है। वह टेस्ट चैंपियन हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में स्थान हासिल करने की संभावना बहुत कम है। वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन हैं।'

ग्लेन मैक्सवेल का बल्ला ऑस्ट्रेलिया के लिए लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट में जमकर चलता है। हालांकि टेस्ट फॉर्मेट में उनका बल्ला अभी तक शांत ही रहा है।

मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ 7 टेस्ट मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 26.08 की औसत से 339 रन बनाए हैं। हाल ही में संपन्न हुए वर्ल्ड कप 2023 में ग्लेन मैक्सवेल ने कमाल का प्रदर्शन किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

मैक्सवेल ने वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ दोहरा शतक भी लगाया था। इस मैच में वह क्रैम्प से जूझ रहे थे। हालांकि अपनी इस चोट के बाद भी मैक्सवेल ने बल्लेबाजी जारी रखी और 201 रनों की पारी खेल ऑस्ट्रेलिया को मैच जिताया था।

वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल हारने के कुछ दिन मुश्किल भरे रहे थे - कुलदीप यादव

टीम इंडिया के दिग्गज स्पिनर कुलदीप यादव ने भारतीय टीम को वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में मिली हार को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। कुलदीप यादव ने बताया कि किस तरह से इस मैच में मिली हार के बाद उनके लिए कुछ दिन काफी मुश्किल भरे रहे, क्योंकि हर रोज उन्हें इस फाइनल की याद आ जाती थी। कुलदीप के मुताबिक 7-10 दिन के बाद चीजें नॉर्मल होने लगीं।

वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने अहमदाबाद में भारत को 6 विकेट से हरा दिया था और छठी बार वर्ल्ड चैंपियन बने। भारत ने पहले खेलते हुए 50 ओवर में 240 का मामूली स्कोर बनाया था, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली थी और भारतीय फैन्स को एक बार फिर से निराश होना पड़ा था। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी काफी खराब रही थी। भारतीय टीम ने वर्ल्ड कप 2023 के दौरान लगातार 10 मुकाबले जीते थे लेकिन फाइनल में आकर ऑस्ट्रेलिया से वो हार गए।

शुरुआत के कुछ दिन मुश्किल भरे रहे थे - कुलदीप यादव

कुलदीप यादव इस वक्त साउथ अफ्रीका टूर पर हैं, जहां पर तीसरे टी20 मैच में उन्होंने काफी अच्छी गेंदबाजी की। मैच के बाद जब उनसे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, शुरुआत में तो कुछ दिन काफी मुश्किल भरे रहे। पहले 7-10 दिन काफी मुश्किल रहे, क्योंकि जब भी मैं सुबह उठता था तो वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार परेशान करने लगती थी।

हालांकि जीवन आगे बढ़ता रहता है। मुझे साउथ अफ्रीका में खेलने का मौका मिला और आखिरी बार मैंने यहां पर 2018 में खेला था और इसी वजह से यहां के कंडीशंस के बारे में मुझे अच्छी तरह से पता है। क्रिकेट में आप चाहते हैं कि इस तरह की चीजें ना हों और आपको ऐसी चीजों से सीखना होता है, ताकि आने वाले मुकाबलों में वही गलती ना दोहराएं।

सरकार ने रेसवॉकर प्रियंका गोस्वामी, ग्रीको-रोमन पहलवानों के विदेश में प्रशिक्षण के प्रस्ताव को मंजूरी दी

युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने अपनी हालिया बैठक में रेसवॉकर प्रियंका गोस्वामी के कोच ब्रेंट वालेंस के तहत ऑस्ट्रेलिया में प्रशिक्षण लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। प्रियंका, जो पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय एथलीट थीं, ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा के पास एक उच्च ऊंचाई वाले प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण लेंगी और आगामी ओलंपिक की तैयारी के लिए कुछ स्थानीय प्रतियोगिताओं में भी भाग लेंगी।

मंत्रालय ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि वित्तीय सहायता में प्रियंका का हवाई किराया, बोर्डिंग/आवास की लागत, खेल विज्ञान सहायता के लिए व्यय, कोचिंग शुल्क और जेब से भत्ता सहित अन्य खर्च शामिल होंगे। प्रियंका के अलावा, एमओसी ने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) डेवलपमेंट ग्रुप ग्रीको रोमन पहलवानों आशु (67 किग्रा), सूरज (55 किग्रा) और रोनित शर्मा (48 किग्रा) के अल्माटी, कजाकिस्तान में एक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी।

मंत्रालय ने कहा कि सरकार अन्य खर्चों के अलावा तीन पहलवानों, उनके कोच, फिजियोथेरेपिस्ट और स्पारिंग पार्टनर्स के हवाई किराए और बोर्डिंग/आवास की लागत के साथ-साथ तीन एथलीटों के लिए अपनी जेब से भत्ता भी वहन करेगी। इसके अलावा, विदेशी कोच डेनियल डि स्पिग्नो के साथ एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता के लिए निशानेबाज भवनेश मेंदीरत्ता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई है।

स्पिग्नो दूसरे चयन परीक्षण के दौरान भारत में रहकर ब्राउनीश को प्रशिक्षित करेगा। टॉप्स इस अवधि के लिए उनका हवाई किराया, डेनियल की कोचिंग फीस, वीजा लागत और बोर्डिंग और लॉजिंग लागत को कवर करेगा। एमओसी ने शूटिंग किट की खरीद के लिए वित्तीय सहायता के लिए निशानेबाज रमिता, तीरंदाजी उपकरण की खरीद के लिए वित्तीय सहायता के लिए तीरंदाज यशदीप भोगे, खेल उपकरण (क्लब) की खरीद के लिए वित्तीय सहायता के लिए पैरा-एथलीट प्रणव सूरमा के प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी।

डब्ल्यूटीटी फीडर बायला, इटली में भाग लेने के लिए पैडलर मनिका बत्रा के लिए वित्तीय सहायता और बैडमिंटन खिलाड़ियों किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय के लिए कई प्रतियोगिताओं के दौरान सहायक कर्मचारियों के लिए वित्तीय सहायता को भी मंजूरी दी गई है।

मैंने तुम्हारी वजह से क्रिकेट से संन्यास लिया...एबी डीविलियर्स ने भारत के दिग्गज गेंदबाज को लेकर दिया बड़ा बयान

साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डीविलियर्स ने अपने संन्यास को लेकर एक बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा है कि टीम इंडिया के प्रमुख स्पिनर युजवेंद्र चहल बार-बार उनको आउट कर रहे थे और इसी वजह से उन्होंने तंग आकर क्रिकेट से संन्यास ले लिया। डीविलियर्स के मुताबिक वो चहल के 'बनी' बन गए थे।

दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी एबी डीविलियर्स ने 2021 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उनके इस फैसले से उस वक्त हर कोई हैरान था, क्योंकि डीविलियर्स अच्छी खासी बल्लेबाजी कर रहे थे और पूरी तरह से फिट भी थे। डीविलियर्स ने अपने आप को क्रिकेट जगत के शीर्ष बल्लेबाजों में स्थापित किया था। उन्होंने 114 टेस्ट मैचों में 8765 रन बनाए थे और उच्चतम स्कोर 278 रन रहा। वहीं 228 एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 9577 बनाए।

युजवेंद्र चहल मेरे खिलाफ काफी सफल रहे थे - एबी डीविलियर्स

एबी डीविलियर्स ने अब बड़ा

खुलासा करते हुए बताया कि 2018 में जब इंडिया की टीम ने साउथ अफ्रीका का दौरा किया था तो उस वक्त युजवेंद्र चहल ने उन्हें काफी परेशान किया था। डीविलियर्स ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान कहा था, मैं अपने होम ग्राउंड सेंचूरियन में खेल रहा था और मुझे याद है कि गर्मी बहुत पड़ रही थी। 30 रन के आस-पास बनाकर मैं काफी थक चुका था और सोचा कि कुछ आसान बाउंड्री लगाऊं। हालांकि चहल को ये बात पता थी कि मैं हिट लगाने की कोशिश करुंगा। उनके पास काफी दिमाग है, क्योंकि वे चेस प्लेयर हैं। मुझे अभी भी बेल्स का साउंड याद है।

उसके लिए युजवेंद्र चहल आपको धन्यवाद। आप ही वो असली कारण थे, जिसकी वजह से मैंने संन्यास लिया था। मैं अब आपका बनी हूं। आपको बता दें कि युजवेंद्र चहल और एबी डीविलियर्स आईपीएल में कई सालों तक आरसीबी के लिए साथ में खेले।

एशिया में दिखी भारत की 'बादशाहत', परेशान हैं शंघाई-हॉन्गकॉन्ग, जापान में आई आफत!

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया में सबसे तेज इकोनॉमिक ग्रोथ रखने वाला और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी भारत की बादशाहत पूरे एशिया में दिखाई देने लगी है। दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी परेशान और हैरान हैं कि भारत को रोका कैसे जाए।

अगर बात शेयर बाजार की करें तो गुरुवार को भारतीय मार्केट में एशिया के तमाम बड़े बाजारों के मुकाबले सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। एशिया के दो सबसे बड़े शेयर बाजारों शंघाई और टोक्यो दोनों लाल निशान पर दिखाई दिए। हॉन्गकॉन्ग और कोरियन बाजार हरे निशान पर जरूर बंद हुए।अगर बात पूरे दिसंबर की करें तो भारत और कोरियन मार्केट को छोड़ कोई भी बड़ा एशिया में हरे निशान पर नहीं था। इसका मतलब है कि उन बाजारों के निवेशकों को नुकसान के अलावा कुछ भी नहीं हुआ। सबसे ज्यादा नुकसान शंघाई और हॉन्गकॉन्ग को हुआ है। जापान के शेयर बाजार में दो हफ्तों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। आइए बीते दो हफ्तों में भारत समेत एशिया के बड़े बाजारों की ओर नजर दौड़ाते हैं और देखते है कि कौन कितना डूबा है और भारत की दबंगई किस तरह देखने को मिली है।

सेंसेक्स में सबसे ज्यादा तेजी

बांबे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में गुरुवार को नए रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। आज सेंसेक्स 929.60 अंकों की तेजी के साथ 70,514.20 अंकों पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र के दौरान 70,602.89 अंकों के साथ रिकॉर्ड लेवल पर दिखाई दिया। अगर बात दिसंबर की करें तो दो हफ्तों में सेंसेक्स में 5.26 फीसदी की तेजी देखने को मिल चुकी है।

निफ्टी भी रिकॉर्ड लेवल पर

दूसरी ओर भारत के ही दूसरे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी ने भी नया रिकॉर्ड कायम किया है। निफ्टी आज 256.35 यानी 1.23 फीसदी की तेजी के साथ 21,182.70 अंकों पर बंद हुआ। वैसे कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी 21,210.90 अंकों के साथ रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। वैसे निफ्टी में बीते दो हफ्तों में 5.21 फीसदी का रिटर्न दे चुका है।

शंघाई में बड़ी गिरावट

चीन के शेयर बाजार का शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में आज गिरावट देखने को मिली है। गुरुवार को शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 2,958.99 अंकों पर बंद हुआ। वैसे दिसंबर के महीने में शंघाई कंपोजिट में गिरावट ही देखने को मिलती रही है। बीते दो हफ्तों में यह 2.33 फीसदी टूट चुका है।

नेक्क्ई में भी हुआ नुकसान

जापान की राजधानी टोक्यो भी शेयर बाजार में गिरावट की वजह से काफी परेशान रहा है। जापान का प्रमुख सूचकांक नेक्क्ई में गुरुवार को भी 240 अंकों की गिरावट देखने को मिली और 32,686.25 अंकों पर बंद हुआ। वैसे नेक्क्ई में दिसंबर के महीने में गिरावट ही देखने को मिली है। बीते दो हफ्तों में इसमें 2.39 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है।

हॉन्गकॉन्ग में भी बिगड़े हुए हैं हालात

भले ही गुरुवार को हॉन्गकॉन्ग के हेंगसेंग इंडेक्स में तेजी देखने को मिली है। हेंगसेंग एक फीसदी यानी 173.44 अंकों की तेजी के साथ 16,402.19 अंकों पर बंद हुआ है।

लेकिन दिसंबर के महीने में हॉन्गकॉन्ग के बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिल चुकी है। बीते दो हफ्तों हेंगसेंग में 3.76 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है।

कोरियन बाजार में राहत

दूसरी ओर कोरियन मार्केट कॉस्पी में निवेशकों के लिए राहत की खबर है। दिसंबर के महीने में ज्यादा तेजी ना देखने को मिली हो, लेकिन हरे निशान पर जरूर रहा है। अगर बात आज की करें तो कॉस्पी में 1.34 फीसदी की तेजी देखने को मिली और 2,544.18 अंकों पर बंद हुआ। बीते दो हफ्तों में कॉस्पी ने निवेशकों को मात्र 0.35 फीसदी का रिटर्न दिया है।

नए साल में नया बिजनेस, मार्च से शुरू हो जाएगा अडानी का कॉपर प्लांट, इतना होगा प्रोडक्शन

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे अमीर लोगों में एक गौतम अडानी के अडानी समूह के लिए नया साल साबित होने वाला है। साल के शुरुआती महीनों में ही अडानी के नए बिजनेस की शुरुआत होने वाली है। अडानी का यह नया बिजनेस देश के लिए भी काफी अहम साबित होने वाला है।

80 फीसदी बढ़ेगी देश की क्षमता

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अडानी का प्रस्तावित कॉपर प्लांट अगले साल मार्च से परिचालन शुरू कर देगा। यह प्लांट आने वाले दिनों में मेटल प्रोडक्शन में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाने में अहम साबित होने वाला है। शुरुआत में इसकी क्षमता सालाना 5 लाख टन अयस्क हैंडल करने की होगी। बाद में इसका प्रोडक्शन बढ़ाया जाएगा और पूरे टारगेट को हासिल करने के बाद यह देश के टोटल प्रोडक्शन में 80 फीसदी का इजाफा करेगा।

इस प्रतिकूल असर की आशंका

हालांकि ब्लूमबर्ग ने इसके साथ ही एक आशंका भी जाहिर की है। रिपोर्ट में इस बात की आशंका जताई गई है कि अडानी के इस प्लांट की शुरुआत से कॉपर के अयस्क के मामले में ग्लोबल डिमांड-सप्लाई बैलेंस पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है, जो पहले से ही गंभीर स्थिति में है। अभी दुनिया भर में अयस्क की उपलब्धता की कमी का संकट छाया हुआ है, जो इस प्लांट के शुरू होने के बाद और गंभीर हो सकता है।रिपोर्ट के अनुसार, पनामा में एक प्रमुख खदान बंद हो गया है। एंग्लो अमेरिकन पीएलसी के द्वारा मैनेज हो रहे परिचालन में बड़ी कटौती आई है। इससे दुनिया भर में अयस्क की उपलब्धता कम हुई है। भारत की बात करें तो अभी अयस्क की ज्यादातर जरूरतों की पूर्ति आयात से होती है। भारत को 90 फीसदी से ज्यादा अयस्क आयात करना पड़ता है और उनमें ज्यादातर हिस्सा दक्षिणी अमेरिका से आता है।

वेदांता के साथ देश का नुकसान

कॉपर के मामले में भारत में एक समय वेदांता सबसे आगे थी। हालांकि वेदांता का परिचालन 2018 में बंद हो गया। उसके बाद देश में कॉपर के प्रोडक्शन में भारी गिरावट आई और भारत को नेट इम्पोर्टर बनना पड़ गया। इंटरनेशनल कॉपर एसोसिएशन इंडिया के अनुसार, भारत में कॉपर की 15 लाख टन की डिमांड के मुकाबले आउटपुट कम होकर मार्च 2023 तक 5.63 लाख टन पर आ गया।

आसमान पर पहुंचे सोने के भाव, चांदी भी हुई महंगी, दाम देखकर आ जाएगा पसीना

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज तेजी देखने को मिल रही है। सोने के भाव अब 63 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गए हैं। वहीं चांदी की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। चांदी महंगी हुई है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एक समय 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर चल रहा सोना अब महंगा हो गया है। सोना आने वाले समय में कीमतें और बढ़ सकती हैं। पिछले दिनों गोल्ड की कीमतों में गिरावट देखने को मिली थी। अगर आप सोना खरीदने की योजना बना रहे हैं तो एक बार इसके लेटेस्ट रेट जरूर चेक कर लें। एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी शुक्रवार की सुबह 5 फरवरी 2024 की डिलीवरी वाला सोना बढ़त के साथ 62,479 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। सोना बीते गुरुवार की शाम को 62,454 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। वहीं 5 अप्रैल 2024 को डिलीवरी वाला सोना आज उछलकर 62,955 रुपये के भाव पर खुला है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर शुक्रवार की सुबह 5 मार्च 2024 की डिलीवरी वाली चांदी बढ़त के साथ 75,959 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली है। वहीं 3 मई 2024 को डिलीवरी वाली चांदी आज 75,960 रुपये के स्तर पर खुली है।

शुक्रवार की सुबह सोने की वैश्विक कीमतों में भी तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.31 फीसदी या 6.30 डॉलर की बढ़त के साथ 2051.20 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 2035.41 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है। सोने के साथ ही चांदी के वैश्विक भाव में भी शुक्रवार की सुबह उछाल देखा जा रहा है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.10 फीसदी या 0.02 डॉलर की तेजी के साथ 24.41 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 24.12 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। सोने और चांदी की कीमतों में बीते दिनों गिरावट देखने को मिली थी। सोने के भाव तीन हजार रुपये तक कम हो गए थे। गोल्ड की कीमत लुढ़कर 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के नीचे पहुंच गई थीं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	वृश्चिक.	04-29 बजे
चंद्र-	मकर में	धनु.....	06-42 बजे
मंगल	तुला में	मकर..	08-48 बजे
बुध-	धनु में	कुंभ...	10-40 बजे
गुरु-	मेष में	मीन ..	12-16 बजे
शुक्र-	तुला में	मेष--	13-53 बजे
शनि-	कुंभ में	वृष--	15-38 बजे
राहु-	मीन में	मिथुन..	17-38 बजे
केतु-	कन्या में	कर्क...	19-50 बजे
		सिंह....	22-03 बजे
		कन्या..	00-09 बजे
		तुला.....	02-18 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-42 सूर्यास्त - 17-40
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - **20 :00** - तक उपरान्त पंचमी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , शनिवार **16 December**
नक्षत्र - श्रवण - **04 : 36** - तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - ध्रुव - **07 : 02**- तक उपरान्त व्याघात
करण- वणिज - **09 :15** - तक उप- विष्टि
विशेष:- धनु संक्रांति- **15-58** से
व्रत -त्योहार - मल मास प्रारंभ

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:26 से 10:49 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	06:42 - 08:03 अशुभ	लाभ	17:40 - 19:20 शुभ
शुभ	08:03 - 09:26 शुभ	उत्पात	19:20 - 20:58 अशुभ
रोग	09:26 - 10:49 अशुभ	शुभ	20:58 - 22:35 शुभ
उत्पात	10:49 - 12:12 अशुभ	अमृत.	22:35 - 24:12 शुभ
चंचल	12:12 - 13:35 शुभ	चंचल.	24:12 - 01:49 शुभ
लाभ	13:35 - 14:57 शुभ	रोग.	01:49 - 03:26 अशुभ
अमृत	14:57 - 16:20 शुभ	काल.	03:26 - 05:03 अशुभ
काल	16:20 - 17:40 अशुभ	लाभ.	05:03 - 06:42 शुभ

'भारत वेनेजुएला से खरीदेगा कच्चा तेल'

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कारण

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत अब रूस के बाद वेनेजुएला से भी कच्चा तेल खरीदने की तैयार कर रहा है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय रिफाइनरियां दक्षिण अफ्रीकी देश के भारी तेल की प्रोसेसिंग करने में सक्षम हैं। एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में पुरी ने बताया कि नई दिल्ली हर उस देश से तेल का आयात करना चाहता है जो किसी प्रतिबंध के अंतर्गत नहीं आते हैं। भारत सरकार ने वेनेजुएला से पेट्रोलियम ऑयल खरीदने की मंशा ऐसे समय पर जाहिर की है जब अक्तूबर महीने में अमेरिका ने वेनेजुएला के तेल पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने का एलान किया था। ये प्रतिबंध साल 2018 में वेनेजुएला के मदुरो सरकार के दोबारा चुने जाने के बाद दंडित करने के लिए लगाए गए थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत वेनेजुएला तेल खरीदेगा। हमारे कई रिफाईनरी जिनमें एक पारादीप में स्थित है वहां के भारी तेल को प्रोसेस करने में सक्षम है। हम ऐसे किसी भी जगह से तेल आयात शुरू करने का मन बना रहे हैं जो प्रतिबंधित नहीं हैं। पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने आगे कहा कि हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हम हर दिन 50 लाख बैरल कच्चे तेल का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह संख्या हर दिन बढ़ रही है। ऐसे में यदि वेनेजुएला का तेल भारतीय बाजार में आता है तो हम उसका स्वागत करेंगे। भारत ने आखिरी बार 2020 में वेनेजुएला के कच्चे तेल का आयात किया था जब अमेरिका ने देश पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाए थे / अमेरिका ने 2018 के चुनाव के बाद मादुरो की सरकार को दंडित करने के लिए वेनेजुएला पर कठोर प्रतिबंध लगाए थे। दक्षिण अमेरिकी देश जल्द ही 1 मिलियन बीपीडी तक पहुंचने के लक्ष्य के साथ कच्चे तेल के लगभग 850,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) का उत्पादन कर रहा है। भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश है जिसने अपने ऊर्जा परिदृश्य को नया रूप देने के लिए एक रणनीतिक यात्रा शुरू की है। भारत विदेशी तेल पर बहुत अधिक निर्भर राष्ट्र के रूप में, जो अपनी जरूरतों का 80 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। भारत का लक्ष्य अपने कच्चे तेल के आयात बिल को कम करना और अपनी रिफाइनिंग क्षमताओं को बढ़ाना है। इस कड़ी में भारत वेनेजुएला से कच्चा तेल आयात करने का मन बना रहा है। वेनेजुएला साल 2014 से कच्चे तेल का उत्पादन कर रहा है। वहां 2016 तक 299,953,000,000 बैरल कच्चे तेल का रिजर्व था। यह देश दुनिया के सबसे अधिक कच्चे तेल के रिजर्व वाला देश है, जहां पूरी दुनिया में मौजूद कच्चे तेल का 18.2 फीसदी हिस्सा मौजूद है।

भूल जाएंगे अडानी-रिलायंस, रतन टाटा की कंपनी ने झटके में कमाए 66 हजार करोड़

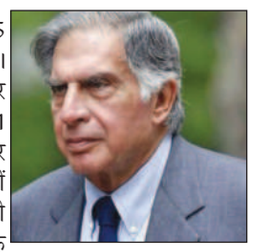

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत का शेयर बाजार आज 71 हजार के लेवल पर पहुंच गया है। वहीं देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी के शेयर में भी जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। वास्तव में अमेरिकी फेड के फैसले के बाद विदेशी बाजार में तेजी के साथ बंद हुए हैं। जिसकी वजह से देश के आईटी शेयरों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसलटेंसी के शेयर 52 हफ्तों के हाई पर कारोबार कर रहे हैं। जिसकी वजह से कंपनी के मार्केट कैप में 66 हजार करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है। साथ ही कंपनी का एमकैप 14 लाख करोड़ रुपए के पार हो गया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर शेयर बाजार में टाटा ग्रुप की सबसे बड़ी कंपनी के आंकड़ें किस तरह के देखने को मिल रहे हैं।

कंपनी के शेयर में जबरदस्त इजाफा

मौजूदा समय में कंपनी के शेयर में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। आंकड़ों के अनुसार मौजूदा समय में टीसीएस का शेयर 4.29 फीसदी यानी 157.15 रुपए के इजाफे के साथ 3823.75 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

जबकि आज कंपनी का शेयर करीब 5 फीसदी की तेजी के साथ 3846.60 रुपए पर 52 हफ्तों के हाई पर पहुंच गया। आज कंपनी का शेयर 3660.20 रुपए पर ओपन हुआ था और एक दिन पहले कंपनी के शेयर 3666.60 रुपए पर क्लोज हुआ था।वहीं दूसरी ओर टीसीएस के मार्केट कैप को भी कारोबारी सत्र के दौरान जबरदस्त फायदा हुआ है।

आंकड़ों के अनुसार कंपनी का मार्केट कैप 14 लाख करोड़ रुपए के पार चला गया। एक दिन पहले कंपनी का मार्केट कैप 13,41,943.55 करोड़ रुपए था। जब कंपनी का शेयर आज 3846.60 रुपए पर आया तो कंपनी मार्केट कैप 14,07,821.98 करोड़ रुपए पर आ गया। इसका मतलब है कि कंपनी के मार्केट कैप में कारोबारी सत्र के दौरान करीब 66 हजार करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक अवसर आज आप के लिए खुलने की संभावना है। निर्माण या अचल संपत्ति के कारोबार में निवेश आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है । हालांकि, अगर आप समय पर निर्णायक कार्रवाई करते है तभी आपको लाभ मिलेगा । अगर आप समय बर्बाद करेंगे तो अवसर आपके हाथ से निकल जाएंगे । संपत्ति से संबंधित ऋण भी आज मंजूर होने की संभावना है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

अगर आप अपनी क्षमता से कार्य करने की कोशिश करेंगे, तो आपके प्रयासों को उदारता से पुरस्कृत किया जाएगा , तो अपने काम और जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करे । आपकी ओर से की गयी कोई लापरवाही आप के लिए भारी पड़ सकती हैं, हालांकि दिन मौद्रिक लाभ के लिए शुभ है । आपका पिछला निवेश आपको अच्छी आमदनी दे सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

सौहार्द और सार्वभौमिक जयकार का माहौल आज आपके कार्यस्थल में रहेगा और आप जिस कार्य को करने में आम तौर पर नफरत करते है उसे आप आनंद के साथ करेंगे । आज आप अपने कार्य के लिए नए उत्साह एवं ऊर्जा पाएंगे और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए अपने सहयोगियों से सक्रिय समर्थन की प्राप्ति होने की भी संभावना प्रबल है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे । अपने कार्य को ढंग से समाप्त करने की ओर ध्यान लगाएं ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीजे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे । एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

अपनी नौकरी के क्षेत्र में बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योंकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।आपको एक नए क्षेत्र से अवसर प्राप्त हो सकता है। विभिन्न क्षेत्रों से आप अपने लिए नौकरियों खोजे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आप के खिलाफ की गई कुछ कार्रवाई करने के कारण प्रभावित हो रही है! आप पर संगठन का विश्वास और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है। अपने आप को शांत बनाए रखे और अन्य लोगों की जरूरतों पर विचार करें। यह जल्द ही अपने पक्ष में होगा ।

पं .महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

फेड रिजर्व ने करा दिया एप्पल को तगड़ा लाभ

अब इस नई ऊंचाई पर पहुंचा कंपनी का शेयर

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनी एप्पल ने अब नया रिकॉर्ड बना दिया है। अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व की ताजी बैठक के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। इस तरह एप्पल का शेयर नई रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंचने में कामयाब हुआ है।टेक फोकस्ड इंडेक्स नास्डैक पर गुरुवार का कारोबार समाप्त होने के बाद एप्पल के शेयर का भाव 0.07 फीसदी की तेजी के साथ 198.11 डॉलर पर बंद हुआ। इस तरह भारतीय करेंसी में एप्पल के एक शेयर की वैल्यू 16,500 रुपये के पास पहुंच गई है। कारोबार के दौरान एप्पल का शेयर एक समय 199.62 डॉलर तक गया, जो उसका नया रिकॉर्ड उच्च स्तर है। इससे पहले एप्पल के शेयर ने इंट्राडे में 19 जुलाई को 198.23 डॉलर का पीक छुआ था।एप्पल के शेयरों में पिछले कुछ दिनों से जबरदस्त रैली देखी जा रही है। इससे पहले बुधवार को शेयर नए हाई क्लोजिंग लेवल पर रहा था। उसके बाद गुरुवार को कंपनी का शेयर और ऊपर उठ गया और अब 200 डॉलर के लेवल से चंद कदम दूर है।

तूफानी तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, टीसीएस - इंफोसिस में तेजी के चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1560 अंकों का उछाल

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में भारतीय शेयर बाजार में तूफानी तेजी देखने को मिली है। आईटी स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी के चलते सेंसेक्स में जहां 1000 अंकों का उछाल देखा तो निफ्टी में 300 अंकों की तेजी देखी गई। सबसे बड़ी आईटी इंडेक्स में देखने को मिली है। आज बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 970 अंकों के उछाल के साथ 71,484 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 274 अंकों के उछाल के साथ 21,457 अंकों पर क्लोज हुआ है। बाजार में आज फिर आईटी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते शानदार तेजी देखने को मिली है। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1560 अंकों के उचाल के साथ 35,782 अंकों पर बंद हुआ है। दो दिनों में निफ्टी आईटी इंडेक्स में 2500 अंकों का उछाल आ चुका है। आईटी के अलावा बैंकिंग। मेटल्स, एनर्जी, इंफ्रा, ऑयल एंड गैस और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के स्टॉक्स हरे निशान में बंद हुए।

जबकि ऑटो, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, मीडिया, हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स भी तेजी के साथ बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 39 तेजी के साथ और 11 गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 22 तेजी के साथ और 8 गिरकर क्लोज हुए। शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में जोरदार तेजी देखने को मिली है। बीएसई का मार्केट कैप ऐतिहासिक हाई पर जाकर बंद हुआ है। 2.72 लाख करोड़ रुपये के उछाल के साथ लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 357.84 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 355.12 लाख करोड़ रुपये रहा था।

आज के ट्रेड में एचसीएल टेक 5.58 फीसदी, टीसीएस 5.28 फीसदी, इंफोसिस 5.20 फीसदी, एसबीआई 3.99 फीसदी, टाटा स्टील 3.33 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि नेस्ले 1.75 फीसदी, भारती एयरटेल 1.30 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.65 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सरकारी एवं प्राइवेट कर्मियों के लिए एनपीएस में अंशदान जमा करना हुआ आसान, क्यूआर कोड से ट्रांसफर होगी राशि

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण 'पीएफआरडीए' ने एनपीएस खातों में निवेश करने सब्सक्राइबर यानी अभिदाताओं को अब क्यूआर कोड के माध्यम से अंशदान जमा करने की सुविधा प्रदान की है। सरकारी और निजी, सभी तरह के अंशदाता इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। पीएफआरडीए द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि एनपीएस अभिदाता, अब डी-रेमिट-आधारित क्विक रिस्पांस 'क्यूआर' कोड का उपयोग कर अपने एनपीएस खाते में अंशदान जमा कर

सकते हैं। ध्यान देने वाली बात ये है कि जिन अभिदाताओं ने डी-रेमिट सक्षम किया है, केवल वे ही एनपीएस में क्यूआर कोड आधारित भुगतान प्रणाली का उपयोग कर सकते हैं। अभिदाता, सीआरए की वेबसाइट पर डी-रेमिट आईडी/वर्चुअल आईडी बना सकते हैं। पीएफआरडीए ने क्यूआर कोड द्वारा अंशदान जमा करने की प्रक्रिया भी बताई है। पीएफआरडीए द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि वर्तमान में अभिदाताओं को डी-रेमिट का उपयोग कर सीधे अपने बैंक खाते से अंशदान जमा करने का विकल्प प्रदान किया गया है। डी-रेमिट आईडी में 15 अंक होते हैं, जिन्हें अभिदाता के बचत बैंक खाते से स्वैच्छिक अंशदान जमा करते समय इंटरनेट बैंकिंग में लाभार्थी के रूप में जोड़ा जाता है। डी-रेमिट की सुविधा और इसके लाभों को पीएफआरडीए द्वारा दिनांक 12 मई 2020 और दिनांक एक अक्तूबर 2020 के परिपत्रों के माध्यम से प्रदान किया गया है।

1500 साल से बंदर का राज

राजा बंदर के मरने के बाद उसका बेटा ही बनता है राजा, सोने की कटोरी में लगता है भोग

गुवाहाटी, 15 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। असम में एक छोटा सा जिला है- गोआलपारा। राजधानी गुवाहाटी से अंदाजन 250 किलोमीटर दूर। गोआलपारा पिछले दिनों डिटेंशन सेंटर बनाए जाने की वजह से चर्चा में आया था। वैसे यह जिला तुकेश्वरी मंदिर की वजह से भी जाना जाता है। तुकेश्वरी मंदिर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है, यह देवी सती यानी पार्वती को समर्पित है। तुकेश्वरी मंदिर बंदर राजा की वजह से भी फेमस है। दरअसल पहाड़ों की गोद में बसे इस मंदिर में वानर साम्राज्य बसा है। यानी यहां बंदर राजा का राज है।

दरअसल यहां दो मंदिर हैं। एक नीचे पहाड़ों की तलहटी में और दूसरा ऊपर जिसके दर्शन करने के लिए 800 सीढ़ियां चढ़कर जाना होता है। पुजारी धीरेंद्र गोस्वामी ने कहा कि इस वक्त तो सीढ़ियां चढ़कर पहाड़ पर जाना मुनासिब नहीं है। यहां शाम चार बजे ही रात हो जाती है। ऊपर जाते वक्त रास्ते में घने पेड़ हैं और पहाड़ का रास्ता नंगे पांव तय करना होता है।

पुजारी जी ने एक लोकल व्यक्ति प्रसन्ना की डयूटी लगाई कि वह हमारे साथ-साथ लठ लेकर चलेगा। मैंने नीचे वाले मंदिर में पूजा की और हम सीढ़ियां चढ़ने लगे। यहां बंदर राजा को भोग लगाने की परंपरा है। मान्यता है कि अगर बंदर राजा किसी का भोग नहीं खाते हैं तो अपशगुन होता है। अगर खा लेते हैं तो जीवन में शुभ फल मिलता है। बंदर राजा और उनकी प्रजा के लिए हमने 500 रुपए के चने भी खरीदे। भक्त बंदर राजा के लिए यहां तरह-तरह के पकवान लेकर आते हैं हमने तो सिर्फ चने ही लिए हैं।

यहां सीढ़ियां चढ़ना आसान है, रास्ते से चलना मुश्किल । सारे बंदर ललचाई नजरों से देख रहे हैं कि उनके इलाके में नए-नए लोग आए हैं। वह खैं..खैं भी कर रहे हैं, लेकिन प्रसन्ना से वे डर रहे हैं। जैसे ही लठ लिए प्रसन्ना इधर-उधर होता है बंदर मुझ पर लपकने की कोशिश कर रहे हैं। लगभग 400 सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते किसी का भी हांफना वाजिब है। इससे ज्यादा चढ़ने की हिम्मत कम हो लोगों को होती है। हांफते-हांफते आखिरकार हम एक बहुत ही संकरी-सी सीढ़ी तक पहुंचे, जिन पर बंदर ही बंदर बैठे हैं। पहाड़ चढ़ने के रास्ते में सबसे पहले शंकर भगवान की प्रतिमा दिखाई देती है। यह भी कहते हैं कि इस जगह पर पांडव आए थे।

अब मैं आठ सौ सीढ़ियां चढ़कर ऊपर पहुंच चुकी हूं। यहां एक छोटा-सा लाल रंग से पुता एक मंदिर है। कुछ बंदर भी हैं। जैसे ही प्रसन्ना ने मुंह से एक आवाज निकाली तो चारों ओर बंदर ही बंदर, यहां बंदर, वहां बंदर, एक इंच भी बंदरों से खाली न था।

सारे बंदर खुश होकर चने खा रहे हैं, जैसे कोई पार्टी चल रही है। यहां के बंदरों को चने, फल, गुड़ खिलाया जाता है। मेरी निगाह राजा बंदर को खोज रही है। आखिर कौन है इन बंदरों का सरदार। कौन है इनका राजा। मैं पीछे देखा कि राजा बंदर अकबर की गोद में आकर बैठ गया है। अकबर वो शख्स है, जो मेरी मदद लोकल भाषा समझने में कर रहे हैं। जब अकबर ने देखा कि राजा बंदर उसकी गोद में बैठकर चने खा रहा है तो वह खुशी से निहाल हो गया कि उसकी किस्मत की लॉटरी लग गई।

ये अकबर हैं, इनके गोद में बैठकर बंदर राजा ने चना खाया। मुझ में इतनी हिम्मत नहीं थी कि बंदर को अपने हाथों से चने खिलाऊं। राजा बंदर भीड़ का हिस्सा नहीं बनता है। वह इन बंदरों के साथ बैठकर भी कुछ खाता नहीं है।

मंदिर के सचिव भगवतारण बर्मन बताते हैं कि तुकेश्वरी देवी मां पार्वती का रूप हैं। लगभग डेढ़ हजार साल पहले यहां राजा नर नारायण का राज हुआ करता था। उन्होंने ही इस मंदिर की प्रतिष्ठा की थी। उस वक्त यहां राजतंत्र था और राजा ने ही इन बंदरों को पाला था। राजा के मरने के बाद से बंदर यहां ऐसे ही रहे और आज भी रह रहे हैं। मंदिर के सचिव भगवतारण बर्मन बताते हैं कि हमारा अपने राजा से इतना प्रेम और उनके लिए इतना सम्मान है कि आज भी हम इन बंदरों के जरिए उस राजतंत्र को कायम रखे हुए हैं।

पुजारी धीरेंद्र गोस्वामी का कहना है कि राजा नर नारायण के जमाने से ही राजा बंदर की एक सोने की कटोरी है, उसी में राजा बंदर को भोग लगाया जाता था। हमारे पास आज भी वो कटोरी है लेकिन हम उसमें रोजाना राजा बंदर को भोग नहीं लगाते हैं। उसे खास दिन के लिए रखा गया है। रोज का भोग हम पीतल की कटोरी में राजा बंदर को लगाकर, पूजा करते हैं।

पुजारी धीरेंद्र गोस्वामी के मुताबिक तुकेश्वरी मंदिर में पहला भोग बंदर राजा को लगाया जाता है। पहले बंदर राजा खाएगा, उसके बाद ही उस दिन का भोग स्वीकार किया जाएगा। मेरे मन में एक ही सवाल था- आखिर राजा का चुनाव होता कैसे होता है? मंदिर के सचिव भगवतारण बर्मन बताते हैं, 'राजा बंदर की मौत के बाद उसका बच्चा ही राजा हो सकता है, दूसरा कोई और बंदर नहीं। राजा बंदर के बच्चे की पहचान मुश्किल नहीं। जो बच्चा राजा बंदर से हमेशा चिपका रहता है, उसके साथ खाना खाता है, वही उसका बच्चा होता है।

राजा बंदर को चुनने की प्रक्रिया दिलचस्प है। बंदर राजा चुनने की इस प्रथा को स्थानीय भाषा में 'ओडिबास' कहते हैं। जिस दिन राजा बंदर को चुनना होता है उसके एक दिन पहले धान की खेर लेकर एक बंदर बनाया जाता है। यह खेर नए धान का होता है। उसकी पूजा होती है, इसे ओडिबास की शाम कहते हैं। नए राजा बंदर को फूलों की माला पहनाते हैं, सोने के कटोरे में भोग लगाते हैं, उसके बाद उसका राज्याभिषेक किया जाता है। नए राजा के चुनाव के लिए पूरे नगर में ऐलान होता है कि आज राजा बंदर का चुनाव किया जाना है। इस शुभ काम के लिए शहर के लोग मंदिर परिसर में इकट्ठा होते हैं और जश्न मनाते हैं। खास बात यह कि इस अवसर पर स्थानीय लोग ढोल बाजे के साथ नए-सुंदर कपड़े पहन कर बारातियों की तरह आते हैं। भगवान शिव के बाएं पांव का निशान भी इस मंदिर में मौजूद है, ऐसा गोआलपारा के लोगों का मानना है।

मंदिर से जुड़ी बातें

यह मंदिर असम के राजा कुमुद नर नारायण और रानी वैश्ववरी सिद्धेश्वरी के जमाने का है। ये 1500 साल पहले बना था। यहां सुबह 9 बजे सबसे पहले पहाड़ के ऊपर वाले मंदिर में पूजा होती है। ऊपर के मंदिर में पूजा करने के बाद बंदर राजा को भोग लगता है, फिर नीचे वाले मंदिर में पूजा होती है। हर मंगलवार को दोनों ही मंदिर में विशेष पूजा होती है। गोआलपारा के लोग यहां मौजूद बंदरों को अपना पूर्वज मानते हैं।

मुख्य सचिव को मोदी की गारंटी पूरी करने की जिम्मेदारी

सीएम साय ने सौंपा घोषणा पत्र, सबसे पहले किसानों के लिए बनेगी योजना

रायपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चुनावी वादों की लिस्ट मुख्य सचिव को सौंप दी है। मंत्रालय में दोनों उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा की मौजूदगी में मोदी की गारंटी वाला घोषणा पत्र छत्तीसगढ़ सरकार के चीफ सेक्रेटरी अमिताभ जैन को दिया गया। अब मुख्य सचिव अधिकारियों की टीम के साथ मिलकर योजनाएं तैयार करेंगे, ताकि भाजपा सरकार के चुनावी वादे पूरे हो सकें। छत्तीसगढ़ सरकार के अधिकारी सबसे पहले किसानों के लिए योजनाएं बनाने जा रहे हैं। किसानों को बोनस की राशि का भुगतान किया जाना है । इसके लिए नतीजों से पहले ही भारतीय जनता पार्टी ने तारीख तय कर दी थी 25 दिसंबर। अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस बात का जिक्र किया कि तय तारीख को ही किसानों को बोनस दे दिया जाएगा।

बोनस देने की योजना को कागजों से निकालकर अमली जामा पहनाने का काम अधिकारी करेंगे। 25 दिसंबर का एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। राज्य के बजट से फंड कैसे उपलब्ध होगा, इसके लिए फाइलों को तेजी से दौड़ाया जाएगा, ताकि 25 दिसंबर यानी पूर्व पीएम अटल बिहारी की जयंती के मौके पर सरकार किसानों के खाते में धान बोनस के करीब 5 हजार करोड़ रुपए डाल सके।

प्रदेश के किसानों का साल 2016-17 और 2017-18 का बोनस बकाया है। 300 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बोनस की राशि दी जाएगी। ये पैसा छत्तीसगढ़ के 13.28 लाख किसानों को दिया जाएगा। 25 दिसंबर को बीजेपी सरकार सुशासन दिवस के रूप में मनाती है।

आईपीएस मयंक गुर्जर ने धक्कामुक्की की, मुझे चोट आई

पूर्व एमएलए आरके राय ने सीएम साय से की शिकायत, शपथ समारोह में हुआ था विवाद

रायपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। गुंडरदेही से पूर्व विधायक और बीजेपी नेता आर के राय ने रायपुर के एक आईपीएस अफसर की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से की है। राय और आईपीएस अधिकारी के बीच हुए विवाद से जुड़ा मामला शपथ ग्रहण समारोह वाले दिन यानी 13 दिसंबर का है। आर के राय ने आरोप लगाया है कि शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रवेश को लेकर विवाद हुआ, जिसमें आईपीएस मयंक गुर्जर ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। राय ने कहा है कि उनके एंट्री पास पर अधिकारी प्रवेश नहीं दे रहे थे। बहस करने लगे और धक्का दे दिया, जिससे उन्हें चोट आई है। पूर्व विधायक के साथ वहां और भी नेता मौजूद थे। राय ने सीएम को दी शिकायत में कहा है- मुझे धक्का दिया गया मैं गिर पड़ा। ऐसे अधिकारी को निलंबित किया जाए। आर के राय खुद रायपुर ट्रैफिक पुलिस में डीएसपी रह चुके हैं। इसके बाद कुछ साल कांग्रेस, फिर जनता कांग्रेस अब बीजेपी की राजनीति कर रहे हैं। आईपीएस मयंक गुर्जर ने इस पूरे मामले को तथ्यहीन बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पहुंच रहे थे, भीड़ अधिक थी,सभी को प्रवेश दिया जा रहा था। जो भी आरोप लगाए गए हैं तथ्यहीन हैं। पिछले साल आजाद चौक इलाके में भारतीय जनता युवा मोर्चा के सह मीडिया प्रभारी शंकर साहू और आईपीएस मयंक गुर्जर के बीच विवाद की खबर आई थी। तब पांच घंटे तक बीजेपी नेताओं ने चक्का जाम किया था।

शंकर ने आरोप लगाया था कि गुर्जर ने उसे थप्पड़ मारा। खुद पूर्व मंत्री राजेश मूणत भी विरोध करने पहुंचे थे। बीजेपी नेता आईपीएस अधिकारी से से माफी मंगवाने की बात पर अड़े थे। तब मयंक गुर्जर ने बताया था कि अड्डेबाजों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे थे। हम सभी को हटने को कह रहे थे। शंकर से भी कहा गया, लेकिन वो नहीं हटा और ऊपर से बहस करने लगा था।

पेंशन बढ़ाकर 2500 करने की मांग

13 दिनों से धरने पर बैठे दिव्यांगजनों का गुस्सा फूटा, सीएम आवास घेरने निकले, कचहरी से रातू रोड तक डेढ़ घंटे जाम

रांची, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। रांची सहित राज्य के सैकड़ों दिव्यांग पिछले 13 दिनों से अपनी मांगों के समर्थन में राजभवन के समक्ष धरना पर बैठे हैं। इस दौरान कोई प्रशासनिक अधिकारी या नेता उनसे मिलने नहीं पहुंचा। इससे नाराज दिव्यांग गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकल पड़े। झारखंड दिव्यांग आंदोलन संघ के बैनर तले सभी दिव्यांग जन दोपहर 12 बजे धरना स्थल के रास्ते पर बैरिकेडिंग होने की वजह से पुलिस को चकमा देकर राजभवन के सामने वाले रास्ते से मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने लगे। मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम की पुलिस को भनक तक नहीं लगी। जब काफी संख्या में दिव्यांग दूसरे रास्ते से आगे बढ़ने लगे, तब पुलिस हरकत में आई और राजभवन के मुख्य द्वार से पहले उन्हें रोक दिया। इस दौरान दिव्यांग जन सीएम से मिलने की जिद पर अड़ गए, लेकिन पुलिस उन्हें आगे नहीं बढ़ने दे रही थी।

यह देख कई दिव्यांग आक्रोशित हो गए और पुलिस से उलझ गए। दोनों ओर से तीखी झड़प हुई। पुलिसकर्मियों ने पहले तो उन्हें पीछे हटने की चेतावनी दी, लेकिन जब वे नहीं माने तो हड़काया। इस बीच मौके पर पहुंचे डीएसपी ने दिव्यांग जनों से वार्ता की। उन्हें बताया कि वे मांग पत्र दे दें, सीएम के पास पहुंचाया जाएगा। इसके बाद दिव्यांग जन पीछे हटे।

पुलिस ने बैरिकेडिंग कर पैदल जाने वाले सभी लोगों को रोका : दिव्यांग जनों के आंदोलन के कारण दोपहर 12 से 1.30 बजे तक राजभवन, कचहरी रोड से लेकर रातू रोड तक जाम हो गया। नागाबाबा खटाल से रणधीर वर्मा चौक जाने वाला रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर पैदल जाने वालों को भी रोक दिया। छात्र-छात्राओं की लंबी कतार लग गई।

डिप्टी सीएम बोले नक्सलियों को नहीं छोड़ेंगे

शहीद जवान के गांव से लौटकर शर्मा बोले- दोषी जंगल के किसी कोने में हों छूटेंगे नहीं

रायपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। नारायणपुर जिले में हुए आईईडी ब्लास्ट में सक्ती जिले के हसौद निवासी शहीद जवान कमलेश साहू का गुरुवार को अंतिम संस्कार किया गया। सरकार की ओर से परिवार से मिलने डिप्टी सीएम विजय शर्मा पहुंचे। परिवार का दर्द देखकर शर्मा भावुक नजर आए।

लौटते ही मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा- मैंने शहीद जवान कमलेश साहू के परिजनों से मुलाकात की। वहां उनकी पत्नी और बहन को बिलखते देखा। वे पार्थिव शरीर के गाल को थपथपा कर उठाने की कोशिश कर रहे थे। बहुत मार्मिक और कष्टदायी है ऐसा हरगिज नहीं होना चाहिए।

डिप्टी सीएम ने कहा कि नक्सली ऐसा क्यों करते है, क्यों बम फोड़ते हैं, क्यों गोली चलाते हैं, किसने उनको अधिकार दे दिया। उस परिवार का दुख कौन देख सकता है। इस घटना में जो दोषी है जंगल के किसी कोने में हो वो छूटेंगे नहीं।

सीएम ने भी जताया दुख

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नारायणपुर जिले में हुए आईईडी ब्लास्ट में सक्ती जिले के हसौद निवासी शहीद जवान कमलेश साहू को नमन कर श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। शहीद कमलेश की मां तारा देवी साहू, पत्नी वृंदाबाई साहू, शहीद की बड़ी बहन कमलेश्वरी साहू और छोटे भाई यशवंत साहू से डिप्टी सीएम मिले। एक दूसरी घटना में कांकेर जिले के थाना परतापुर के अंतर्गत ग्राम सड़कटोला के पास सर्चिंग के दौरान आईईडी ब्लास्ट में बीएसएफ में प्रधान आरक्षक के पद पर कार्यरत अखिलेश राय की शहादत हो गई। इस पर सीएम साय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। बीएसएफ में प्रधान आरक्षक के पद पर कार्यरत अखिलेश राय उत्तरप्रदेश के गाजीपुर जिले के निवासी थे। सर्चिंग अभियान के दौरान आईईडी ब्लास्ट के चपेट में आने से चोट लगने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए पखांजुर रवाना किया गया, लेकिन घायल राय शहीद हो गए।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का सत्र 19 दिसंबर से

डिप्टी सीएम शर्मा बोले- 3 दिनों तक चलेगा, साव ने कहा- सत्र से पहले होगा कैबिनेट का विस्तार

रायपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर से शुरू हो सकता है। दो दिन में इसकी अधिसूचना जारी हो सकती है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा- 19-20 और 21 दिसंबर को सत्र रखा जाए, इसे लेकर सीएम विष्णुदेव साय की अधिकारियों से बात हुई है। उसमें प्रोटेम स्पीकर होंगे, विधायकों की शपथ होगी अभिभाषण वगैरह की जो प्रक्रिया होती है, उसी रूप से कार्य सदन में होगा।

सीएम विष्णुदेव साय और अधिकारियों के बीच जल्द ही सत्र बुलाने की बात पर सहमति बनी है। सत्र और प्रदेश को कब तक अन्य विभागों के मंत्री मिलेंगे इस मामले पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव ने शुक्रवार को मीडिया से बात की।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा- 18 लाख गरीबों को आवास देने की बात मुख्यमंत्री ने की है, सबसे पहला काम सरकार की ओर किया गया है। अब इसके लिए बड़ी धनराशि की आवश्यकता है। सबसे पहले अनुपूरक बजट की आवश्यकता है। इसके अलावा आगे बहुत योजनाएं हैं जिन पर जल्द ही अगली कैबिनेट में निर्णय लिया जाएगा, उनके लिए भी अनुपूरक बजट की आवश्यकता है।

फिलहाल नई भाजपा सरकार में सीएम और दो डिप्टी सीएम हैं। मंत्रिमंडल के सवाल पर विजय शर्मा ने बताया कि यह मुख्यमंत्री का प्रिविलेज है, उनका अपना निर्णय है और मैं सोचता हूं कि जल्द ही वो मंत्रिमंडल का ऐलान करने वाले हैं। इस बात पर वह चिंता भी कर रहे हैं । उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मंत्रिमंडल को लेकर कहा- बहुत जल्द ही हम विधानसभा का सत्र बुलाने वाले हैं। इसकी प्रक्रिया चल रही है। रही बात मंत्रिमंडल के विस्तार की तो समय आने पर सूचना दी जाएगी। सूत्रों की मानें तो 17 नवंबर को सीएम साय दिल्ली जाकर हाईकमान से मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा कर सकते हैं। माना जा रहा है शीतकालीन सत्र के बाद ही राज्य के विभागों को मंत्री मिलेंगे। गुरुवार को नवा रायपुर के मंत्रालय में सीएम दोनों डिप्टी सीएम बंद कमरे में अफसरों से चर्चा करते रहे। इसे लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा है कि हमारा कोई राग द्वेष किसी अधिकारी से नहीं है। बिना कोई ऐसी बात सोचकर काम करने का अवसर सभी अधिकारियों को दिया जाएगा, जो परफॉर्म करेंगे वह आगे रहेंगे जो नहीं करेंगे उन्हें बदला जाएगा।

पूर्व मंत्री को शोकॉज नोटिस

जयसिंह अग्रवाल ने कहा था- चुनाव में कांग्रेस की एकजुटता नहीं दिखी, मंत्रियों को नहीं मिली पावर

रायपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को शोकॉज नोटिस जारी किया है। अग्रवाल ने कोरबा में एक बैठक लेकर कहा था कि इस चुनाव में कांग्रेस की एकजुटता नहीं थी। इस बार का चुनाव सेंट्रलाइज था। सरकार पिछले चुनाव में मिले जनादेश का कद्र नहीं कर पाई। मंत्रियों को पावर नहीं मिली। एक ताकत केन्द्रीकृत रही और कुछ लोगों के साथ पांच साल सरकार चलाती रही।

नोटिस में लिखा है कि पार्टी की हार के बाद जयसिंह अग्रवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। जिसमें बिना नाम लिए भूपेश बघेल पर कई आरोप लगाए गए। पार्टी ने तीन दिन के भीतर जयसिंह अग्रवाल से जवाब मांगा है।

कांग्रेस के सीटिंग एमएलए के टिकट काटने पर जयसिंह अग्रवाल ने संगठन के सर्वे पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि विधायकों के परफॉर्मेंस का सर्वे सरकार का मुखिया करवाता है। उस सर्वे पर कभी चर्चा नहीं हुई, जो फर्जी सर्वे था।

मुखिया ने शहरी क्षेत्रों पर ध्यान नहीं दिया- जयसिंह अग्रवाल

जयसिंह अग्रवाल ने बगैर नाम लिए भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए कहा कि खेतों को सुरक्षित रखने के लिए बाड़ा बनाया जाता है, अगर वो बाड़ा ही खेत को खाए तो क्या होगा। मुखिया का ग्रामीण क्षेत्रों पर फोकस रहा और शहरी क्षेत्रों पर ध्यान नहीं दिया गया।

जनता के अनुरुप काम नहीं कर पाई सरकार

पूर्व मंत्री के मुताबिक जिस तरह से सरकार को जनादेश मिला था, उसके हिसाब से जनता के अनुरूप सरकार काम नहीं कर पाई। कुछ चुनिंदा मंत्रियों को ही लेकर सरकार काम कर थी। किसानों के हित में सरकार ने बहुत काम किया। कहीं न कहीं चूक हुई जिस कारण परिणाम ठीक नहीं रहा। 2018 के चुनाव में जिस तरह से दिग्गज नेताओं ने चुनाव लड़ा और जीत कर सरकार बनाई। इस बार उस हिसाब से काम नहीं हुआ। निश्चित ही इसकी समीक्षा करनी चाहिए।

तैयारियों का जायजा लेने मुंगेली पहुंचे प्रभारी अधिकारी

मुंगेली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंगेली जिले में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लिए तैयारियां की जा रही हैं। तैयारियों की समीक्षा करने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय नई दिल्ली के संयुक्त सचिव एवं जिले के प्रभारी अधिकारी कमलेश चतुर्वेदी मुंगेली पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर राहुल देव से जिले में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन हेतु की जा रही तैयारियों के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर राहुल देव ने बताया कि संकल्प यात्रा के अंतर्गत शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के लिए सभी अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभिन्न स्तरों पर समिति का गठन किया गया है। साथ ही डे नोडल अधिकारियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। वैन के माध्यम से प्रचार प्रसार हेतु विकासखंडवार रूट चार्ट तैयार कर लिया गया है। शासन के निर्देशानुसार 16 दिसंबर से इसका आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय मौजूद रहे। कलेक्टर राहुल देव के निर्देशानुसार, जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र पैकरा ने जिला चिकित्सालय में समस्त ओपीडी, आयुष क्लीनिक तथा 100 बिस्तर मातृ एवं शिशु अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अनुपस्थित चिकित्सकों तथा स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश प्रभारी आवासीय चिकित्सा अधिकारी को दिए।

कैबिनेट की बैठक में होंगे अहम फैसले

आरक्षण, अस्पताल और स्थानीय नीति पर बन सकती है सहमति

रांची, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। आज झारखंड में कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए जाने हैं। राजभवन की तरफ से लौटाए गये खतियान आधारित स्थानीय नीति के संशोधित प्रस्ताव पर सहमति बन सकती है। राज्यपाल ने इसमें संशोधन का सुझाव दिया है। आज कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर फैसला लिया जा सकता है। आज होने वाली बैठक में इस पर चर्चा की जा सकती है। कैबिनेट में बनी रणनीति के बाद इसे सदन की पटल पर रखा जायेगा। सरकार एक बार फिर स्थानीय नीति को लेकर जोर लगायेगी। इसके अलावा आज की बैकिबनेट की बैठक में कई अहम फैसलों पर भी सहमति बनेगी। आज कैबिनेट की बैठक में राज्य में आंदोलनकारियों को लेकर बड़ा फैसला आने वाला है। सरकारी नौकरी में आंदोलनकारियों के एक आश्रित को पांच प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण देने का फैसला आज लिया जा सकता है। राज्य सरकार की तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की सरकारी नियुक्तियों में यह फैसला ले सकती है।

योजनाओं की रफ्तार धीमी

रांची, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। रांची सहित राज्य के विभिन्न नगर निकायों में चल रही योजनाओं की रफ्तार काफी धीमी है। जुडको की ओर से कराए जा रहे काम में भी तेजी नहीं आ रही है। कहीं एनओसी तो कहीं जमीन की वजह से जलापूर्ति, सीवरेज-सेप्टेज सहित अन्य योजनाओं पर तेजी से काम नहीं हो रहा है। इसका खुलासा गुरुवार को सूडा निदेशक अमित कुमार की अध्यक्षता में हुई निकायों की बैठक में हुआ। नगर निकायों में काम की धीमी रफ्तार पर सूडा निदेशक बिफर पड़े। उन्होंने निकाय व जुडको के पदाधिकारियों को फटकार भी लगाई। सूडा निदेशक ने जुडको और ठेका लेने वाली कंपनी को अगले चार माह में एनएचएआई व अन्य विभागों से समन्वय बनाकर काम पूरा करने का टास्क दिया। कहा कि मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश है कि हर घर में साफ-स्वच्छ पानी नल से पहुंचाया जाए। इसलिए जलापूर्ति योजना में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक्सटेंशन देने के बावजूद काम में देरी करने वाले कांट्रेक्टर को शो-कॉज करने व दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

पाकिस्तान के पीएम बोले- कश्मीर हमारी नसों में है

कहा– भारतीय एससी का फैसला राजनीति से प्रेरित, हम कश्मीरियों का सपोर्ट करते रहेंगे

इस्लामाबाद, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के केयरटेकर प्रधानमंत्री अनवर-उल-हक काकर ने कहा है कि आर्टिकल 370 पर भारत के सुप्रीम कोर्ट का फैसला राजनीति से प्रेरित है। काकर ने कहा- हम कश्मीर के लोगों के लिए नैतिक, राजनीतिक और डिप्लोमैटिक सपोर्ट जारी रखेंगे।

पोक में लेजिस्लेटिव असेंबली के स्पेशल सेशन को संबोधित करते वक्त काकर ने कहा- कश्मीर पाकिस्तान की नसों में हैं। पाकिस्तान शब्द ही कश्मीर के बिना अधूरा है। पाकिस्तान और कश्मीर के लोगों में एक खास रिश्ता है। राजनीति से अलग हटकर पूरा पाकिस्तान इस बात का समर्थन करता है कि कश्मीरियों के पास अपने फैसले लेने का हक है।

काकर ने कहा- अब भारत के ऊपर पाकिस्तान से रिश्ते सुधारने का जिम्मा

उन्होंने आगे कहा- पाकिस्तान की विदेश नीति में भी जम्मू-कश्मीर एक अहम पहलू है। भारत के सुप्रीम कोर्ट का फैसला

कानून नहीं बल्कि सिर्फ राजनीति पर आधारित है। घरेलू कानून और न्यायिक फैसलों के जरिए भारत अपने फर्ज से छुटकारा नहीं पा सकता।

पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि कश्मीर यूएन का सबसे पुराना अनसुलझा एजेंडा रहा है और यहां यूएनएससी के प्रस्तावों को भी लागू नहीं किया गया। काकर ने ये भी कहा कि पाकिस्तान पड़ोसी देश होने के नाते भारत से अच्छे रिश्ते चाहता था लेकिन 2019 में भारत सरकार ने कश्मीर में जो एकतरफा फैसले लिए, उसकी वजह से अब माहौल खराब हो चुका है। इसे ठीक करने की जिम्मेदारी सिर्फ भारत के ऊपर ही है।

सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिकल 370 हटाने के फैसले को बरकरार रखा

दरअसल, 11 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के मुद्दे पर सुनवाई करते हुए सरकार के फैसले को बरकरार रखा था। एससी ने कहा था कि आर्टिकल 370 अस्थायी था। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। राष्ट्रपति को यहां के फैसले लेने का पूरा अधिकार है। इसके साथ ही राज्य में सितंबर 2024 तक चुनाव कराने का आदेश भी दिया गया है।

केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया था। साथ ही राज्य को 2 हिस्सों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया था। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कुल 23 याचिकाएं दाखिल हुई थीं। 5 जजों की बेंच ने सभी याचिकाओं की एक साथ सुनवाई की थी।

इमरान ने कहा था- कश्मीर ही भारत-पाक विवाद की जड़

इससे पहले पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि आर्टिकल 370 पर भारत के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से कश्मीर मामला और उलझ जाएगा। कश्मीर पर एससी के फैसले का फैसला विवादित और कानून के खिलाफ है। इससे दशकों से चल रहा मसला हल होने की जगह और बढ़ जाएगा। इमरान खान ने कसम खाई थी कि वो और उनकी पार्टी कश्मीर के लोगों को डिप्लोमैटिक, राजनीतिक और नैतिक मदद पहुंचाते रहेंगे।

उन्होंने कहा - कश्मीर ही भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद की जड़ रहा है। भारत ने जब 2019 कश्मीर से विशेष दर्जा छीना था, तब भी हमने इसका कड़ा विरोध किया था।

फिर टल सकते हैं पाकिस्तान में आम चुनाव?

अंतरिम सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने दिए ये संकेत

इस्लामाबाद, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान का चुनाव आयोग अगले आम चुनाव के लिए आठ फरवरी की तारीख तय कर चुका है। लेकिन, यह संसदीय चुनाव तय समय पर ही होंगे, इसको लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस बीच, कार्यवाहक संघीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री मुर्तजा सोलांगी ने गुरुवार को देश में अगले आम चुनाव कराने में देरी का संकेत दिया है। देश के एक दैनिक अंग्रेजी भाषा अखबार की खबर में यह जानकारी दी गई है।

अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण रोका गया

आठ फरवरी 2024 को होने वाले चुनावों के लिए प्रचार के लिए 54 दिन की अनिवार्य अवधि 16 दिसंबर से शुरू हो रही है। लेकिन, पीटीआई (इमरान खान की पार्टी) की एक याचिका पर लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) के आदेश के कारण चुनावी गतिविधियों की निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण रोक दिया गया है।

भारत के साथ हाइड्रोग्राफिक सर्वे एग्रीमेंट खत्म करेगा मालदीव

यह समझौता 2019 में आईलैंड के पानी पर रिसर्च करने के लिए साइन हुआ था

माले, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय सैनिकों की वापसी की मांग करने के बाद अब मालदीव ने भारत के साथ हुए हाइड्रोग्राफिक सर्वे एग्रीमेंट खत्म करेगा। गुरुवार देर रात मालदीव सरकार ने इस एग्रीमेंट को रिन्यू नहीं करने का फैसला किया। एग्रीमेंट 7 जून 2024 को एक्सपायर हो जाएगा। यह समझौता 2019 में मालदीव आईलैंड के पानी पर रिसर्च करने के लिए हुआ था।

इस समझौते के तहत भारत को मालदीव आईलैंड के पानी, रीफ, लैगून, कोस्टलाइन, समुद्री धाराओं और टाइड्स पर स्टडी करने की अनुमति दी गई थी।

19 फरवरी से 26 फरवरी 2023 के बीच भारतीय नौसेना ने मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स के साथ तीसरा जॉइंट हाइड्रोग्राफिक सर्वे किया था। पहला सर्वे मार्च 2021 और दूसरा सर्वे मई 2022 में हुआ था। वहीं, मालदीव सरकार के इस फैसले को 'इंडिया आउट' कैम्पेन के साथ जोड़कर

देखा जा रहा है।

2018 की बात है। चीन के करीबी और पीपीएम के नेता राष्ट्रपति अब्दुल्लाह यामीन राष्ट्रपति चुनाव हार जाते हैं। बाद में उन्हें हवालेबाजी और एक अरब डॉलर के सरकारी धन का दुरुपयोग करने का दोषी पाया गया। 2019 में यामीन को पांच साल की सजा हुई। नए राष्ट्रपति बने इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, जो 'इंडिया फर्स्ट' की पॉलिसी पर चलते थे। कोरोना के चलते यामीन की जेल की सजा को नजरबंदी में बदल दिया गया। नवंबर 2021 में यामीन के खिलाफ लगे सारे आरोप खारिज कर दिए गए और 30 नवंबर को रिहा कर दिया गया। इसके बाद उनका दोबारा राजनीति में आने का रास्ता भी साफ हो गया। इसके बाद वह चुनाव प्रचार में जुट गए और अक्सर अपने भाषणों में लोगों से अपील करने लगे कि अपने घरों की दीवारों पर 'इंडिया आउट' लिखें। 2023 के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद सोलिह के खिलाफ मोहम्मद मुइज्जू ने दावेदारी पेश की। उन्होंने मालदीव में कथित भारतीय सेना की उपस्थिति के खिलाफ 'इंडिया आउट' का नारा दिया था और इसे लेकर कई विरोध प्रदर्शन भी आयोजित किए। यह अभियान इस बात पर आधारित था कि भारतीय सैनिकों की मौजूदगी मालदीव की संप्रभुता के लिए खतरा है।

अलगाववादियों ने पुलिस स्टेशन पर किया हमला, 11 की मौत

तेहरान, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। ईरान में एक बड़े हमला हुआ है। दरअसल अलगाववादियों ने रात के समय एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया। इस हमले में 11 लोगों की मौत की खबर है। ईरान के सरकारी मीडिया के हवाले से बताया जा रहा है कि यह हमला ईरान के दक्षिण पूर्वी इलाके में हुआ है। बता दें कि हाल के महीनों में ईरान में अलगाववादी समूहों ने कई छोटे-बड़े हमलों को अंजाम दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक अलगाववादी समूह के संदिग्ध सदस्यों ने रात के समय पुलिस स्टेशन पर गोलीबारी की। ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर अली रेजा मरहेमाती ने बताया कि हमले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और सिपाही मारे गए हैं। साथ ही कई अन्य घायल हुए हैं। खबरों के अनुसार, हमला रात करीब 2 बजे रासक शहर में हुआ। यह इलाका राजधानी

तेहरान से दक्षिणपूर्व की दिशा में 1400 किलोमीटर दूर है।

अलगाववादी समूह जैश अल अदल के शामिल होने की आशंका

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में कई हमलावर भी मारे गए हैं। हमले के पीछे अलगाववादी समूह जैश अल अदल का हाथ बताया जा रहा है। साल 2019 में भी जैश अल अदल ने ही ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड फोर्स के सदस्यों को ले जा रही बस पर आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली थी। इस हमले में ईरानी सेना के 27 जवान मारे गए थे। हाल के महीनों में ईरान के सुन्नी बहुल इलाकों में पुलिस स्टेशनों पर हमले की कई घटनाएं घटी हैं।

यूरोपियन यूनियन का सदस्य बनने के करीब यूक्रेन

मेंबरशिप प्रोसेस शुरू करने को तैयार ईयू, 4 लाख करोड़ के मदद पैकेज पर हंगरी का अड़ंगा

ब्रुसेल्स, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। यूरोपियन यूनियन (ईयू) के नेता यूक्रेन को सदस्यता देने वाली प्रक्रिया शुरू करने के लिए तैयार हो गए हैं। गुरुवार देर रात इसकी ईयू के 27 सदस्य देशों की समिट हुई, इसमें यूक्रेन और मोल्दोवा को सदस्य बनाने की प्रोसेस शुरू करने पर सहमति बनी। 27 में से 26 देशों ने यूक्रेन को सदस्य बनाने के पक्ष में वोट किया। सिर्फ हंगरी ने इसका विरोध किया।

हंगरी के विरोध के बाद ईयू की तरफ से यूक्रेन को दिए जाने वाले 4.58 लाख करोड़ रुपए के मदद पैकेज पर सहमति नहीं बन सकी। वहीं, ईयू का मेंबर बनने के बाद यूक्रेन को आर्थिक फायदा हो सकता है। साथ ही उसकी सैन्य शक्ति बढ़ जाएगी और रूस के खिलाफ उसे बड़ी ताकत मिल जाएगी। सभी ईयू देश एक साथ मिलकर उस देश की मदद करते हैं, जिस पर कोई अन्य देश हमला करता है। इसे लेकर बाकायदा एक म्यूचुअल डिफेंस क्लॉज होता

है, जिस वजह से मुश्किल में फंसे देश की मदद करना अनिवार्य हो जाता है।

यूरोपियन देशों के साथ खुला बाजार मिलेगा

आर्थिक तौर पर देखा जाए तो ईयू का सदस्य बनने से यूक्रेन को सभी यूरोपियन देशों के साथ खुला बाजार मिलेगा और हर सामान बिना किसी पाबंदी के आसानी के साथ एक देश से दूसरे देश में जा पाएगा। वहीं, यूक्रेन के नागरिकों की भी बड़ी मदद होगी, उन्हें कई तरह के अधिकार मिल जाएंगे। जैसे- कोई भी नागरिक यूक्रेन से किसी यूरोपीय देश आएगा, तो तीन साल तक उन्हें वहां रहने के लिए वीजा आवेदन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कैसे बनता है कोई देश ईयू का सदस्य?

यूरोपीय संघ की सदस्यता यूक्रेन की पुरानी मांग है, जिसे लेकर वह लड़ रहा है। जैसे, नाटो की सदस्यता यूक्रेन के लिए मायने रखती है, उसी तर्ज पर ईयू का सदस्य बनना भी यूक्रेन के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, ईयू का सदस्यता हासिल करने की प्रक्रिया काफी जटिल और लंबी है, इसमें सालों का वक्त लग सकता है।

सबसे पहले तो ईयू में शामिल होने वाले देश को फ्री मार्केट इकोनॉमी बनानी होगी। फिर उसे ईयू के सभी कायदे-कानून मानने पड़ेंगे। इसके बाद यूरोपियन काउंसिल के सभी सदस्यों को एक मत से किसी देश को स्वीकृति देनी होती है। इस प्रक्रिया में कई दौर के आवेदन और बातचीत शामिल हैं।

मदद देने पर सहमति नहीं

14 दिसंबर को हुई बैठक में यूक्रेन को दिए जाने वाले 4.58 लाख करोड़ के मदद पैकेज पर सहमति नहीं बनी। यानी ईयू अब यूक्रेन को मदद नहीं भेज सकेगा। बेल्जियम के ब्रुसेल्स में हुई बैठक में यूक्रेन को दी जाने वाली मदद के प्रस्ताव पर अड़ंगा लगा दिया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अमेरिका से भी मदद मांग रहे हैं, लेकिन यहां भी बात नहीं बन पा रही है।

दरअसल, अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पार्टी अड़ंगा लगा रही है। यहां हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स में रिपब्लिकन पार्टी को बढ़त है। रिपब्लिकन्स की मंजूरी के बिना जो बाइडेन राहत पैकेज अप्रूव नहीं कर सकते।

भारतीय मूल की वनिता गुप्ता ने दिया एसोसिएट अटॉर्नी जनरल पद से इस्तीफा

वॉशिंगटन, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की एसोसिएट अटॉर्नी जनरल भारतीय-अमेरिकी वनिता गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अगले साल वह फरवरी में पद से हट जाएंगी। वह न्याय मंत्रालय में तीसरी रैंकिंग का सर्वोच्च पद पाने वाली पहली अश्वेत महिला हैं। साल 2021 में उन्होंने ये इतिहास रचा था। न्याय विभाग के अनुसार, साल 2021 में वनिता को एसोसिएट अटॉर्नी जनरल चुना गया था। अब अगले साल वह पद से हट जाएंगी। गारलैंड ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि गुप्ता ने हिंसक अपराध और बंदूक हिंसा से निपटने और अपराध के पीड़ितों का समर्थन करने के लिए विभाग के प्रयासों में एक अभिन्न भूमिका निभाई। इसके अलावा भी उन्होंने कई अहम फैसले लिए। अटॉर्नी जनरल मेरिक बी. गारलैंड ने कहा कि वनिता गुप्ता ने संघीय कानून द्वारा संरक्षित प्रजनन स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रजनन

अधिकार कार्यबल का नेतृत्व किया। अगर गुप्ता की सेवा पर ध्यान दें तो वो कई विभागों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने विभाग के सिविल लिटिगेटिंग डिवीजनों, अनुदान देने वाले घटकों, न्याय तक पहुंच के लिए कार्यालय, सूचना नीति कार्यालय, सामुदायिक संबंध सेवा, संयुक्त राज्य अमेरिका ट्रस्टी कार्यक्रम और विदेशी दावा निपटान आयोग में भी अपने सेवा दी है। वनिता गुप्ता ने येल विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई की। उसके बाद न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ से कानून की डिग्री प्राप्त की, जहां उन्होंने बाद में कई वर्षों तक एक नागरिक अधिकार मुकदमा क्लिनिक पढ़ाया।

गाजा में कब्र रौंदते निकले इजराइली टैंक

सैटेलाइट तस्वीरों में दिखे तबाह कब्रिस्तान, मुस्लिम स्टूडेंट्स का गला काटने की धमकी देने वाला अमेरिकी टीचर गिरफ्तार

तेल अवीव, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग का आज 69वां दिन है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना गाजा में कब्रिस्तानों को भी तबाह कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि इजराइली टैंकों ने शाजाये शहर के ट्यूनीशियाई कब्रिस्तान, जबलिया के अल-फलूजा कब्रिस्तान समेत 6 कब्रिस्तानों को तबाह कर दिया। इसकी सैटेलाइट तस्वीरें सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। इनमें कब्रों को रौंदते हुए निकले इजराइली टैंकों के निशान दिखाई दे रहे हैं। जंग में अब तक गाजा के 19 हजार लोग मारे जा चुके हैं। गाजा में कब्रिस्तानों में जगह नहीं होने के चलते सामुहिक कब्रगाह बनाए जा रहे हैं।

वहीं, अमेरिका में एक 51 साल के टीचर बेंजामिन रीज को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने 3 मुस्लिम छात्राओं को गला काटने की धमकी दी थी। अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक बेंजामिन ने एक स्टूडेंट को कार से घसीटने की भी चेतावनी दी थी। वीडियो में

टीचर स्टूडेंट्स का हॉल में पीछा करते हुए और फिर उन्हें धमकी देते हुए दिखाई दे रहा है। कतरी मीडिया हाउस अलजजीरा के मुताबिक स्टूडेंट्स ने टीचर से पूछा था कि क्लास के बाहर इजराइल का झंडा क्यों लगा है। इस पर टीचर नाराज हो गया था।

अमेरिका की चेतावनी - गाजा पर हमले कम करे इजराइल

इस बीच अमेरिका ने इजराइल से गाजा में हमले कम करने को कहा है। राष्ट्रपति जो बाइडेन का कहना है कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को गाजा में फिलिस्तीनियों की सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए। वहीं, तेल अवीव पहुंचे अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवन से इजराइल के डिफेंस मिनिस्टर योव गैलेंट ने कहा- यह जंग अभी कई महीने चलेगी।

सीजफायर नहीं करेगा इजराइल

अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन और इजराइली डिफेंस मिनिस्टर योव गैलेंट की मुलाकात के बाद गैलेंट के दफ्तर की तरफ से एक लिखित बयान जारी किया गया। इसमें कहा गया- हमने अमेरिका को बता दिया है कि यह जंग अभी लंबी चलेगी, शायद कई महीने। हमास आतंकी संगठन है और उसने जंग के लिए कई साल तैयारी की है। इसके लिए जमीन के नीचे इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया है। इस टनल नेटवर्क को खत्म करना आसान नहीं है। इसमें कई महीने लगेंगे। हम भी तैयार हैं, और इस टनल नेटवर्क को खत्म करके ही दम लेंगे।

गैलेंट और सुलिवन ने लेबनान की तरफ से इजराइल पर हो रहे हमलों पर भी विचार किया। सुलिवन ने कहा- इजराइल बंधकों की रिहाई के लिए जो कुछ कर रहा है, मैं उससे सहमत हूं। इजराइल को मदद देते रहेंगे। दोनों देशों का मकसद एक है और ये पूरे मिडिल-ईस्ट के लिए जरूरी कदम है। गाजा में आम लोगों को बचाने के लिए इजराइल ने जरूरी कदम उठाए हैं। हम इन पर नजर रख रहे हैं।

पाकिस्तान छोड़ना चाहती हैं एक्ट्रेस आयशा उमर

कहा– यहां हमेशा किडनैप और रेप का खतरा सिर्फ कोविड लॉकडाउन में महिलाएं महफूज थीं

कराची, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की मशहूर मॉडल और एक्ट्रेस आयशा उमर मुल्क छोड़ना चाहती हैं। आयशा का एक इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने कहा- पाकिस्तान में कोई महिला सुरक्षित नहीं है, वो सड़क पर नहीं चल सकती। उसे किडनैप या रेप का डर सताता है।

आयशा ने एक अजीब बात भी कही। उनके मुताबिक- सिर्फ कोविड लॉकडाउन के दौरान महिलाएं महफूज थीं और इसी वक्त वो घर से बाहर निकल सकीं। आयशा कई विदेशी ब्रांड्स के लिए मॉडलिंग कर चुकी हैं। इंडियन टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा के पति और क्रिकेटर शोएब मलिक के साथ उनके अफेयर की खबरें भी आती रहती हैं।

खौफ में नहीं जीना चाहती

पाकिस्तान के सोशल मीडिया पर आयशा उमर का बयान सुर्खियों में है। टीवी चैनलों पर बहस चल रही है। कुछ लोग उनका समर्थन कर रहे हैं तो कुछ ऐसे भी हैं जो उन्हें पाकिस्तान की बदनामी का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

इस इंटरव्यू में आयशा ने कहा- मैं इस मुल्क में महफूज महसूस नहीं करती। मैं सड़कों पर घूमना चाहती हूं। ताजी हवा में सांस लेना चाहती हूं। साइकिल चलाना चाहती हूं, लेकिन ये सब नहीं कर सकती। आखिरी बार महिलाएं कोविड लॉकडाउन के दौरान ही घर से निकल सकी थीं। हर वक्त डर और टेंशन रहता है और इसे कोई पुरुष नहीं समझ सकता।

आयशा ने आगे कहा- इस मुल्क की इकोनॉमी देख लीजिए। लोगों के पास खाने के पैसे तक नहीं हैं। महिलाएं तो हर पल और हर सेकंड डर के साए में गुजार रही हैं। मुझे किडनैपिंग, रेप और लूट का डर सताता रहता है। आखिर आजादी और हिफाजत हर किसी का हक है, लेकिन यहां ऐसा कुछ नहीं है। आखिरी बार कॉलेज में आजादी महसूस की थी। इसके बाद से खौफ के साए में रहती हूं। दो बार छेड़छाड़ की शिकार बन चुकी हूं। एक सवाल के जवाब में

आयशा ने कहा- क्राइम तो दुनिया के हर मुल्क में है, लेकिन पाकिस्तान में हालात बिल्कुल अलग हैं। यहां तो हम अपने घर में भी महफूज नहीं हैं। सड़क पर नहीं चल सकते, पार्क नहीं जा सकते, क्योंकि 10 लोग कमेंट्स करते हैं और छेड़छाड़ होती है।

पाकिस्तान की सबसे महंगी मॉडल कही जाने वाली आयशा ने कहा- अपने मुल्क से कौन प्यार नहीं करता। मैं भी करती हूं, लेकिन हालात देखकर सच बोलना जरूरी है। मेरा भाई कुछ साल पहले ही पाकिस्तान छोड़कर डेनमार्क शिफ्ट हो गया। मां भी अब यहां नहीं रहना चाहती। मैंने भी जल्द फैसला करूंगी कि यहां से कब किसी और देश चली जाऊं।

शोएब से अफेयर की खबरें

पिछले साल आयशा ने सानिया मिर्जा के पति और क्रिकेटर शोएब मलिक के साथ एक मैगजीन के लिए बोल्ड फोटोशूट किया था। इसके बाद शोएब और सानिया के रिश्तों में तनाव और कथित तौर पर तलाक की खबरें आईं थीं। इसकी वजह आयशा उमर को ही माना गया था।

चार महीने पहले शोएब मलिक ने अपने इंस्टाग्राम बायो में बदलाव किया था और सानिया का नाम बायो से हटा दिया था। शोएब ने पहले अपने बायो में सानिया मिर्जा को मेंशन करते हुए लिखा था- हसबैंड टु ए सुपरवुमन। अब वो ये लाइन हटा चुके हैं। इसकी जगह लिखा है- लिव अनब्रोकन।

चेक रिपब्लिक में निखिल गुप्ता को जबरन गोमांस खिलाया

पन्नू मामले में आरोपी ने एससी में लगाई याचिका, कहा– परिवार को भी जान का खतरा

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के आरोपी निखिल गुप्ता की ओर से उसके परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि निखिल को प्राग (चेक रिपब्लिक) की जेल में गैर कानूनी तरीके से कैद करके रखा गया है। जेल में उसे खाने के लिए जबरन सुअर और गाय का मीट दिया गया, जो हिंदू रीति रिवाजों के खिलाफ है।

उसने अधिकारियों को इस बारे में बताया भी, लेकिन उसे शाकाहारी खाना नहीं मिला। प्राग

के अधिकारियों ने उससे कहा था कि अमेरिका की इजाजत के बिना वह किसी को भी फोन नहीं कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निखिल को पहली बार 19 जुलाई को भारतीय अधिकारी से संपर्क करने की इजाजत दी गई। तब तक उसकी गिरफ्तारी को 20 दिन हो चुके थे।

प्राग हाईकोर्ट के दखल के बाद ही उसे परिवार से बातचीत की इजाजत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट में निखिल के परिजन ने दावा किया है कि चेक रिपब्लिक में निखिल के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। साथ ही उसकी और उसके परिवार की जान को भी खतरा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मामले को संबंधित देश की अदालत में उठाने को कहा है। साथ ही याचिकाकर्ता को अगली सुनवाई से पहले सरकार के पास याचिका की कॉपी फाइल करने का आदेश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 4 जनवरी को होगी। याचिका के मुताबिक, प्राग के वैक्लेव हेवल एयरपोर्ट के इमिग्रेशन सेंटर से निकलने के बाद निखिल को अमेरिकी एजेंट्स ने गिरफ्तार किया था, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है। गिरफ्तार करने के बाद उसे एक काले रंग की कार में बैठाया गया गया था और उसका फोन छीन लिया गया था। याचिका में बताया गया कि कार में निखिल से करीब 3 घंटे तक पूछताछ हुई।

इसके बाद कथित अमेरिकी अधिकारियों ने उसे लोकल पुलिस के हवाले कर दिया। यहां उसका ब्लड टेस्ट और बायोमेट्रिक डेटा लिया गया। याचिका में कहा गया है कि निखिल की गिरफ्तारी के बारे में चेक रिपब्लिक में मौजूद भारतीय दूतावास को भी कोई जानकारी नहीं दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका निखिल को अपने देश लाने की कोशिश में लगा हुआ है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि वह मामले में भारत के दखल करने का आदेश दे।

अमेरिका में बेटे ने मां का सिर कलम किया

पुलिस को शव पर निर्वस्त्र लेटा मिला आरोपी जुर्म कबूल कर बोला– मुझे अफसोस है

वॉशिंगटन, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यू जर्सी में एक आदमी ने अपनी मां की हत्या करके उनका सिर धड़ से अलग कर दिया। 46 साल के जेफरी सर्जेंट ने शाम करीब 4 बजे खुद ही पुलिस को फोन करके इसकी जानकारी दी। न्यू जर्सी के मीडिया हाउस एनजे के मुताबिक, उसने फोन पर कहा कि उसे बाइपोलर डिसऑर्डर नाम की बीमारी है और वो अपनी मां एलेक्जेंड्रिया सर्जेंट का खून कर चुका है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तब जेफरी नग्न अवस्था में अपनी मां के शव पर लेटा हुआ था। वो खून से लतपथ था। पुलिस अधिकारियों को उसकी मां का सिर शव से दूर हॉल के रास्ते में पड़ा था। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, जेफरी ने सिर काटने के लिए एक चाकू का इस्तेमाल किया था। पुलिस ने जैसे ही उसे हिरासत में लिया, वो चिल्लाने लगा कि मैंने अपनी मां की हत्या कर दी है और मुझे इसका बेहद दुख है। पुलिस ने बताया कि हिरासत के दौरान वो जीसस लव मी (जीसस मुझसे प्यार करते हैं) गाना गा रहा था। पुलिस को मिली अपार्टमेंट की सिक्योरिटी फुटेज में जेफरी अपनी मां का सिर कलम करता नजर आ रहा है। इसके बाद वो अपने फ्लैट से बाहर झांकता है और फिर शव को हॉल-वे में ले आता है। इस दौरान उसने कपड़े नहीं पहने थे। पुलिस ने घटनास्थल से हथियार और एक फोन बरामद किया है। एलेक्जेंड्रिया के रिश्तेदारों ने बताया कि वो अपने नाती-पोतों को आर्थिक मदद देती थी। एक फंडरेजर ने बताया कि एलेक्जेंड्रिया हमारे साथ रहती थी और हमें कई कामों में मदद करती थी।

जन्मदिन पर भजनलाल शर्मा ने संभाली राजस्थान की कमान

दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा बने डिप्टी सीएम

जयपुर भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आज भजनलाल शर्मा का जन्मदिन भी है। उनके साथ दीया कुमारी और प्रेमचंद्र बैरवा ने राज्य के डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। राज्यपाल कलराज मिश्र बीजेपी के इन तीनों नेताओं पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। भजनलाल शर्मा के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह सहित देश के कई दिग्गज नेता शामिल हुए। शपथ लेने से पहले भजनलाल शर्मा ने अपने माता-पिता के पैर धोकर उनका आशीर्वाद लिया। इसके अलावा उन्होंने गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किये और टोंक रोड पर पिंजरापोल गोशाला में गायों को चारा खिलायी। उन्होंने अपने दिन की शुरुआत प्रसिद्ध गोविंद देवजी मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ की। राज्य में 200 में से 199 सीट पर हुए चुनाव में भाजपा ने 115 सीटों पर जीत दर्ज की है।

दिग्गजों को पछाड़कर सीएम बने हैं भजनलाल

भजनलाल भाजपा के प्रदेश महासचिव हैं, उनके पास राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री है। शर्मा ने जयपुर की सांगानेर सीट 48,081 वोटों के अंतर से जीती है। वह भरतपुर जिले के रहने वाले हैं। रोचक बात यह है कि विधायक दल के नेता के रूप में शर्मा के नाम का प्रस्ताव पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने किया जिन्हें खुद मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल माना जा रहा था। इस तरह से शर्मा भाजपा की ओर से उन तीन विधायकों की कतार में शामिल हो गए हैं जिन्हें पार्टी ने तमाम दिग्गजों को दरकिनार कर मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी इससे पहले छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय तथा मध्य प्रदेश में मोहन यादव को भी इसी तरह इस पद के लिए चुन चुकी है। शपथ समारोह के लिए तीन मंच बनाए गए थे। मुख्य मंच पर राज्यपाल कलराज मिश्र, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भजनलाल शर्मा, विधायक प्रेमचंद बैरवा व दीया कुमारी बैठे। एक पर विभिन्न मंत्री व मुख्यमंत्री बैठे थे,वहीं एक मंच पर साधु समाज के लोग बैठे। शपथ ग्रहण के दौरान समर्थकों ने 'जय श्री राम' और 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए।

जन्मदिन पर सीएम बने भजनलाल शर्मा

भजनलाल शर्मा (57) का आज जन्मदिन है। मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने हिन्दी भाषा में शपथ ली। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी समारोह में शामिल हुईं। राजस्थान में मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के शुरू होने से कुछ देर पहले रामनिवास उद्यान के ऐतिहासिक अल्बर्ट हाल के एक प्रवेश स्थल पर कुछ लोग जबरन अवरोधक हटाकर कार्यक्रम स्थल में घुस गये, इससे कुछ देर के लिए वहां अराजकता की स्थित पैदा हुई। पुलिस द्वारा रोके जाने की कोशिशों के बावजूद कई लोग अवरोध लांघ गए।

वसुंधरा ने भजनलाल के सिर पर हाथ रखा-सचिवालय पहुंचकर चार्ज दिलवाया

जयपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के तमाम वरिष्ठ नेताओं ने सचिवालय पहुंचकर एकजुटता का संदेश दिया। वसुंधरा राजे ने भजनलाल के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। इसके बाद भजनलाल ने वसुंधरा को मिठाई खिलाई। भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। उनके साथ दो डिप्टी सीएम दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने भी शपथ ली है।

विधायक भाटी बोले-डिफॉल्टर कैसे रह सकता है अध्यक्ष

सीईटीपी ट्रस्ट अध्यक्ष पर नहीं हुई कार्रवाई कलेक्टर बोले-आरओ से मांगी रिपोर्ट

पाली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। सीईटीपी अध्यक्ष अनिल गुलेच्छा की फैक्ट्री बंद होने के बाद भी उन्हें कंसेंट-टू-ऑपरेट जारी करने को लेकर पाली विधायक भीमराज भाटी ने 28 जून 2023 को सीईटीपी ट्रस्ट अध्यक्ष अनिल गुलेच्छा को पद से बर्खास्त करने की मांग को लेकर राज्य सरकार को पत्र लिखा था।

लेटर कलेक्टर नमित मेहता तक पहुंचा। उन्होंने मामले में प्रदूषण नियंत्रण मंडल के आरओ राहुल शर्मा को सीईटीपी फाउंडेशन अध्यक्ष के बर्खास्त करने के मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है ताकि आगे की कार्रवाई की जा सकें। अभी तक इस मामले को लेकर किसी तरह की कार्रवाई को अंजाम नहीं दिया गया। एसबीआई जयपुर की ओर से राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरपर्सन को लिखी चिट्ठी में भी राजनीतिक प्रभाव का जिक्र किया गया है। बता दें कि गुलेच्छा कांग्रेस के हैं। दिग्गज नेता के परिवार से जुड़े आयोजना के 2 पत्रों पर भी कलेक्टर की ओर से कार्रवाई नहीं करना इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

आयोजना विभाग (संस्थागत वित्त) के संयुक्त शासन सचिव ने सात नवंबर को और शासन उप सचिव ने 17 नवंबर को पत्र लिखा था। लेकिन, दोनों पन्नों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसी तरह जून में भीमराज भाटी ने 28 जून को मुख्य सचिव को पत्र लिखा था।

विधायक ने उठाए कार्रवाई नहीं होने पर सवाल

मामले में विधायक भीमराज भाटी ने सवाल उठाया कि पाली में सीईटीपी फाउंडेशन टेक्सटाइल फैक्ट्रियों से जुड़ी सबसे बड़ी संस्था है। इसमें सरकार का पैसा भी लगा है। इसके बाद भी बैंक डिफॉल्टर अनिल गुलेच्छा सीईटीपी फाउंडेशन के अध्यक्ष पद पर बने हुए हैं, यह हैरानी की बात है। भाटी ने कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव को भी शिकायत की थी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आरओ राहुल शर्मा भी गुलेच्छा को बचा रहे हैं। आयोजना विभाग ने पाली क्लेक्टर को कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब ऐसा बिल्कुल भी नहीं चलेगा।

कलेक्टर बोले-आरओ से मांगी रिपोर्ट

मामले में जिला कलेक्टर का कहना है कि सीईटीपी फाउंडेशन अध्यक्ष के बर्खास्त करने के मामले में प्रदूषण नियंत्रण मंडल बोर्ड के आरओ से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे। इस मामले में कोताही नहीं बरती जाएगी।

प्रॉपर्टी विवाद में पूरा परिवार खत्म हुआ

10 साल पहले परिवार से बना ली थी दूरी, बच्चे भी पढ़ाई छोड़ चुके थे-आरोप-50 लाख हड़पे

बीकानेर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। बीकानेर के अंत्योदय नगर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों के सुसाइड की कहानी सामने आई है। मृतक हनुमान सोनी और उनकी पत्नी विमला सोनी का अपने परिवार से प्रॉपर्टी विवाद चल रहा था। ये भी सामने आया कि हनुमान सोनी और विमला सोनी दोनों अपने-अपने परिवार से कॉन्टैक्ट में नहीं थे।

घटना शहर के मुक्ता प्रसाद थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम की है। हनुमान सोनी के साथ उसकी पत्नी विमला, बेटा मोहित, ऋषि और बेटी गुड़िया ने सुसाइड कर लिया था। इनमें मोहित और विमला ने घर के हॉल में दो हुक से फांसी लगाई तो बहन गुड़िया और ऋषि ने रसोई में फंदा लगाया था। हनुमान सोनी ने जहर खाया था और उसका शव घर के आंगन में मिला। घटना के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो विमला सोनी के द्वारा लिखा सुसाइड नोट भी मिला। इसमें सास-ससुर, जेठ-जेठानी और भाई पर प्रॉपर्टी बंटवारे में धोखाधड़ी करने और 50 लाख रुपए हड़पने का भी आरोप लगाया। इसमें लिखा कि उन्होंने ससुराल वालों को रुपए उधार दिए थे, जो उन्होंने लौटाए नहीं। विमला ने पीहर पक्ष पर भी धोखाधड़ी का आरोप लगाया और लिखा- आर्थिक परेशानी होने के बाद भी रुपए नहीं दे रहे हैं।

हनुमान अंत्योदय नगर के किराए के मकान में रहता था। इसी घर के पास ही उसका खुद का मकान था लेकिन आर्थिक तंगी के चलते उसने मकान बेच दिया। करीब चौबीस लाख रुपए मिले थे, जिससे उसने अपने कर्ज उतार दिया था। लेकिन, 10 साल में दोबारा उधारी हो चुकी थी। अंत्योदय नगर में हनुमान का किसी से कोई खास संपर्क नहीं था।

राजस्थान में महंगे होंगे फ्लैट्स और विला

हाउसिंग बोर्ड 15 फीसदी बढ़ाएगा जमीनों के रेट 4 हजार से ज्यादा निर्माणाधीन मकानों पर असर

जयपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की जमीनों के दाम बढ़ने वाले हैं। हाउसिंग बोर्ड प्रशासन ने इसके लिए सर्किल ऑफिसों से प्रस्ताव मांग लिए हैं। संभावना है इस बार जमीनों की कीमत करीब 15 फीसदी आरक्षित दर से बढ़ाई जाएगी। ये कीमतें जनवरी 2024 से लागू हो सकती हैं। इसका असर जयपुर, जोधपुर समेत 10 से ज्यादा शहरों के 4 हजार से ज्यादा विला और फ्लैट्स पर पड़ेगा।

डिप्टी वित्तीय सलाहकार ओम प्रकाश बुटोलिया के अनुसार- सर्किल ऑफिसों से प्रस्ताव मांगे हैं। उन्होंने बताया कि नियमानुसार बोर्ड में जो दरें बढ़ानी होगी। बढ़ाई जाएगी। बताया जा रहा है कि इस बार जमीनों की कीमतों में कम से कम 10 फीसदी और अधिकतम 25 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है।

तीन साल से फ्रीज है कीमतें

हाउसिंग बोर्ड ने साल 2020 में

साइज	कीमत	कितने
75 मीटर	98 लाख	112
57 मीटर	75 लाख	224
47 मीटर	60 लाख	168
89 मीटर	1 करोड़	56

जमीन की कीमतों को फ्रीज किया था। यानी उनकी बढ़ोतरी पर रोक लगा दी थी। कोविड आने के बाद से जमीन की कीमतों को हर साल स्थिर रखा गया। जून में वित्तीय सलाहकार ने सभी सर्किल ऑफिसरों को पत्र लिखकर 31 दिसंबर 2023 से पहले जमीन की रिवाइज्ड रेट भेजने के आदेश जारी किए हैं।

निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स पर पड़ेगा असर

वर्तमान में मकानों की स्कीम निर्माणाधीन है। ये सभी योजनाएं जब तैयार होगी, तब इनकी लागत निकाली जाएगी तो उसमें इन बढ़ी दरों से अंतर आएगा। अगर जमीनों की कीमतों में इजाफा होता है तो लागत में भी इजाफा होगा। क्योंकि जमीन की कीमतें वर्तमान समय की जोड़ी जाती हैं।

4 हजार से ज्यादा मकान बन रहे है

जयपुर, जोधपुर, बांसवाड़ा, आबू रोड समेत 10 से ज्यादा शहरों में 4 हजार से ज्यादा मकान बन रहे है। अकेले जयपुर में प्रताप नगर एरिया में 1332 विला और फ्लैट्स बनाने का काम चल रहा है। जबकि जोधपुर के बड़ली में 1090 और चौपासनी में 288 आवास बनाए जा रहे है। इन योजनाओं इसी साल मार्च में लांच किया गया था।

ज्वेलरी शॉप से 45 लाख के जेवर चोरी

अजमेर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर शहर में एक ज्वेलरी शॉप से चोर 45 मिनट में 45 लाख के जेवर और 45 हजार रुपए चोरी कर ले गए। तीन बदमाशों ने इलेक्ट्रिक कटर से दुकान के ताले काटकर वारदात को अंजाम दिया। घटना गुरुवार रात कोतवाली थाना क्षेत्र के नया बाजार की है। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। मुख्य बाजार में चोरी की वारदात के बाद बाजार में हड़कंप मच गया। कोतवाली थाना पुलिस ने पीड़ित व्यापारी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार देर रात 12 से 1 बजे के बीच नया बाजार स्थित सागर ज्वेलर्स के पीछे मस्जिद के रास्ते से 3 चोर दुकान के बाहर पहुंचे। पहले इलेक्ट्रिक कटर से तालों को काटा, इसके बाद में सरिये के से शटर को तोड़कर दो बदमाश दुकान में घुसे। चोर ज्वेलरी शॉप से 250 ग्राम सोना, 30 किलो चांदी, 45 हजार रुपए चोरी कर मस्जिद के रास्ते फरार हो गए। इस दौरान तीसरा बदमाश बाहर खड़ा होकर निगरानी कर रहा था।

खेत से घर जा रहे युवक पर हमला

सीकर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। आपसी विवाद में बदमाशों ने एक युवक पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आई पत्नी को पीटा। घायल को एसके हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। मामला सीकर के नेछवा थाना इलाके का है। सीकर के नेछवा इलाके के सुभाष ने पुलिस में रिपोर्ट देकर बताया कि 13 दिसंबर की रात करीब 8:30 बजे उसका छोटा भाई वीरेंद्र और राकेश दोनों खेत से खाना खाने के लिए घर पर आ रहे थे।

इस दौरान रास्ते में गांव के ही मांगीलाल, मेनपाल, संतरा,महेंद्र,राहुल और अन्य तीन-चार लोगों ने जान से मारने के लिए वीरेंद्र के साथ मारपीट की। मेनपाल नाम के युवक ने वीरेंद्र पर कुल्हाड़ी से वार किया, जिससे उसके होंठ का ऊपरी हिस्सा कट गया। बीच-बचाव करने के लिए भाभी जिंकु आई तो उनके साथ भी मारपीट की। बदमाश वीरेंद्र का मोबाइल तोड़कर फरार हो गए। घायल युवक एसके हॉस्पिटल में भर्ती है।

बस में पति को अटैक आया, पत्नी की भी मौत

दोनों रिटायर्ड थे, नया मकान बनाया था एक ही चिता पर अंतिम-संस्कार

अलवर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर शहर के हसन खां मेवात नगर निवासी रिटायर कर्मचारी पति-पत्नी की दो घंटे के बीच में हार्ट अटैक से मौत हो गई। रोडवेज बस में पति को अटैक आया। पत्नी को पति के अटैक की खबर मिली तो उनको भी घर पर हार्ट अटैक आ गया। दोनों की मौत हो गई। शुक्रवार सुबह दोनों का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया।

बस में बैठे-बैठे आया हार्ट अटैक

मृतक दंपती के परिजनों से पता चला कि गोपाल कृष्ण मुखीजा (62) गुरुवार शाम को खैरथल से रोडवेज बस के जरिए अलवर जा रहे थे। रास्ते में बस की सीट पर ही उनको अटैक आ गया। वे अचानक पास बैठे यात्री पर गिर गए। तब बस को रोका गया। इसके बाद तुरंत गोपाल कृष्ण मुखीजा को अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी मौत हो गई। अलवर निवास पर उनकी पत्नी सरोज मुखीजा (60) को पता चला कि पति को हार्ट अटैक आ गया। यह सुनते ही उनको भी अटैक आ गया। उन्हें भी अस्पताल ले जाया गया, जहां सरोज मुखीजा ने दम तोड़ दिया।

हसन खां निवासी गोपाल कृष्ण मुखीजा पीएफ ऑफिस में बतौर बाबू दो साल पहले रिटायर हुए थे। वहीं पत्नी सरकारी टीचर के पद से करीब ढाई महीने पहले ही रिटायर हुई थीं। ढाई महीने पहले पत्नी के रिटायर पर कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था। खैरथल में मुखीजा परिवार ने नया मकान भी बनाया था। जो बनकर तैयार है। नए मकान में गृह प्रवेश से एक दिन पहले यह हादसा हो गया।

टी. रविकांत मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव होंगे

दो अन्य अधिकारियों को भी नियुक्त किया

जयपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल ने शपथ ग्रहण करने के तुरंत बाद ब्यूरोक्रेसी में बदलाव करते हुए वरिष्ठ आईएएस टी. रविकांत को प्रमुख सचिव नियुक्त किया है। साथ ही आईएएस आनंदी की सचिव और आईएएस सौम्या झा की संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्ति की गई है। जानकारी के अनुसार यह नियुक्ति अस्थाई तौर पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्मिक विभाग ने तीनों अधिकारियों की अस्थाई तौर पर इस पद पर नियुक्ति के संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। तीनों ही अधिकारी अपने वर्तमान पद पर कार्य करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय का काम भी देखेंगे।

पुष्कर पहुंचे बिट्टा बोले-पंजाब ना कभी खालिस्तान था और ना ही कभी बनने देंगे

अजमेर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। तीर्थनगरी पुष्कर आए अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने मीडिया के साथ अपनी बातचीत में कहा कि पंजाब न कभी खालिस्तान था और ना ही बनेगा। उन्होंने कहा कि विदेशी ताकतें चाहे कितनी भी शरारत करें, अब भारत की तरफ आंख उठाकर नहीं देख सकतीं।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने के बाद देश में न तो कोई दंगे हुए और न ही कहीं गोलियां चलीं। राजनीतिक पार्टियों में लड़ाई हो सकती है लेकिन अगर प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अच्छा किया है तो उसकी भी तारीफ न करें, यह सरासर गलत होगा। बिट्टा ने कहा कि मैं भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि हमारा भारत सुरक्षित रहे, हमारी सीमाएं सुरक्षित रहें। उन्होंने ब्रह्मा मंदिर में दर्शन के बाद पुष्कर सरोवर की पूजा-अर्चना की। कड़ी सुरक्षा के बीच बिट्टा ने ब्रह्मघाट पर श्रद्धालुओं के साथ सेल्फियां लीं।

कचरा निस्तारण नहीं करने पर जयपुर हैरिटेज नगर निगम को चुकाने पड़ सकते हैं करोड़ों रुपए

जयपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। शहर से निकलने वाले कचरे को समय पर निस्तारण नहीं करने के लिए नगर निगम हैरिटेज को करोड़ों रुपए बतौर मुआवजा चुकाने पड़ सकते हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की भोपाल बेंच ने अजमेर निवासी अशोक मलिक की याचिका पर सुनवाई करते हुए स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को केंद्रीय पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की गाइड लाइन के मुताबिक पर्यावरणीय मुआवजे की गणना करके अगली तारीख पेशी पर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 7 फरवरी को होगी।

इससे पहले मलिक की याचिका पर सुनवाई के दौरान नगर निगम की ओर से प्रस्तुत किए गए जवाब में नगर निगम ने खुद माना कि जयपुर शहर में प्रतिदिन करीब 1700 टन कचरा निकलता है। जबकि उनके पास

लगभग 600 टन कचरा प्रतिदिन डिस्पोजल करने की ही क्षमता है। इस तरह रोजाना करीब 1000 से 1100 टन कचरे को निस्तारण नहीं हो पाता है। हालांकि जवाब में करीब 700 टन प्रति दिन कचरा निस्तारण के लिए और प्लांट लगाए जाने की योजना का जिक्र किया गया। लेकिन, एनजीटी ने पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि की गणना करने के निर्देश दे दिए।

सुनवाई के दौरान नगर निगम के वकील ने यह कहकर कोर्ट को गुमराह करने का प्रयास किया कि याचिकाकर्ता आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। अजमेर में नगर निगम आयुक्त की ओर से उनके खिलाफ फोन हैक करके उच्चाधिकारियों को फोन करने का मामला दर्ज कराया गया है। लेकिन, कोर्ट ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नगर निगम के वकील को कहा कि यह उनके अधिकार क्षेत्र मे नहीं है। उन्हें केवल इतना देखना है कि कहीं पर्यावरणीय नियमों को उल्लंघन तो नहीं हो रहा है। इसलिए वे केवल इसी मुद्दे तक सीमित रहें। इधर-उधर की बातें ना करें।

उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने शासन सचिवालय में पदभार ग्रहण किया

जयपुर, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थन के नव निर्वाचित उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने शासन सचिवालय में अपना पदभार ग्रहण किया है। वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच डॉ प्रेमचंद बैरवा ने पदभार संभाला है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने कहा, ₹केंद्र सरकार की योजनाओं को अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होगी। आपको बता दे की इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामय उपस्थिति में राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को रामनिवास बाग में आयोजित भव्य समारोह में प्रेमचंद बैरवा को उप मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर प्रतियोगिताएं शुरू

निर्मल, 15 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर जिला केंद्र के एनटीआर स्टेडियम में जिला कल्याण विभाग अधिकारी रमेश व जिला शिक्षा अधिकारी रविंदर की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में झंडा लहरा कर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि दिव्यांगजन, वृद्धजन एवं ट्रांसजेंडर सशक्तिकरण विभाग के तत्वावधान में जिलास्तरीय दिव्यांग खेलों का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि 10 वर्ष से 16 वर्ष तक के दिव्यांगों के लिए दौड़ दौड़, शॉर्ट पुट, कैरम, शतरंज, भाला फेंक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तरों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाऐंगे। दिव्यांग व्यक्तियों के अध्यक्ष सत्ती सयन्ना, इसाक अली, सैक पेली सुरेंदर, क्रांति कुमार, महेश, विकलांग व्यक्तियों के गंडारी श्रीनिवास, कटका एम नरसैया, यादगिरी, रमेश रेड्डी, भगवान, पुष्पा, समुद्रला सत्यनारायण, तलवेदा गंगाधर, विकलांग व्यक्तियों के अध्यक्ष और महासचिव और अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

भगवान विष्णु के विवाह उत्सव में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा गोशामहल पुलिस ग्राउंड में चल रही श्रीमद देवी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के षष्टम दिवस की कथा बांचते हुए कथा व्यास साध्वी अदिति भारती ने दुर्वासा ऋषि के शाप से इंद्र के श्री विहीन होने और स्वर्ग से माता लक्ष्मी के लोप व समुद्र मंथन से माँ सुरभि देवी एवं माता महालक्ष्मी के प्राकट्य की कथाओं को रखा। दिवस की कथा का आरंभ श्री राधा की महिमा के अंतर्गत गोदा देवी की जीवन गाथा के वर्णन से हुआ। इस विराट आयोजन के माध्यम से कथा व्यास जी माँ की विविध लीला चरित्रों का वर्णन कर रही हैं। श्री राधा जी की महिमा का वर्णन करते हुए साध्वी जी ने कहा की श्री कृष्ण की आह्लादिनी शक्ति हैं श्री राधा। और वह किसी काल या लोक मे बद्ध एक पात्र भर नहीं है अपितु वह तो एक महाभाव हैं जो हर युग मे भक्तों के भीतर प्रकट हुआ है। दक्षिण भारत मे गोदा देवी ने इसी श्री राधा भाव को अभिव्यक्त किया। उनकी जीवन गाथा का मार्मिक वर्णन श्रवण कर भक्त भाव विभोर हुए। कथा के अंतिम चरणों में संगीतमय माता महालक्ष्मी और भगवान विष्णु के विवाह उत्सव में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

कांग्रेस शासन काल में 100 दिन में छह गारंटी लागू होगी : विश्व प्रसाद

कुमरम भीम आसिफाबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद डीसीसी अध्यक्ष विश्व प्रसाद राव ने कहा कि आम चुनाव के हिस्से के रूप में कांग्रेस पार्टी द्वारा पेश की गई छह गारंटियां 100 दिनों के भीतर पूरी तरह से पेश की जाएंगी। उन्होंने यह बातें शुक्रवार को नगर स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि भले ही कांग्रेस पार्टी ने राज्य में आम चुनाव जीता, लेकिन आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र में नतीजे उनके खिलाफ गए। इसके लिए कार्यकर्ताओं ने नेताओं से कहा कि वे चिंता न करें। उन्होंने बताया कि चुनाव में हार-जीत स्वाभाविक है। चुनावी घोषणापत्र के तहत राज्य सरकार जल्द ही किसानों की दो लाख रुपये की कर्जमाफी लागू करेगी और इसके लिए कमेटियां गठित की जाएंगी तथा किसानों को बैंकों का कर्ज नहीं चुकाने की सलाह दी गई है। आगामी स्थानीय और एमपी चुनावों को ध्यान में रखते हुए, कार्यकर्ताओं ने सुझाव दिया कि लोगों को आश्वस्त करने के लिए छह गारंटी योजनाओं को क्षेत्र स्तर पर ले जाया जाना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार ने छह गारंटी के तहत दो गारंटी लागू की थी। उन्होंने कहा कि इसके तहत आरटीसी ने बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि ऑटो चालक इस कार्यक्रम को लेकर चिंतित हैं और इसे ध्यान में रखते हुए सरकार घोषणा पत्र के तहत ऑटो चालकों को 12 हजार रुपये प्रति माह देने का कार्यक्रम बनाएगी। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार धरणी में बदलाव कर इसे भूमि माता के रूप में लाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि जिन आदिवासियों को परती जमीन का मालिकाना हक नहीं मिला है, उन्हें जल्द जमीन का मालिकाना हक दिलाने के लिए सरकार प्रयासरत है। बाद में, सिदाम एक स्वतंत्र उम्मीदवार कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। उनके साथ विधानसभा क्षेत्र के 60 गांवों के नेता कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए और उन्हें पार्टी का स्कार्फ पहनाकर आमंत्रित किया। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के मंडल अध्यक्ष मसदे चरण, गुंडा श्याम,असद ,नेता सलीम, वासुदेव, शिवा, चितला नारायण, असध और अन्य ने भाग लिया।

सबसे बड़े आउटलेट मॉल 'वैल्यू ज़ोन हाइपर मार्ट' का उद्घाटन

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पहले और सबसे बड़े आउटलेट मॉल के रूप में स्थापित, वैल्यू जोन हाइपर मार्ट, पाटनचेरु का उद्घाटन शुक्रवार को अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण ने किया। वैल्यू ज़ोन हाइपर मार्ट, जो पूरे वर्ष फैशन उत्पादों, किराने का सामान, जूते, सामान, फर्निशिंग, स्टेशनरी, मोबाइल एक्सेसरीज़ आदि सहित 2 लाख से अधिक उत्पादों पर 70 प्रतिशत तक की छूट देने का वादा करता है। वैल्यू ज़ोन हाइपर मार्ट के निदेशकों ने कहा है कि हैदराबाद में प्रतिक्रिया बहुत अच्छी रही है। निदेशक, सुरेश सेरना ने कहा, "वैल्यू ज़ोन उन ग्राहकों की ज़रूरतों को पूरा करेगा जो तेजी से नए शॉपिंग प्रारूप और अपने खर्च के लिए अधिक मूल्य की तलाश कर रहे हैं।" एक अन्य निदेशक, पीवीएस अभिनय ने कहा कि नई सुविधा एक पारिवारिक खरीदारी स्थल है जैसा हैदराबाद में कोई और नहीं है। टी केशव गुप्ता, निदेशक, ने कहा कि वैल्यू जोन खरीदारों के लिए स्वर्ग है, जबकि एक अन्य निदेशक, टी राकेश ने कहा, "खरीदारी के अनुभव को अद्वितीय और अद्वितीय बनाने के लिए, हमने अपने ग्राहकों की जरूरतों को पहले रखा है"।

ओजस लाइफ सेमिनार कल

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ओजस लाइफ सेमिनार एक निःशुल्क कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। आयोजक का कहना है कि यह कार्यशाला आपके बीमारियों के मूल कारणों की खोज में सहायक होगी और जीवनशैली बदलाव से स्वस्थ जीवन की दिशा में मदद करेगा। रविवार 17 दिसंबर को ओजस लाइफ सेमिनार सिकंदराबाद सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक श्री पहाड़ी हनुमान मंदिर (महेंद्रा हिल्स) के आयोजन में किया जा रहा है। सेमिनार में भोजन की व्यवस्था, केवल खान-पान की आदतें बदलने से 90 प्रतिशत बीमारियों को ठीक करने के बारें में जानकारी दी जाएगी। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अतुल शाह होंगे।

कई मुस्लिम नेताओं ने आज मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को बधाई दी। डॉ. बीआर अंबेडकर के तेलंगाना सचिवालय में पूर्व मंत्री शब्बीर अली के नेतृत्व में आए मुस्लिम नेताओं ने सीएम का सम्मान किया। इस मौके पर उन्होंने अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर कई सुझाव दिए। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सीएमओ अधिकारी शिवधर रेड्डी, शाह-नवाज कासिम और अन्य उपस्थित थे।

गांधी भवन हैदराबाद में आयोजित महिला कांग्रेस की बैठक प्रदेश अध्यक्ष सुनीता राव, निलम पद्मा, लक्ष्मी, कविता, सुल्तान, पुष्पा रेड्डी व अन्य भाग लेते हुए।

'गृह मंत्री संसद में चुप हैं और टीवी पर साक्षात्कार दे रहे'

मल्लिकार्जुन खरगे का शाह पर तंज

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि संसद की सुरक्षा में चूक मुद्दे पर गृह मंत्री कोई बयान क्यों नहीं दे रहे हैं? जबकि वह टेलिविजन में साक्षात्कार जरूर दे रहे हैं। खरगे ने यह भी पूछा कि क्या इस मुद्दे पर सवाल करने वाले सांसदों को सस्पेंड करना न्याय है?

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूछा, 'संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर विपक्षी सांसदों को अवैध तरीके से निलंबित करना कहां का न्याय है? उन्होंने कहा कि विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने दोनों सदनों में अपनी संयुक्त रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए सुबह मुलाकात की थी।'

टीवी पर दे रहे साक्षात्कार, लेकिन सदन में चुप

संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर सदन में हंगामा करने पर गुरुवार को सांसदों को निलंबित कर दिया गया। निलंबित किए गए कई सांसदों ने निलंबन के खिलाफ सदन के परिसर में शांति विरोध प्रदर्शन किया। खरगे ने कहा, 'गृह मंत्री टीवी पर साक्षात्कार दे सकते हैं, लेकिन वह सदन में हुए इस मुद्दे पर बयान देने के लिए तैयार नहीं हैं।' उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट जारी करते हुए कहा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा के इस मुद्दे पर सवाल उठाना हमारा कर्तव्य है।' कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश भी खरगे की बात पर सहमति जताई है। इंडिया गठबंधन पार्टियों के नेताओं ने 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर गृह मंत्री अमित शाह को दोनों सदनों में बयान देने की मांग की है। जयराम रमेश ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के इस मुद्दे पर गृह मंत्री ने बयान देने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया है।

संसद की सुरक्षा में कैसे हुई थी चूक

यह घटना बुधवार दोपहर एक बजकर एक मिनट पर हुई। लोकसभा में पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल शून्य काल की कार्यवाही को संचालित कर रहे थे। मालदा उत्तर से भाजपा सांसद खगेन मुर्मू अपनी बात रख रहे थे। तभी दो शख्स दर्शक दीर्घा से नीचे कूद गए। नीले रंग की जैकेट पहना एक शख्स सांसदों की सीट पर कूदने लगा। वह लगभग तीन कतार लांघकर आसन की तरफ जाने लगा। अफरा-तफरी के माहौल के बीच कुछ सांसदों ने हिम्मत दिखाकर उसे घेर लिया। मार्शल भी दौड़कर आ गए। तभी उस युवक ने जूते के अंदर से कुछ पदार्थ निकाला। इसके बाद वहां पीले रंग का धुआं उठने लगा। बाद में सांसदों और मार्शलों ने मिलकर दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद पीठासीन अधिकारी ने कार्यवाही स्थगित कर दी।

पूर्व सीएम केसीआर यशोदा अस्पताल से छुट्टी मिलने पर अपने आवास पर जाते हुए।

मणिपुर हिंसा : पूजा-प्रार्थना स्थलों को बचाने के क्या प्रयास हुए? शीर्ष अदालत की समिति को जवाब देगी राज्य सरकार

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में हुई हिंसा के मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने राज्य में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की सरकार से पूछा है कि प्रदेश की पूजा और प्रार्थना से जुड़ी जगहों को सुरक्षित बचाने के लिए सरकार ने क्या कार्रवाई की? अदालत ने कहा कि सरकार इस संबंध में उस समिति को विस्तार से जानकारी दे, जिसका गठन खुद सुप्रीम कोर्ट ने किया था। बता दें कि मणिपुर में पूजा स्थलों पर सामान्य स्थिति बहाल करने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई कर रही है।

शुक्रवार को इस मामले पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा, राज्य सरकार ने जनजातीय हिंसा और मैतेई-कुकी संघर्ष के दौरान क्षतिग्रस्त हुई धार्मिक संरचनाओं की पहचान कर उनकी सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए हैं। कोर्ट ने कहा, सरकार इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त समिति को सूचनाएं दे। धार्मिक जगहों की सुरक्षा के लिए सरकार दो सप्ताह के भीतर पैनल को एक व्यापक सूची सौंपेगी। बता दें कि मई में हुए जातीय संघर्ष में 170 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली जिस पीठ में सुनवाई हो रही है, उसमें न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि पूजा और प्रार्थना के लिए संरचनाओं की पहचान करने के दौरान सभी धार्मिक संप्रदायों को शामिल किया जाएगा। अदालत ने कहा, समिति एक व्यापक प्रस्ताव तैयार करेगी। इसमें मई के बाद से हुई हिंसा के दौरान क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए सार्वजनिक पूजा स्थलों को दोबारा सामान्य स्थिति में बहाल करने के संबंध में सरकार की भावी रणनीति का विवरण भी शामिल होगा।

गौरतलब है कि अदालत ने हाईकोर्ट की महिला जजों को मिलाकर एक समिति का गठन किया था। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गीता मित्तल समिति की अध्यक्षता कर रही हैं। इसमें न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) शालिनी पी जोशी और आशा मेनन भी शामिल हैं। बता दें कि शीर्ष अदालत मणिपुर से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इनमें सरकार की तरफ से राहत और पुनर्वास के उपायों के अलावा अदालत की निगरानी में हिंसा के मामलों की जांच की मांग वाली याचिका भी शामिल है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'दस साल के ...

सरकार बनने के 48 घंटे के भीतर छह गारंटियों में से दो वादे लागू कर दिए गए हैं, जिसके तहत राज्य में महिलाएं सरकारी बस सेवा में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। साथ ही गरीब परिवारों को राजीव आरोग्य श्री योजना 10 लाख रुपये तक का इलाज कराने की सुविधा मिलेगी।'

ये किए थे कांग्रेस ने वादे

बता दें कि कांग्रेस ने अपनी छह गारंटियों में महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को मुफ्त बस सेवा और 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर देने, रायथु भरोसा योजना के तहत किसानों और किराए पर जमीन लेकर खेती करने वाले किसानों को सालाना 15 हजार रुपये प्रति एकड़ देने, गृह ज्योति योजना के तहत 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने, इंद्रम्मा योजना के तहत जिन लोगों के पास मकान नहीं है उन्हें मुफ्त प्लॉट और मकान बनाने के लिए 5 लाख रुपये देने का एलान किया था। साथ ही कांग्रेस ने युवा विकासम योजना के तहत छात्रों को 5 लाख रुपये का विद्या भरोसा कार्ड और चेयुथा योजना के तहत परिवार को 4000 रुपये प्रति माह की पेंशन देने का एलान किया था।

लोकसभा घुसपैठ केस ...

पांचवें आरोपी गुरुग्राम के विशाल शर्मा से हिरासत में पूछताछ जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों का किसी आतंकी संगठन से संबंध सामने नहीं आया है। सभी करीब डेढ़ साल से संसद में घुसपैठ की साजिश रच रहे थे। तब वे मैसुरु में मिले।

मार्च में मनोरंजन को रेकी करने को कहा

पुलिस के अनुसार ललित झा ने मार्च में मनोरंजन को संसद भवन की रेकी को कहा। सागर भी जुलाई में संसद भवन आया, लेकिन भीतर नहीं जा पाया। मनोरंजन और सागर ने देखा कि यहां जूतों की जांच नहीं होती है, इसलिए स्मोक कैन को जूतों में छिपाया था।

संसद में धुआं ...

द हिंदू से बातचीत में संसद भवन के एक कर्मचारी ने बताया, हमें मकर द्वार (लोकसभा और राज्यसभा कक्ष के लिए एक कॉमन गेट) से प्रवेश करने की अनुमति थी और हमने इसके जरिए अपने कार्यालय तक जाने का रास्ता याद कर लिया था। लेकिन अब हमें एक बार फिर अपने दफ्तर का रास्ता याद करना होगा। घटना से पहले भी आगंतुक तीन लेयर की सिक्योरिटी चेक से गुजरते थे। लेकिन अब पास की जांच के लिए संसद भवन से कम से कम 200 मीटर की दूरी पर बैरिकेड लगाए गए हैं। वैध पास धारकों की दर्शक दीर्घा तक पहुंचने से पहले दो बार तलाशी ली जाती है।

बता दें की बुधवार को संसद भवन के अंदर और बाहर, चार नौजवानों ने पीले रंग का धुआं फैलाते हुए नारेबाजी की थी। घटना से संसद में अफरा-तफरी मच गई थी। इसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करने और खामियों को दूर करने के लिए कई राउंड की बैठक हुई, जिसमें कई बदलावों पर निर्णय लिया गया। घटना के अगले दिन, गुरुवार को संसद के बाहर खामोशी छाई रही, ना कोई भीड़ भाड़, ना सेल्फी लेने वाले, ना मीडिया बाइट देते सांसद। स्कूली छात्रों के एक ग्रुप को छोड़कर, विजिटर्स पर पूरी तरह प्रतिबंध रहा। स्कूली छात्रों का जो ग्रुप पहुंचा था, उसने सुरक्षा कर्मचारियों की निगरानी में अपने शिक्षकों के साथ मौन मार्च किया।

'शिवसेना विधायकों की ...

फैसला लेने में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष को उच्चतम न्यायालय की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष से कहा था कि वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 56 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं को जल्द अपने सामने सूचीबद्ध करें। कोर्ट ने अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए एक समय-सारणी निर्धारित करने का भी निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि स्पीकर संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत कार्यवाही को अनिश्चितकाल तक टालकर नहीं रख सकते। कोर्ट के निर्देशों के प्रति सम्मान की भावना होनी चाहिए। सीजेआई ने संविधान पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए पूछा था कि कोर्ट के 11 मई के फैसले के बाद स्पीकर ने क्या किया? पीठ ने यह भी कहा था कि मामले में दोनों पक्षों को मिलाकर कुल 34 याचिकाएं लंबित हैं। दरअसल, फैसले में स्पीकर को उचित अवधि में अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने का निर्देश दिया गया था।

सांसद सुनील प्रभु की याचिका पर सुनवाई

कोर्ट शिवसेना (उद्धव ठाकरे) पार्टी के सांसद सुनील प्रभु की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर को एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

मेडचल रोड कल्लाकल स्थित श्री आईजी गौशाला में गौ सेवा करते हुए सीरवी बी ताराराम पवार, नारायणलाल सोगलाल ,भंवर ,भारत, गौ सेवक सुरेश कुमार, चुनिदेवी, प्यारिदेवी , शुसीलादेवी परेमदेवी व साथ में उपस्थित सुचित्रा महिला मंडल के सदस्य।

यादगिरिगुट्टा में तुलसी विवाह कार्यक्रम में भाग लेती हुईं आस्था संस्था की सदस्याएं अर्चना, कौशल्या, मंजू, आशा, शोभा, संगीता व अन्य।

लौह पुरुष सरदार वल्लभाई पटेल की पुण्यतिथि पर बशीरबाग स्थित पटेल की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करती हुईं अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल एवं पवन भुवानिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पैरालंपिक चैंपियन मनीष नरवाल ने जीता स्वर्ण

हरियाणा के निशानेबाजों का रहा दबदबा

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हरियाणा के मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 कैटेगरी का स्वर्ण खेलो इंडिया पैरा गेम्स में जीता। निशानेबाजी में हरियाणा का दबदबा रहा। दांव पर लगे तीनों स्वर्ण पदकों पर हरियाणा के निशानेबाजों ने हाथ साफ किया।

हरियाणा के दीपक और रामपाल भी जीते

मनीष ने इसी इवेंट में हांगझोऊ पैरा एशियाड का कांस्य पदक जीता था। पैरा एशियाड की इस इवेंट में रुद्रांक्ष खंडेलवाल ने मनीष को पीछे छोड़ते हुए रजत जीता था, लेकिन बृहस्पतिवार को मनीष ने फाइनल में 240.2 का स्कोर करते हुए रुद्रांक्ष (236.8) को पराजित कर दिया। महाराष्ट्र के वैभव राजू को कांस्य मिला। 10 मीटर एयरराइफल प्रोन एसएच-1 मिश्रित स्पर्धा का स्वर्ण हरियाणा के दीपक सैनी (250.2) ने अपने ही साथी विजय कुमार (249.3) को पराजित कर जीता। राजस्थान की मोना अग्रवाल ने कांस्य जीता। 10 मीटर एयरराइफल प्रोन मिश्रित स्पर्धा एसएच-2 का स्वर्ण हरियाणा के राम पाल (625.5) ने राजस्थान के विजय सिंह (625.5) को हराकर जीता।

पंजाब के गुरसेवक ने पावरलिफ्टिंग में जीता स्वर्ण

पावरलिफ्टिंग में तमिलनाडु की कस्तूरी राजमणि ने 67 किलो भार वर्ग में 100 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता। उन्होंने गुजरात की पारुल गोहिल (64) और पंजाब की सुमनदीप (57 किलो) को पीछे छोड़ा। 73 भार वर्ग में गुजरात की रेशमा मोगिल ने 72 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता। दिल्ली की साहिस्ता (58) ने रजत और राजस्थान की माया (57) ने कांस्य जीता। पुरुषों के 80 भार वर्ग में पंजाब के गुरसेवक सिंह ने 171 किलो वजन उठाकर स्वर्ण जीता। केरल के अब्दुल सलाम (155) ने रजत और दिल्ली के हनी डबास (152) ने कांस्य पदक जीता। टोक्यो पैरालंपिक की रजत पदक विजेता गुजरात की भाविना पटेल ने टेबल टेनिस में विजयी आगाज किया।

उन्होंने अपने ही राज्य की शमीम को 3-0 से हराया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता गुजरात की सोनल पटेल ने तमिलनाडु की फातिमा बीवी को 3-0 से हराया।

बारह में से एक भी पेनाल्टी कॉर्नर नहीं भुना सका भारत

जूनियर विश्व कप में जर्मनी के हाथों मिली हार

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम को पेनाल्टी कॉर्नर न भुना पाने का खामियाजा भुगतना पड़ा और जूनियर विश्व कप के सेमीफाइनल में टीम को जर्मनी के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को 12 पेनाल्टी कॉर्नर मिले, जिसमें से एक भी गोल में तब्दील नहीं हो सका। छह बार की चैंपियन जर्मनी ने सिर्फ दो पेनाल्टी कॉर्नर अर्जित किए और दोनों को भुना लिया। इससे पहले क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम ने नीदरलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था और 4-3 से जीत हासिल की थी लेकिन गुरुवार को जर्मनी के खिलाफ टीम को पेनाल्टी कॉर्नर न भुना पाने से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के बेन हेसबैक ने आठवें (मैदानी गोल) और 30वें मिनट (पेनाल्टी कॉर्नर) में दो गोल कर जर्मनी को 2-1 से बढ़त दिलाई थी।

हार्दिक पांड्या बने मुंबई इंडियंस के नए कप्तान, छिन गई रोहित शर्मा की कुर्सी

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 से पहले बहुत बड़ा फैसला लिया है. दरअसल मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पांड्या को टीम का कप्तान नियुक्त किया है. अब हार्दिक रोहित शर्मा की जगह एमआई की कमान संभालते नजर आएंगे. हालांकि इसको लेकर अभी तक किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है.

मुंबई ने पांड्या को आईपीएल 2024 से पहले ट्रेड किया था. पांड्या इससे पहले गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे थे. गुजरात पांड्या की कप्तानी में अपने पहले ही सीजन चैंपियन भी बनी थी. हार्दिक की वापसी के साथ ही उन्हें अहम जिम्मेदारी सौंप दी गई है. मुंबई इंडियंस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर हार्दिक पांड्या हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाने की जानकारी दी है. मुंबई ने बयान में लिखा, 'मुंबई इंडियंस आज कप्तानी में बदलाव को लेकर ऐलान कर रही है. ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अगले सीजन में कप्तानी करेंगे. रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई अब तक सफल रही है." टीम ने लिखा, हमारी टीम रोहित शर्मा के प्रति कृतज्ञ है. उनका 2013 से अब तक चला कार्यकाल शानदार रहा है. वे आईपीएल इतिहास के बेहतरीन कप्तानों में से एक हैं.

रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस 5 बार बनी चैंपियन

रोहित शर्मा मुंबई के सबसे सफल कप्तान रहे हैं. टीम उनकी कप्तानी में पांच बार चैंपियन बनी. मुंबई ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में खिताब जीता. अगर रोहित के आईपीएल के निजी प्रदर्शन को देखें तो वह भी बेहतरीन रहा है. उन्होंने 243 मैचों में 6211 रन बनाए हैं. इस दौरान एक शतक और 42 अर्धशतक लगाए हैं. रोहित ने करियर का डेब्यू आईपीएल मैच अप्रैल 2008 में खेला था. रोहित ने डेक्कर चार्जेस की तरफ से खेलते हुए डेब्यू किया था.

टी20 में ट्रिपल-फिगर हासिल करना बेहद खास : सूर्या

जोहान्सबर्ग, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। तीसरे और अंतिम टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका पर 106 रनों की बड़ी जीत दर्ज करने के बाद, भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उन्हें ज्यादा चोट नहीं लगी और अब उनका टखना पहले से काफी बेहतर है। गुरुवार रात वांडरर्स में सूर्यकुमार ने 178.57 के स्ट्राइक-रेट से सात चौके और आठ छक्के लगाते हुए सिर्फ 55 गेंदों पर एक शानदार शतक बनाया। अपने चौथे टी20 शतक के साथ प्रारूप में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार खेल के छोटे प्रारूप में एक पुरुष बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक शतकों के मामले में रोहित शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल के बराबर आ गए। प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीतने के बाद सूर्या ने कहा, मैं ठीक हूं और मुझे ज्यादा चोट नहीं आई। टी20 मैच में ट्रिपल-फिगर स्कोर तक पहुंचना हमेशा एक अच्छा एहसास होता है। सूर्यकुमार एक समय 25 गेंदों पर 27 रन पर थे, लेकिन पारी के दूसरे भाग में उन्होंने अगली 31 गेंदों में 73 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका पर तेज आक्रमण किया। सूर्या ने कहा, अपने खेल को अच्छी तरह से जानना महत्वपूर्ण है। आप अपनी टीम के लिए क्या कर सकते हैं और मैंने भी यही सोचा है। स्थिति जो भी हो, मैं बस वहां जाता हूं और आनंद लेता हूं। अगर यह मेरा दिन है या नहीं है... जीवन में संतुलन बहुत महत्वपूर्ण है और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया।"

हालांकि सूर्यकुमार ने टखने की चोट के बाद फील्डिंग नहीं की, लेकिन इससे भारत को ज्यादा परेशानी नहीं हुई क्योंकि बर्थडे बॉय कुलदीप यादव ने 2.5 ओवर में 5-17 के करियर के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। 13.5 ओवर में 95 रन पर आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम को लगा कि इस लक्ष्य का पीछा किया जा सकता है। लेकिन चीजें उनके मुताबिक नहीं चली और भारतीय गेंदबाजों ने दमदार गेंदबाजी की।

सूर्यकुमार यादव को लगी चोट,गोद में उठाकर ले जाना पड़ा

जोहान्सबर्ग, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने टी-20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 106 रन से हरा दिया। जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में शुक्रवार को टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 201 रन का स्कोर खड़ा किया था।

जवाब में मेजबान टीम 13.5 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट हो गई। मैच में शतक जमाने वाले खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए। वहीं, बॉलिंग के दौरान तकनीकी खराबी के कारण भारत डीआरएस नहीं ले सका। जबकि, जितेश शर्मा ने चौका लगाया, लेकिन अंपायर ने उन्हें आउट दिया, क्योंकि वे हिटविकेट हो गए। सूर्यकुमार यादव फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए।

2024 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाक मैच न्यूयार्क में

आईसीसी और न्यूयार्क की लोकल कमेटी ले सकती है फैसला; न्यूयार्क में तैयार होगा अस्थायी स्टेडियम

न्यूयार्क, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच न्यूयार्क में खेला जा सकता है। इस आशय की एक रिपोर्ट द गार्डियन में छपी है। टी-20 वर्ल्ड कप इस साल 4 जून से 30 जून के बीच वेस्टइंडीज और अमेरिका में होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इसको लेकर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल और न्यूयार्क की लोकल कमेटी के बीच आज बैठक के बाद फैसला लिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयार्क के बाहरी इलाके में वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए अस्थायी स्टेडियम तैयार किया जा रहा है। इसमें 34 हजार लोगों के बैठने की क्षमता होगी।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अमेरिका में तीन स्थानों का चयन किया गया है। न्यूयार्क में भारत-पाक मैच आयोजित करने की मुख्य वजह हाल ही में आया एक सर्वे है। सर्वे के मुताबिक यहां पर 7 लाख से ज्यादा भारतीय और एक लाख के करीब पाकिस्तानी मूल के लोग रहते हैं। ऐसे में आयोजकों को उम्मीद है कि भारत-पाक मैच को यहां अच्छा रिस्पॉन्स मिलेगा। युगांडा की जीत के साथ टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली सभी 20 टीमें तय हो चुकी हैं। इसके लिए एशियन रीजन से नेपाल और ओमान ने क्वालिफाई किया है, जबकि अफ्रीका से युगांडा और नामीबिया ने वर्ल्ड कप का टिकट हासिल किया है। मेजबान होने के कारण वेस्ट इंडीज और अमेरिका ने क्वालिफाई किया, जबकि इंग्लैंड, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, नीदरलैंड और श्रीलंका ने 2022 में पिछले टी20 वर्ल्ड कप में टॉप-8 रहकर अपनी जगह पक्की की थी। अफगानिस्तान और बांग्लादेश 14 नवंबर 2022 की रैंकिंग से क्वालिफाई करके आए हैं।

अमेरिका में वर्ल्ड कप कराने के 2 अहम कारण

पहला : नॉर्थ अमेरिका में क्रिकेट तेजी से फैल रहा है। यहां मजबूत पकड़ बनाने के लिए आईसीसी ने यह कदम उठाया।

दूसरा : 2028 के लॉस एंजिल्स ओलिंपिक गेम्स में इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (आईओसी) ने क्रिकेट को शामिल किया है।

20 टीमों को 5-5 टीमों के 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। ग्रुप स्टेज में 40 मैच होंगे। सभी ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें सुपर-8 स्टेज में पहुंचेंगी, इस स्टेज में 12 मैच होंगे। सुपर-8 की भी 2-2 टॉप टीमें सेमीफाइनल में क्वालिफाई करेंगी। सेमीफाइनल की विजेता टीमों के बीच 30 जून 2024 को टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। 2 सेमीफाइनल, एक फाइनल और 52 ग्रुप स्टेज मैच मिलाकर टूर्नामेंट में 27 दिन के अंदर कुल 55 मैच खेले जाएंगे।

धोनी की नंबर 7 जर्सी रिटायर

ये सम्मान पाने वाले दूसरे भारतीय क्रिकेटर; इससे पहले 2017 में सचिन की जर्सी हुई थी रिटायर

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी की नंबर 7 जर्सी अब किसी अन्य भारतीय क्रिकेटर के लिए उपलब्ध नहीं होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसे रिटायर करने का फैसला किया है। धोनी के इंटरनेशनल रिटायरमेंट के करीब 3 साल बाद बोर्ड ने यह फैसला लिया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने बताया कि धोनी ने अपने पूरे करियर में जिस नंबर की टीशर्ट पर पहनी थी, उसे रिटायर करने का फैसला किया है। धोनी से पहले सचिन तेंदुलकर की नंबर 10 जर्सी को भी यह सम्मान मिला था।

साल 2017 में सचिन की नंबर 10 जर्सी को भी हमेशा के लिए रटियार कर दिया गया था। धोनी ने 90 टेस्ट, 350 वनडे और 98 टी-20 खेले हैं। इसमें उन्होंने 4,876, 10,773 और 1,617 रन बनाए हैं। धोनी ने आईपीएल में अब तक 190 मैच में 4,432 रन बनाए हैं।

धोनी की नंबर 7 जर्सी हमेशा के लिए रिटायर

धोनी ने 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। वह टेस्ट से 2014 में ही संन्यास ले चुके थे। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि धोनी की नंबर 7 जर्सी को किसी अन्य भारतीय क्रिकेटर को कभी अलॉट नहीं की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि टीम इंडिया के खिलाड़ियों, खासकर डेब्यू करने वाले प्लेयर्स को बता दिया गया है कि वो तेंदुलकर और धोनी से जुड़े नंबरों को नहीं चुन सकते हैं।

धोनी ने 2 वर्ल्ड कप जिताए, एक बार चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती

धोनी का जन्म झारखंड (तब बिहार) के रांची में हुआ था। धोनी ने अपनी कप्तानी में देश को 2007 में टी-20 और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप के अलावा 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जिताई है। दिसंबर 2014 में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया था।

दीप्ति के पहले पंजे ने इंग्लैंड को 136 रन पर समेटा

नवी मुंबई, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। दीप्ति शर्मा ने पहली बार पांच विकेट (7 रन देकर 5 विकेट) लिए और बल्लेबाजों को चकमा दे दिया, जिससे भारत की महिलाओं ने इंग्लैंड की महिलाओं को उनकी पहली पारी में 136 रन पर समेटकर चार दिवसीय मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में एकमात्र टेस्ट में दबदबा बना लिया।

भारत, जिसने अपनी पहली पारी में 428 रन बनाए, ने 292 रनों की बढ़त हासिल की और फॉलो-ऑन के लिए मजबूर करने के बजाय बल्लेबाजी करने का फैसला किया। दीप्ति शर्मा, जो सुबह 67 रन पर आउट हो गईं, जब भारत ने अपनी पहली पारी में 428 रन बनाए, अपने रात्रि स्कोर में 18 रन जोड़कर, 5.2-4-7-5 के आंकड़े के साथ समाप्त हुई, उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन उनके तीसरे टेस्ट में आया।

शमी के द.अफ्रीका में टेस्ट सीरीज खेलने पर सस्पेंस!

नई दिल्ली, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का टखने की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में खेलना अनिश्चित है। 30 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम की घोषणा करते हुए शमी को टेस्ट सीरीज के लिए शामिल किया गया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा था कि शमी फिलहाल मेडिकल ट्रीटमेंट से गुजर रहे हैं और उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर है।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट में बताया गया कि शमी टेस्ट के लिए चुने गए बाकी खिलाड़ियों के साथ दक्षिण अफ्रीका नहीं जाएंगे। इसमें बताया गया है, कप्तान रोहित शर्मा सहित खिलाड़ियों का आखिरी जत्था जोहान्सबर्ग के लिए रवाना होने वाला है, लेकिन 33 वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज उनमें शामिल नहीं होंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रोहित के अलावा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, नवदीप सैनी और हर्षित राणा शुक्रवार को दुबई के रास्ते दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान भरेंगे। अब तक, 75 से अधिक पुरुष क्रिकेटर सीनियर पुरुष टीम और भारत 'ए' टीम के लिए दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर हैं।

रिपोर्ट में यह भी गया है कि चयनकर्ताओं ने अभी तक शमी के प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है, लेकिन धारणा यह है कि कई खिलाड़ी पहले से ही टी20, वनडे, टेस्ट और ए सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका में हैं। उनमें से एक तेज गेंदबाज को टेस्ट सेट-अप में शामिल किया जा सकता है। इसमें आगे कहा गया, विश्व कप 2023 में अग्रणी विकेट लेने वाले शमी टखने के दर्द से पीड़ित थे और यह पता चला है कि उन्होंने दर्द के बावजूद टूर्नामेंट में गेंदबाजी का कार्यभार संभाला था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के दो टेस्ट 26-30 दिसंबर तक सेंचुरियन में और 3-7 जनवरी, 2024 तक केप टाउन में खेले जाएंगे। यह 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की भारत की दूसरी श्रृंखला है। आखिरी बार भारत ने दक्षिण अफ्रीका में दिसंबर 2021- जनवरी 2022 में टेस्ट सीरीज खेली थी। उस समय भारत ने सेंचुरियन में पहला टेस्ट जीता था। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग और केप टाउन में मैच जीतकर वापसी की और अंततः श्रृंखला पर 2-1 से कब्जा किया।

पर्थ टेस्ट में शतक लगाकर वार्नर ने आलोचकों को शांत किया

पर्थ, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के शुरुआती दिन गुरूवार को 211 गेंदों पर 164 रन की तूफानी शतकीय पारी खेलकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है।

37 वर्षीय खिलाड़ी को तिहरे आंकड़े तक पहुंचने के लिए सिर्फ 125 गेंदों की जरूरत थी। अपनी उल्लेखनीय पारी के दौरान, उन्होंने 16 चौके और चार छक्के लगाए, जो उनके करियर का 26वां शतक और जनवरी 2020 के बाद उनका पहला शतक था। अपनी अविश्वसनीय पारी के दौरान, वार्नर मैथ्यू हेडन और माइकल क्लार्क को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष पांच खिलाड़ियों में शामिल हो गए। सर्वकालिक सूची में, उनके बड़े शतक ने उन्हें धुरंधर सर विव रिचर्ड्स और वीरेंद्र सहवाग से आगे निकलने में मदद की। वार्नर अब 8651 रनों के साथ ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक टेस्ट रन बनाने वालों में पांचवें स्थान पर हैं, वह केवल स्टीव स्मिथ, स्टीव वॉ, एलन बॉर्डर और रिकी पोंटिंग से पीछे हैं। वार्नर ने पर्थ की सतह पर पहले बल्लेबाजी करने के पैट कमिंस के फैसले को सही ठहराया क्योंकि वह इरादे के साथ उतरे थे। उन्होंने केवल 41 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और उस्मान ख्वाजा के साथ तेज गति से शतकीय साझेदारी की। जबकि उनके साथी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठाने के दोषी थे - स्मिथ उस दिन केवल 41 रनों के साथ अगले सर्वोच्च स्कोरर थे - वार्नर ने अपना 26वां टेस्ट शतक बनाया, जिसके बाद उनकी ट्रेडमार्क छलांग और जश्न मनाया। अपने शतक तक पहुंचने के बाद, 37 वर्षीय को कुछ जीवनदान मिले - पहले, खुर्रम शहजाद ने कैच लेने का मौका गंवा दिया, और फिर सरफराज अहमद स्टंपिंग करने में असफल रहे। वॉर्नर ने रनों का अंबार लगाकर और 150 रन बनाकर पाकिस्तान को इसका खामियाजा भुगतने के लिए मजबूर किया। मेहमान टीम ने आखिरकार शॉर्ट-बॉल रणनीति अपनाकर वार्नर पर बाजी मार ली, जिससे ऑस्ट्रेलियाई ओपनर दिन का खेल खत्म होने से कुछ ओवर पहले ही डीप में पकड़े गए। इसके बाद मिचेल मार्श और एलेक्स कैरी ने शेष ओवरों में बिना कोई और झटका दिए ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट पर 346 रन की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 में भी इंग्लैंड को हराया, ब्रैंडन किंग ने खेली 82 रन की नाबाद पारी; सीरीज में 2-0 की बढ़त

ग्रेनेडा, 15 दिसंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने ग्रेनेडा में खेले गए घरेलू टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में ब्रैंडन किंग की नाबाद 82 रन की पारी की बदौलत इंग्लैंड को 10 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 7 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाए। वहीं 177 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम 7 विकेट के नुकसान पर 166 रन ही बना सकी। 5 टी-20 मैचों की सीरीज में वेस्टइंडीज ने 2-0 से बढ़त बना ली है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। वेस्टइंडीज का पहला विकेट 43 रन पर गिरा। ओपनर काइल मायर्स 16 गेंदों पर 17 बनाकर आउट हो गए। उसके बाद 48 रन पर वेस्टइंडीज को दूसरा झटका लगा। निकोलस पूरन भी 5 गेंदों का सामना कर 5 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं वेस्टइंडीज को तीसरा झटका 51 रन पर लगा। साई होप भी एक रन बना कर पवेलियन लौट गए। उसके बाद शिमरॉन हेटमायर भी 54 रन के स्कोर पर 2 रन बनाकर आउट हो गए। जल्दी-जल्दी 4 विकेट गिरने के बल्लेबाजी करने आए कप्तान रोवमैन पॉवेल ने ओपनर ब्रैंडन किंग के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 46 गेंदों पर 80 रन की पार्टनरशिप कर टीम को संकट से उबारा। वेस्टइंडीज का 5वां विकेट 134 रन पर गिरा।

प्रजावाणी कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ी, बेगमपेट में यातायात प्रभावित

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को यहां ग्रीनलैंड्स के ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में शुरू हुए प्रजावाणी कार्यक्रम में राज्य भर से आवेदकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। हालांकि कार्यक्रम का निर्धारित समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक है, लेकिन लोग सुबह से ही उमड़ पड़े।

कार्यक्रम में इतनी भीड़ थी कि कतारें प्रजा भवन से आगे जीआरटी शोरूम तक लग गईं। प्रजा भवन में भारी भीड़ के कारण बेगमपेट मुख्य सड़क पर यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने शुरुआत में आवेदन प्राप्त किए और विधानसभा के लिए रवाना हो गए। यातायात की स्थिति ने हैदराबाद यातायात पुलिस को यातायात सलाह जारी करने के लिए प्रेरित किया। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि प्रजावाणी (प्रजा दरबार) में आगंतुकों के भारी प्रवाह के कारण, जीवीके वन, वेंगल राव पार्क, एनएफसीएल, पंजागुट्टा एक्स रोड, सोमाजीगुडा सर्कल से प्रजा दरबार की ओर वाहनों की आवाजाही धीमी है। ट्रैफिक पुलिस ने एक्स पर साझा किया कि पंजागुट्टा ट्रैफिक पुलिस उपलब्ध है और यातायात को नियंत्रित कर रही है।

राज्य सरकार ने प्रजा दरबार कार्यक्रम का नाम बदलकर प्रजावाणी कर दिया है। सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक का समय निर्धारित किया गया था। यह कार्यक्रम अब प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को आयोजित किया जा रहा है। समय के बावजूद लोग बड़ी संख्या में पहुंचे और भीड़ को देखते हुए अधिकारियों को आवेदन स्वीकार करने में समय लग रहा था। मंगलवार को, अधिकारियों ने उन आवेदकों को अनुमति नहीं दी थी, जो कार्यक्रम स्थल पर दोपहर 1 बजे के बाद आए थे।

कांग्रेस के चार विधायकों को सरकारी सचेतक नियुक्त किया गया

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने शुक्रवार को चार कांग्रेस विधायकों को सरकारी सचेतक नियुक्त किया। जिन लोगों को सरकारी सचेतक नियुक्त किया गया है उनमें रामचंदर नायक, बीरला इलैया, अडुरी लक्ष्मण कुमार और आदि श्रीनिवास शामिल हैं। अडुरी लक्ष्मण ने धर्मपुरी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और बीआरएस उम्मीदवार और पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर के खिलाफ जीत हासिल की।

इसी तरह, बीरला इलैया बीआरएस उम्मीदवार और पूर्व सरकारी सचेतक गोंगिडी सुनीता को हराकर अलेरु विधानसभा क्षेत्र से चुने गए। इस बीच, आदि श्रीनिवास वेमुलावाड़ा विधानसभा क्षेत्र से बीआरएस उम्मीदवार लक्ष्मी नरसिम्हा राव के खिलाफ चुने गए, जबकि जटोथ रामचंदु नायक दोर्नाकल विधानसभा क्षेत्र से बीआरएस उम्मीदवार रेड्या नायक के खिलाफ चुने गए।

सिद्दीपेट कलेक्टर के गनमैन ने किया शूटआउट

खुद को मारने से पहले अपने पूरे परिवार को मार दी गोली

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिद्दीपेट जिले से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। इसमें कलेक्टर की सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी ने दो बच्चों के साथ पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने उसी रिवाल्वर से खुद को भी गोलीमार कर आत्महत्या कर ली। यह चौंकाने वाली घटना सिद्दीपेट जिले के चिन्नाकोडूर मंडल के रामुनिपट्टा गांव में हुई। अपने पूरे परिवार की हत्या और फिर आत्महत्या करने वाले पुलिसकर्मी की पहचान एक नरेश के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार वह सिद्दीपेट जिले के कलेक्टर प्रशांत जीवन पाटिल के गनमैन के रूप में कार्यरत था। पुलिस के अनुसार पुलिस कांस्टेबल अकुला नरेश (35) ने पिस्तौल से गोलियां चलाकर अपनी पत्नी चैतन्य (30), बेटे रेवंत (6) और बेटी हिमाश्री (5) की हत्या कर दी। बाद में उसने उसी रिवाल्वर से आत्महत्या कर ली। 15 दिसंबर को नरेश ड्यूटी पर नहीं गया था और घर पर ही था। गोलियों की आवाज सुनकर पड़ोसी दौड़े तो देखा चारों मृत पड़े हैं। सिद्दीपेट जिले की एसपी एन श्वेता ने बताया कि नरेश खुद के साथ अपने परिवार की हत्या सुबह 11:30 बजे की। कलेक्टर के आउट ऑफ स्टेशन होने के कारण गनमैन अपने घर गया था। एसपी ने कहा की घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया, जो घटनास्थल पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आशंका है कि वित्तीय समस्या के कारण यह घटना हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, नरेश ऑनलाइन सट्टेबाजी का आदी था और उसने दूसरों से पैसे उधार लिए थे। हालांकि, पुलिस ने कहा कि वे सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रहे हैं।

सालार जंग संग्रहालय विशेष हुक्का प्रदर्शनी के साथ 73 वर्ष पूरे करेगा

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में सालार जंग संग्रहालय अपने 73 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अपने अभिलेखागार से हुक्का के संग्रह की एक विशेष प्रदर्शनी की मेजबानी करने के लिए तैयार है। उद्घाटन शनिवार को सुबह 11:45 बजे एजुकेशन हॉल, सेंट्रल ब्लॉक में होने वाला है। सालार जंग संग्रहालय के निदेशक और कर्मचारियों ने उद्घाटन देखने के लिए जनता, उत्साही और पारखी लोगों को निमंत्रण दिया है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रदर्शनी, आगंतुकों के लिए सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को समझने का एक अनूठा अवसर है।

मुख्य अतिथि एसजेएम बोर्ड के सदस्य नवाब अतराम अली खान हैं, विशिष्ट अतिथि प्रो. वी. किशन राव, डॉ. जी. कमलाकर और डॉ. एस. जयकिशन हैं।

बलात्कार के दोषी को 20 साल की सश्रम कारावास की सजा

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर की एक स्थानीय अदालत ने 2019 में सरूरनगर में दर्ज एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और धोखाधड़ी के मामले में एक व्यक्ति को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया और मुआवजा दिया। मई 2019 में, करमानघाट के ऑटो-रिक्शा चालक दोषी पी. नागराजू (26) ने 16 वर्षीय लड़की को प्यार के झांसे में फंसाया और उसके साथ बलात्कार किया। लड़की की शिकायत के आधार पर पिता, सरूरनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया और बाद में नागराजू को गिरफ्तार कर लिया। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने मामले में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए जांच अधिकारी और टीम के प्रयासों की सराहना की।

गांजा बेच रहे दो गिरफ्तार, सौ किलों गांजा बरामद

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मोइनाबाद पुलिस ने गांजा बेचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि सात लोग फरार हो गए है। पुलिस को गिरफ्तार लोगों के पास से सौ किलों गांजा, एक कार, एक स्कूटी आदि बरामद हुआ है। डीसीपी राजेन्द्र नगर के मुताबिक आरोपी आज भोर में करीब 5 बजे मुदिमियाला रिजर्व फॉरेस्ट के आसपास के इलाकों में एक छोटे से नवनिर्मित घर से पुलिस से दो लोगों को गांजा बेचते समय गिरफ्तार किया है। मोइनाबाद पुलिस स्टेशन के पुलिस उप निरीक्षक किशन सिंह और उनके सहयोगी हेड कांस्टेबल देवी सिंह, पुलिस कांस्टेबल राजू और होम गार्ड सत्तैया ने आरोपी भवर खान निवासी मेडचल और नीतेश सिंह निवासी धूलपेट को गिरफ्तार कर लिया। जबकि इस मामले के अन्य आरोपी सुनील सिंह, निवासी गंगा बाउली, धूलपेट, मनोज, निवासी उड़ीसा, नंदिनी निवासी गंगा बाउली, धूलपेट, निवासी लक्ष्मी बाई, अभिषेक निवासी गंगाबावली धूलपेट फरार है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस को कुल 100 किग्रा गांजा, एक स्विफ्ट कार, दो मोबाइल फोन, एक डियो स्कूटी मिली है।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम के अधिकारियों ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले दो आरोपियों कोंचम कोटि उर्फ ईश्वर और मोहम्मद यूसुफ उर्फ बाबा को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस टीम को इनके पास से चोरी की तीन मोटर साइकिल बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी कोंचम कोटि उर्फ ईश्वर, वारंगल जिले, तेलंगाना का मूल निवासी है और सामाजिक बुराइयों से ग्रस्त होकर मजदूरी करके हैदराबाद से आकर जियागुडा में बस गया। इस दौरान उसने दोपहिया वाहनों की चोरी की और विलासितापूर्ण जीवन जीने के लिए कम कीमत पर दूसरे बिक्री बाजार में बेच दिया। वह आदतन अपराधी है। उसका वर्ष 2013 से आपराधिक रिकॉर्ड है। इससे पहले उसे टप्पा चबूतरा थाना, काचीगुडा थाना, आसिफनगर थाना, सैफाबाद थाना और उप्पल थाना द्वारा (13) मामलों में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी मोहम्मद यूसुफ हबीब नगर की सीमा में रहता है। वह कोंचम कोटी का दोस्त है और बाइक मैकेनिक का काम करता है।

मुनाफे को साझा करके चोरी के वाहनों को बाजार में बेच देता था। कोंचम कोटि और मोहम्मद यूसुफ घर के सामने या सुनसान जगह पर खड़े वाहनों को अपना निशाना बनाते थे। आज दोनों आरोपी चोरी की मोटर साइकिल बेचने के लिए किंगकोटि क्षेत्र में आए थे। इसी दौरान दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

सात साल के लड़के ने पुलिस बनने की इच्छा पूरी की

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सात साल के असाध्य रूप से बीमार लड़के की पुलिसकर्मी बनने की इच्छा बंजारा हिल्स पुलिस ने मेक ए विश फाउंडेशन की मदद से पूरी की। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के चौथी कक्षा के छात्र मोहन साई का पिछले एक साल से बंजारा हिल्स के बसवतारकम इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में कैंसर का इलाज चल रहा है। लड़के ने 'मेक ए विश इंडिया' फाउंडेशन के स्वयंसेवकों के सामने पुलिस अधिकारी बनने की इच्छा व्यक्त की थी। लड़के की इच्छा पूरी करने के लिए एनजीओ ने बजारा हिल्स पुलिस के साथ समन्वय किया। शुक्रवार को बंजारा हिल्स पुलिस ने बच्चे के लिए एक दिन के लिए इंस्पेक्टर बनने की व्यवस्था की। थाने के स्टाफ ने बच्चे को बुलाया और पुलिस अधिकारी बताकर अपनी सीट पर बैठा लिया. बंजारा हिल्स डिटेक्टिव इंस्पेक्टर जाकिर हुसैन ने मोहन साईं को पुलिस सलामी दी और पूर्व से सलामी भी प्राप्त की। मोहन को पुलिस स्टेशन में काम करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया और पुलिस कर्मियों से उपहार प्राप्त किए। अपनी महत्वाकांक्षा पूरी होते देख मोहन साईं की आंखें खुशी से भर आईं। उनके माता-पिता ने इस कदम के लिए पुलिस, अस्पताल अधिकारियों और एनजीओ को धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)
33, ब्लॉक-जीएन, सेक्टर-V,
बिधान नगर, कोलकाता-700091

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या I-15014/86/डिसमेंटलिंग

'हैदराबाद में CSIR-IICT परिसर (तत्कालीन NMDC परिसर) से मौजूदा संरचनाओं के निराकरण और मलबे के निपटान' के लिए ई-निविदा (आइटम दर) आमंत्रित की जाती है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http://eprocure.gov.in/eprocure/app पर जाएं।

विवरण और ऑनलाइन टेंडरिंग के लिए टेंडर आईडी : 2023_NCSM_784634_1 से खोजें।

निविदा 30.12.2023 के अपराह्न 3 बजे तक जमा की जा सकती है।

आम्रपाली ने एचएमडीए के संयुक्त महानगर आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आम्रपाली काटा ने शुक्रवार को हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) के संयुक्त मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने मुसी नदी विकास निगम लिमिटेड (एमआरडीसीएल) के प्रबंध निदेशक का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी संभाला। एचएमडीए सचिव चंद्राय, मुख्य अभियंता बीएलएन रेड्डी, शहरी वन निदेशक डॉ. बी प्रभाकर, संपदा अधिकारी किशन राव, योजना निदेशक विद्याधर, श्रीनिवास, कानूनी विशेषज्ञ यशस्वी सिंह सहित एचएमडीए अधिकारियों और कर्मचारियों ने आम्रपाली को बधाई दी और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आम्रपाली ने एचएमडीए कर्मचारियों के सहयोग से और अधिक नई परियोजनाएं और विकास कार्यक्रम करने का अवसर देने के लिए राज्य सरकार को धन्यवाद दिया।

पूर्व कृषि मंत्री ने राज्यपाल के अभिभाषण की निंदा की

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पूर्व कृषि मंत्री सिंगिरेड्डी निरंजन रेड्डी ने आज विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण की कड़ी आलोचना की। शुक्रवार को यहां एक विज्ञप्ति में निरंजन ने पूछा कि क्या यह राज्यपाल का भाषण है या कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र है। उन्होंने कहा कि यह कोई आर्थिक विद्रोह नहीं है और उन्होंने कहा कि वे वित्तीय स्वतंत्रता लाए हैं। उन्होंने कांग्रेस पर ऋण के नाम पर योजनाओं से बचने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बेहतर होगा कि कांग्रेस पार्टी हमारी पार्टी के साढ़े नौ साल के शासन पर कीचड़ उछालने के बजाय छह गारंटियों के कार्यान्वयन पर ध्यान दे। बिजली विभाग पर 86,000 करोड़ रुपये का कर्ज दिखाना हास्यास्पद है।

यूट्यूबर फर्जी खबर चलाने के आरोप गिरफ्तार

अभिनेता विजय देवरकोंडा के बारे में अफवाह फैलाने का आरोप

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने अभिनेता विजय देवरकोंडा पर फर्जी खबरें और गलत सूचना फैलाने के आरोप में एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर के वेंकट किरण (30), अनंतपुर स्थित एक यूट्यूब चैनल सिनेपोलिस चलाते हैं। उन्होंने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल पर विजय देवरकोंडा और उनके साथ अभिनय करने वाली महिला अभिनेताओं में से एक के बारे में अफवाहें और फर्जी खबरें साझा की थीं। पुलिस ने कहा कि फर्जी खबर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर तुरंत वायरल हो गई और कई लोग इसे बार-बार दूसरों के साथ साझा कर रहे थे। फर्जी खबर के बारे में जानने पर विजय की टीम ने साइबर क्राइम पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस टीम ने गहन तकनीकी विश्लेषण के बाद प्रेषक का पता लगाया और उसे आंध्र प्रदेश में उसके घर से पकड़ लिया। उसे कैदी के ट्रांजिट वारंट पर हैदराबाद लाया गया और न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए यहां एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने यह भी सुनिश्चित किया कि वह अपने चैनल से आपत्तिजनक वीडियो हटा दे।

हैदराबाद किड्स फेयर 22 से हाईटेक्स में

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाईटेक्स 22 से 24 दिसंबर तक हाईटेक्स में तीन दिवसीय हैदराबाद किड्स फेयर 2023, श्रृंखला का 16वां संस्करण आयोजित करेगा। हैदराबाद किड्स फेयर हाईटेक्स द्वारा आयोजित एक वार्षिक प्रमुख बी2सी कार्यक्रम है, जो समर्पित है। बच्चों के उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन, परिवारों, स्कूलों और सभी उम्र के बच्चों के लिए एक व्यापक खरीदारी अनुभव बनाना है। शुक्रवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, हाईटेक्स के बिजनेस हेड श्रीकांत टीजी ने कहा कि यह चार प्रमुख श्रेणियों- शिक्षा, जीवन शैली, पोषण और शौक में उत्पादों और सेवाओं का एक जीवंत प्रदर्शन होने का वादा करता है।

मंत्री तुम्मला ने पदभार ग्रहण किया किसानों को बायबैक का आश्वासन

हैदराबाद, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि, सहयोग, विपणन, हथकरघा और कपड़ा मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने शुक्रवार को यहां सचिवालय में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, मंत्री ने राज्य में ऑयलपाम की खेती को बढ़ावा देने और ऑयलपाम किसानों को बायबैक व्यवस्था का आश्वासन देने के लिए 1,050 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ पांच ऑयल पाम प्रसंस्करण मिलों की स्थापना को मंजूरी देते हुए तीन फाइलों पर हस्ताक्षर किए। प्रारंभ में चरणबद्ध तरीके से 110 रैतू वेदिकाओं में वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रणाली स्थापित की जाएगी। प्रस्तावित कार्य किसानों के लिए वैज्ञानिकों के साथ सीधे बातचीत करने, नई प्रौद्योगिकियों पर ज्ञान और अनुभव साझा करने के लिए एक डिजिटल मंच तैयार करेगा।

एक और मंजूरी यह है कि सहकारिता विभाग में पारदर्शी और परेशानी मुक्त प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए, तेलंगाना राज्य में सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार और अन्य जिला सहकारी कार्यालयों की सभी गतिविधियों का कम्प्यूटरीकरण किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, कृषि विभाग के सचिव रघुनंदन राव, निदेशक गोपी, बागवानी विभाग के आयुक्त हनुमंत राव के साथ-साथ विपणन, हथकरघा और कपड़ा क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों और उनके समर्थकों ने मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए तुम्मला नागेश्वर राव को बधाई दी और शुभकामनाएं दी।

सड़क दुर्घटना में शिक्षक एमएलसी शेख सबजी की मौत

एलुरु, 15 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एपी के पश्चिम गोदावरी जिले के उंडी मंडल के चेरुकुवाड़ा में एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। गोदावरी दोनों जिलों के शिक्षक एमएलसी शेख सबजी की दुर्घटना में मौत हो गई। दो कारों के आपस में टकराने से कार में सवार एमएलसी शेख सबजी की मौके पर ही मौत हो गई। एमएलसी शेख सबजी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के धरने को समर्थन देने के लिए एलुरु से भीमावरम जा रहे थे। चेरुकुवाडा में बीच सड़क पर एक सड़क हादसा हुआ। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए उनके ड्राइवर, गनमैन और पीए को 108 वाहन में भीमावरम सरकारी अस्पताल ले जाया गया। मार्च 2021 में, शेख सबजी ने पीडीएफ के समर्थन से शिक्षक एमएलसी के रूप में जीत हासिल की। उन्होंने प्रमुख पार्टियों के समर्थकों के खिलाफ चुनाव लड़ा और 1534 वोटों के बहुमत से जीत हासिल की। एक शिक्षक के रूप में काम करते हुए, वह यूटीएफ में राज्य अध्यक्ष के पद तक पहुंचे। जिला कलेक्टर प्रशांति और एसपी रवि प्रकाश ने भीमावरम सरकारी अस्पताल में एमएलसी शेख सबजी को श्रद्धांजलि दी। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने एक्स (ट्विटर) पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शेख सबजी की मृत्यु सबसे दुखद थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.